राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

गौरवशाली भारत

दिल्ली से प्रकाशित

R.N.I. NO. DELHIN/2011/38334 वर्ष- 10, अंक- 230 पृष्ठ - 08, नई दिल्ली, शुक्रवार ,12 फरवरी 2021 , मूल्य रु. 1.50

पिछड़ा आयोग को देश में संवैधानिक दर्जा भाजपा सरकार की है देन : मोदी

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को दिल्ली में पंडित दीन दयाल उपाध्याय की पुण्यतिथि के मौके पर भाजपा सांसदों को संबोधित किया। इस दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने लोकल फॉर वोकल, जनधन योजना, हर घर में शौचालय से लेकर टेक्नोलॉजी तक की सरकार की उपलब्धियां गिनवाई। संबोधन की शुरुआत में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, आज हम सभी दीनदयाल उपाध्याय जी की पुण्यतिथि पर आज उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए एकत्र हुए हैं। पहले भी अनेकों अवसर पर हमें दीनदयाल जी से जुड़े कार्यक्रमों में शामिल होने का, विचार रखने का और अपने वरिष्ठ जनों के विचार सुनने का अवसर मिलता रहा है।

राजनीति से ऊपर है राष्ट्रनीति- प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, ये हमारी विचार धारा है कि हमें राजनीति का पाठ, राष्ट्रनीति की भाषा में पढ़ाया जाता है। हमारी राजनीति में भी राष्ट्रनीति सर्वोपरि है। यदि हमें राजनीति और राष्ट्रनीति में एक को स्वीकार करना होगा, तो हमें संस्कार मिले हैं हम राष्ट्रनीति को स्वीकार करेंगे, राजनीति को नंबर दो पर रखेंगे।

प्रधानमंत्री मोदी ने राजनीतिक अस्पृश्यता का विचार अस्वीकार करते हुए बताया कि पार्टी में वंशवाद को नहीं कार्यकर्ता को महत्व दिया जाता है। उन्होंने कहा, प्रणव मुखर्जी, तरुण गोगोई, एस.सी.जमीर इनमें से कोई भी राजनेता हमारी पार्टी या फिर गठबंधन का हिस्सा कभी नहीं रहे। लेकिन राष्ट्र के प्रति उनके योगदान का सम्मान करना हमारा कर्तव्य है। हमारे राजनीतिक दल हो सकते हैं, हमारे विचार अलग हो सकते हैं, हम चुनाव में पूरी शक्ति से एक दूसरे के खिलाफ लड़ते हैं पर इसका मतलब ये नहीं कि हम अपने राजनीतिक विरोधी का सम्मान ना करें।

प्रधानमंत्री मोदी ने कोविड-19 महामारी के कारण उत्पन्न संकट के हालातों का उल्लेख करते हुए कहा, कोरोनाकाल में देश ने अंत्योदय की भावना को सामने रखा, और अंतिम पायदान पर खड़े हर गरीब की चिंता की। आत्मनिर्भरता की शक्ति से देश ने एकात्म मानव दर्शन को भी सिद्ध किया, पूरी दुनिया को दवाएं पहुंचाई, और आज वैक्सीन पहुंचा रहा है।

प्रधानमंत्री ने कहा, लोकल इकोनॉमी पर विजन इस बात का प्रमाण है कि उस दौर

में भी उनकी सोच कितनी practical और व्यापक थी। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, हमारे शास्त्रों में कहा गया है, स्वदेशो भुवनम् त्रयम् अर्थात, अपना देश ही हमारे लिए सब कुछ है, तीनों लोकों के बराबर है। जब हमारा देश समर्थ होगा, तभी तो हम दुनिया की सेवा कर पाएंगे। एकात्म मानव दर्शन को सार्थक कर पाएंगे। प्रधानमंत्री ने आगे बताया, एक ओर वो भारतीय राजनीति में एक नए विचार को लेकर आगे बढ़ रहे थे, वहीं दूसरी ओर, वो हर एक पार्टी, हर एक विचारधारा के नेताओं के साथ भी उतने ही सहज रहते थे। हर किसी से उनके आत्मीय संबंध थे।

प्रधानमंत्री ने विभिन्न रायों के बंटवारे के मुद्दे को भी उठाया और कहा कि भाजपा की सरकारों ने 3 नए राय बनाए तो हर कोई हमारे तौर तरीकों में दीनदयाल जी के संस्कारों का प्रभाव स्पष्ट देख सकता है। उन्होंने कहा, रायों का विभाजन जैसा काम राजनीति में कितने रिस्क का काम समझा जाता था। इसके उदाहरण भी हैं अगर कोई नया राय बना तो देश में कैसे हालत बन जाते थे।

उन्होंने कहा, हमारी पार्टी, हमारी सरकार आज महात्मा गांधी के उन सिद्धांतों पर चल रही है जो हमें प्रेम और करुणा के पाठ पढ़ाते हैं।

हमने बापू की 150 वीं जयंती भी मनाई और उनके आदर्शों को अपनी राजनीति में, अपने जीवन में भी उतारा है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, आप सबने दीन दयाल जी को पढ़ा भी है और उन्हीं के आदर्शों से अपने जीवन को गढ़ा भी है। इसलिए आप सब उनके विचारों से और उनके समर्पण से भली-भांति परिचित हैं। मेरा अनुभव है और आपने भी महसूस किया होगा कि हम जैसे-जैसे दीनदयाल जी के बारे में सोचते हैं, बोलते हैं, सुनते हैं, उनके विचारों में हमें हर बार एक नवीनता का अनुभव होता है।

प्रधानमंत्री ने कहा, सामाजिक जीवन में एक नेता को कैसा होना चाहिए, भारत के लोकतन्त्र और मूल्यों को कैसे जीना चाहिए, दीनदयाल जी इसके भी बहुत बड़ा उदाहरण हैं। उन्होंने कहा, एकात्म मानव दर्शन का उनका विचार मानव मात्र के लिए था। इसलिए, जहां भी मानवता की सेवा का प्रश्न होगा, मानवता के कल्याण की बात होगी, दीनदयाल जी का एकात्म मानव दर्शन प्रासंगिक रहेगा। एक ओर वो भारतीय राजनीति में एक नए विचार को लेकर आगे बढ़ रहे थे, वहीं दूसरी ओर, वो हर एक पार्टी, हर एक विचारधारा के नेताओं के साथ भी उतने ही सहज रहते थे। हर किसी से उनके आत्मीय संबंध थे।

पहले ही पार्टी के विचारक दीन दयाल उपाध्याय की पुण्यतिथि के लिए प्रधानमंत्री ने ट्वीट कर बताया था, दीन दयाल जी का जीवन और उनका मिशन हम सभी को प्रेरणा देता है। उनकी पुण्यतिथि पर 11 फरवरी को मैं भाजपा सांसदों को संबोधित करूंगा। बता दें कि इस मौके को भाजपा 'समर्पण दिवस' के तौर पर मनाती है।

पार्टी के पितृपुरुष कहे जाने वाले दीन दयाल राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के वरिष्ठ पदाधिकारी व भारतीय जन संघ के अध्यक्ष भी थे। उनका जन्म 25 सितंबर 1916 को हुआ था। समावेशित विचारधारा के समर्थक दीन दयाल मजबूत और सशक्त भारत चाहते थे। साहित्य में गहरी रुचि रखने वाले दीन दयाल ने हिंदी और अंग्रेजी भाषाओं में कई लेख लिखे। उन्होंने एकात्म मानववाद नामक विचारधारा दी थी जिसके तहत विभिन्न संस्कृतियां आपस में मिलकर एक मजबूत राष्ट्र का निर्माण कर सकें।

राहुल गांधी का तंज- हम दो, हमारे दो के फॉर्म्युले से कॉरपोरेट को मदद कर रहे प्रधानमंत्री

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने गुरुवार को तीन नए कृषि कानूनों को लेकर केंद्र सरकार को घेरते हुए आरोप लगाया कि यह हम दो, हमारे दो की सरकार है। उन्होंने लोकसभा में आम बजट पर चर्चा में भाग लेते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधा। उन्होंने कहा, कल प्रधानमंत्री जी ने अपने भाषण में विपक्ष के बारे में बोला था कि विपक्ष आंदोलन की बात कर रहा है, लेकिन कृषि कानूनों के कॉन्टैंट और इन्टैंट के बारे में नहीं बोल रहा है, तो मैंने सोचा कि आज प्रधानमंत्रीजी को खुश करें और कृषि कानूनों के कॉन्टैंट को लेकर बात करें। उन्होंने कहा कि पहले कानून का कॉन्टैंट यह है कि कोई भी व्यक्ति देश में कहीं भी कितना भी अनाज, सब्जी, फल खरीद सकता है। जितना भी खरीदना चाहता है तो खरीद सकता है। अगर देश में अनलिमिटेड खरीदी होगी तो मंडी में कौन जाकर खरीदेगा। पहले कानून का कॉन्टैंट का लक्ष्य मंडियों

को खत्म करने का है। दूसरे कानून का कॉन्टैंट है कि बड़े से बड़े उद्योगपति जितना भी स्टॉक करना चाहते हैं, कर सकेंगे। इसका मतलब जमाखोरी को देश में चालू करने का है। वहीं, तीसरे कानून का कॉन्टैंट यह है कि जब किसान देश के सबसे बड़े उद्योगपति के पास जाकर अपने अनाज का सही दाम मांगेगा तो उसे कोर्ट में नहीं जाने दिया जाएगा।

लोकसभा में राहुल गांधी ने कहा कि यह किसानों का सिर्फ आंदोलन नहीं है, यह देश का आंदोलन है। एक आवाज से पूरा देश उठने वाला है। पूरा देश एक आवाज से हम दो- हमारे दो के खिलाफ उठने जा रहा है। राहुल गांधी ने कहा कि इन कानूनों के बाद देश का कृषि क्षेत्र दो-चार उद्योगपतियों के हाथ में चला जाएगा। कांग्रेस के लोकसभा सदस्य ने आरोप लगाया, एक नारा था, हम दो हमारे दो। यह हम दो हमारे दो की सरकार है। उन्होंने यह आरोप भी लगाया, प्रधानमंत्री जी कहते हैं कि उन्होंने विकल्प दिया है। इन्होंने भूख, बेरोजगारी और आत्महत्या का विकल्प दिया है।

राहुल गांधी ने अपने संबोधन के बाद संसद में किसान आंदोलन के दौरान मर गए किसानों को श्रद्धांजलि अर्पित की। कांग्रेस सांसदों ने भी मौन रखा। हालांकि, इस दौरान लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने आपत्ति दर्ज करवाई। उन्होंने कहा कि आप वरिष्ठ सदस्य हैं। आप सब ने मुझे जिम्मेदारी है। इस तरह का व्यवहार करना उचित नहीं है। यह गरिमापूर्ण नहीं है। सैनिकों के प्रति 130 करोड़ लोगों का सम्मान है, लेकिन सदन की जिम्मेदारी आपने मुझे दी है, आपकी कभी भावना है तो मुझे बता दें।

ममता बनर्जी पर बरसे अमित शाह

कोलकाता, (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल दौरे पर पहुंचे भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता औक केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा बंगाल के अंदर माहौल ऐसा कर दिया कि जय श्री राम बोलना माने गुनाह है। अरे ममता दीदी बंगाल में जय श्रीराम नहीं बोला जाएगा तो क्या पाकिस्तान में बोला जाएगा। कूचबिहार में सभा को संबोधित करते हुए अमित शाह ने कहा मैं वादा कर रहा हूं कि चुनाव समाप्त होने तक ममता दीदी भी जय श्री राम बोलेंगी। कूचबिहार की रैली को संबोधित करते हुए अमित शाह ने कहा, ममता दीदी हमेशा पीएम मोदी से झगड़ती रहती हैं। सुभाष बाबू के कार्यक्रम में भी उन्होंने झगड़ा किया। आखिर सुभाष बाबू का कार्यक्रम था तो उसमें झगड़ा न करतीं, लेकिन वह झगड़ा करती रहती हैं। इस चुनाव में ऐसी सरकार बना दीजिए, जो मोदी जी के साथ चलकर बंगाल के विकास काम करे। एक इंजन मोदी सरकार का और दूसरा इंजन बंगाल की बीजेपी सरकार का रहेगा तो मिलकर राज्य को बहुत आगे ले जाएंगे। मोदी

जी ने एक योजना बनाई है कि हर गरीबों के घर में अगर कोई बीमार होता है तो 5 लाख तक का सारा खर्चा उनका मोदी सरकार उठाती है। लेकिन ये योजना आपको नहीं मिल रही क्योंकि ममता दीदी को ये योजना पसंद नहीं हैः अमित शाह ममता दीदी अब आप हमें गरीबों की सेवा करने से नहीं रोक सकती। मैं आपको कहता हूं कि आप मई के बाद हमें नहीं रोक पाएंगी क्योंकि आप मुख्यमंत्री ही नहीं रहेंगीः अमित शाह अमित शाह ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि इस बार नरेन्द्र मोदी जी के विकास के मॉडल और ममता जी के विनाश के मॉडल के बीच में चुनना है कि बंगाल क्या चाहता है। अमित शाह ने कहा ममता दीदी, ये लड़ाई आप जीत नहीं सकती क्योंकि बंगाल की जनता ने तय कर लिया है परिवर्तन करके ही रहेंगे। ममता दीदी, ये बंगाल का चुनाव इस बार ऐतिहासिक होने जा रहा है। आपके दंगा प्रमुख गुंड़ों के सामने मेरी भारतीय जनता पार्टी का बूथ प्रमुख लड़ाई लड़ने वाला है, बूथ का कार्यकर्ता लड़ने वाला है। कुच बिहार की रैली को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि तृणमूल कांग्रेस और कांग्रेस पार्टी ने यहां के विकास के लिए कुछ नहीं किया है। भाजपा की सरकार, मोदी जी के सूत्र सबका साथ-सबका विकास को मानकर चलती है। हम सभी समाजों को, समाज की संस्कृति भाषा संगीत साहित्य को आगे लेकर जाने वाले लोग हैं, इसीलिए धीरे-धीरे पूरा भारत मोदी जी के नेतृत्व में भाजपा से

राजनाथ ने दिलाया भरोसा, ड्रैगन से समझौते में कुछ खोया नहीं, चीन भी जान गया हमारा संकल्प

नई दिल्ली, एजेंसी । पूर्वी लद्दाख मामले पर केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने गुरुवार को लोकसभा में कहा कि ड्रैगन के साथ हुए समझौते में भारत ने कुछ भी नहीं खोया है। इससे चीन भी भारत का संकल्प जान गया है। उन्होंने कहा कि नॉर्थ एरिया में भारत अपनी सेना को धन सिंह थापा पोस्ट पर रखेगा, जबकि चीन फिंगर 3 एरिया में अपनी सेनाओं को रखेगा। पुरानी स्थिति को जल्दी ही बहाल किया जाएगा। यही स्थिति साउथ पोस्ट पर भी रहेगी। अस्थायी रूप से पेट्रोलिंग भी स्थगित होगी।

राजनाथ सिंह ने लोकसभा में कहा कि पिछले सितंबर महीने से ही भारत और चीन, दोनों ने सैन्य और राजनयिक चैनलों के जरिए से एक दूसरे के साथ बातचीत को जारी रखा। हमारा उद्देश्य एलएसी पर शांति बहाल करने के साथ-साथ यथास्थिति बनाए रखना था।

रक्षा मंत्री ने कहा कि हमारे सशस्त्र बलों ने एकतरफा चीनी कार्रवाई की चुनौतियों का जवाब दिया और पैंगोंग सो के दक्षिण और उत्तर, दोनों किनारों पर वीरता और साहस

दिखाया। कई रणनीतिक बिंदुओं की पहचान की गई और हमारे सैनिकों ने हमारे दृष्टिकोण से बहुत महत्वपूर्ण स्थानों पर खुद को तैनात किया है। उन्होंने कहा कि सदन को यह भी जानना चाहिए कि पूर्वी लद्दाख में एलएसी पर कुछ अन्य बिंदुओं पर तैनाती और पैट्रोलिंग के संबंध में अभी भी कुछ मुद्दे बकाया हैं।

उन्होंने कहा, अब तक दोनों तरफ से बख्तरबंद गाड़ियां वापस जा चुकी हैं। इस बातचीत में हमने कुछ भी खोया नहीं है। अब तक की बातचीत के बाद चीन भी हमारे संकल्प से अवगत है। हमें उम्मीद है कि चीन की ओर से सभी बचे हुए मुद्दों को बातचीत के जरिए हल करने का प्रयास किया जाएगा।

इससे पहले रायसभा में राजनाथ सिंह ने कहा था कि बातचीत के लिए हमारी रणनीति पीएम की इस निर्देश पर आधारित है कि हम अपनी एक इंच जमीन भी किसी और को नहीं लेने देंगे। इसी के तहत हमारी बीते साल सितंबर से ही बातचीत चल रही थी। अब तक सीनियर कमांडर्स के स्तर पर 9 राउंड की बातचीत हुई है। सचिव स्तर पर भी बैठकें होती रही हैं। इसके चलते पैंगोंग लेक पर उत्तर और दक्षिणी हिस्से से दोनों की सेनाएं हट रही हैं।

रायसभा में सिंह ने कहा था कि भारत ने चीन को हमेशा यह कहा है कि द्विपक्षीय संबंध दोनों पक्षों के प्रयास से ही विकसित हो सकते हैं और सीमा के प्रश्न को भी बातचीत के जरिए हल किया जा सकता है। उन्होंने कहा, हम अपनी एक इंच जमीन भी किसी और को नहीं लेने देंगे। हमारे दृढ़ संकल्प का ही फल है कि हम समझौते की स्थिति पर पहुंच गए हैं। रक्षा मंत्री ने कहा कि विभिन्न स्तरों पर चीन के साथ हुई वार्ता के दौरान भारत ने चीन को बताया कि वह तीन सिद्धांतों के आधार पर इस समस्या का समाधान चाहता है।

उन्होंने कहा कि पहला, दोनों पक्षों द्वारा वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) को माना जाए और उसका सम्मान किया जाए। दूसरा, किसी भी पक्ष द्वारा यथास्थिति को बदलने का एकतरफा प्रयास नहीं किया जाए। तीसरा, सभी समझौतों का दोनों पक्षों द्वारा पूर्ण रूप से पालन किया जाए।

राज्यसभा के सभापति वेंकैया नायडु संसद के चल रहे बजट सत्र के दौरान ।

कर्मचारियों के जीपीएफ खाते की ब्याज दरों में कटौती नहीं करेगी गहलोत सरकार

जयपुर । राजस्थान की अशोक गहलोत सरकार ने प्रदेश के करीब साढ़े 12 लाख सरकारी कर्मचारियों और पेंशनर्स को बड़ी राहत दी है । राय सरकार ने जनरल प्रोविडेंट फंड और सेंट्रल प्रोविडेंट फंड यानी सीपीएफ सहित अन्य बचत योजनाओं में ब्याज दरें स्थित रखने का निर्णय लिया है। राय सरकार ब्याज दरों में कटौती नहीं करेगी। वित्त विभाग ने इस संबंध में एक परिपत्र जारी किया है।

परिपत्र के अनुसार जीपीएफ, सीपीएफ और अन्य बचत योजनाओं में 7.1 प्रतिशत ब्याज दर लागू रहेगी। पहले इन ब्याज दरों में कटौती पर विचार किया जा रहा था। तय ब्याज दरें 1 जनवरी से लागू मानी जाएगी और 31 मार्च तक प्रभावी होगी। पूर्व 1अप्रैल से 30 जून 2020 तक भी ये ही ब्याज दर थी। उससे पहले ब्याज दर 7.9 प्रतिशत तय थी। गहलोत सरकार ने 30 अप्रैल,2020 को जीपीएफ और सीपीएफ के तहत जमा राशि पर मिलने वाली ब्याज दर में 0.8

प्रतिशत की कटौती की थी। इस कटौती से सरकारी कर्मचारियों एवं पेंशनर्स को आर्थिक नुकसान हो रहा था।

उल्लेखनीय है कि राय में जीपीएफ पर मिलने वाले ब्याज दर की प्रत्येक तीन माह में समीक्षा होती है। कोरोना महामारी के कारण इससे पहले भी सरकार ब्याज दरों में कटौती कर चुकी है। इस बार भी कटौती की आशंका से कर्मचारी और पेंशनर्स में नाराजगी पैदा हो रही थी।

जीपीएफ खाते में सरकारी कर्मचारियों को किस्त में एक निश्चित समय तक योगदान देना होता है। खाता धारक कर्मचारी जीपीएफ शुरू करते समय आश्रित भी बना सकता है। खाता धारक को सेवानिवृति के बाद इसमें जमा पैसों का भुगतान किया जाता है। वहीं अगर खाता धारक की मृत्यु हो जाए तो उसके आश्रित को भुगतान किया जाता है । कोरोना महामारी के कारण लगे लॉकडाउन से राय सरकार की अर्थव्यवस्था को झटका लगा है । राजस्व में काफी कमी आई है । इस कारण कटौती की आशंका जताई जा रही थी ।

एक नज़र...

ओवैसी के समर्थन से जीतीं ग्रेटर हैदराबाद मेयर

हैदराबाद, (एजेंसी)। ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम में भाजपा को हराने के लिए ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने तेलंगाना राष्ट्र समिति (टीआरएस) को समर्थन दे दिया। इसके बाद, ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम के महापौर और उप महापौर पद पर टीआरएस की महिला टीम का कब्जा हो गया। ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम के लिए गुरुवार को टीआरएस की गड़वाल विजयालक्ष्मी को महापौर चुना गया। तेलंगाना राष्ट्र समिति से आने वाली गड़वाल विजयालक्ष्मी वार्ड नंबर 93 से चुनकर सदन में पहुंची हैं।

मौनी अमावस्या पर लाखों श्रद्धालुओं ने किया स्नान

हरिद्वार, (एजेंसी)। उत्तराखंड की तीर्थनगरी हरिद्वार में गुरुवार को मौनी अमावस्या के अवसर पर लाखों श्रद्धालुओं ने हर की पौड़ी सहित विभिन्न घाटों पर स्नान किया। यह इस साल का यह दूसरा बड़ा स्नान है इससे पहले मकर संक्रांति पर्व पर भी यहां पर लाखों श्रद्धालुओं ने स्नान किया था हालांकि सरकारी तौर पर गुरुवार का स्नान महाकुंभ मेले के स्नान में शामिल नहीं है, लेकिन आस्था इन औपचारिकताओं पर भारी पड़ी है। लोग बुधवार से ही गुरुवार के स्नान के लिए हरिद्वार पहुंचने लगे थे, जिसे देखते हुए प्रशासन ने व्यवस्थाएं की थीं, हालांकि महाकुंभ को देखते हुए केंद्र सरकार ने गाइडलाइन जारी की है।

88 फीसदी लोग तंबाकू पर सख्त कानून के पक्ष में

नई दिल्ली, (एजेंसी)। देश में 80 प्रतिशत लोगों का मानना है कि सिगरेट, बीड़ी और धूम्रपान रहित तंबाकू का इस्तेमाल एक भारी समस्या है और इससे निपटने के लिए मजबूत कानून बनाया जाना चाहिए। गैर सरकारी संगठन कंज्यूमर वॉयस के यहां जारी एक सर्वेक्षण के अनुसार देश के 10 राज्यों में 80 प्रतिशत से अधिक भारतीयों का मानना है कि सिगरेट, बीड़ी, धूम्रपान रहित तंबाकू का इस्तेमाल एक बहुत ही गंभीर समस्या है। सर्वेक्षण में कहा गया है कि 72 प्रतिशत लोग 'सैकेंड हैंड स्मोक' को एक गंभीर स्वास्थ्य खतरा मानते हैं। 88 प्रतिशत लोग वर्तमान तंबाकू नियंत्रण कानून को मजबूत बनाने का समर्थन करते हैं।

आशा सहयोगिनियों के लिए पीएम को लिखा है पत्र

जयपुर, (एजेंसी)। राजस्थान की महिला एवं बाल विकास राज्यमंत्री ममता भूपेश ने विधानसभा में बताया कि प्रदेश की आशा सहयोगिनियों का मानदेय बढ़ाने हॉल में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखा गया है। श्रीमती भूपेश ने बताया कि सभी आशा सहयोगिनी एनएचएम के तहत कार्य कर रही हैं और वर्ष 2013-14 के बाद इनके मानदेय में कोई वृद्धि नहीं हुई है। कोविड-19 के दौरान आशा सहयोगिनियों ने अपना सक्रिय योगदान दिया। मुख्यमंत्री ने गत दो जनवरी को इनका मानदेय बढ़ाने प्रधानमंत्री को पत्र लिखा, लेकिन केंद्रीय बजट में इनके मानदेय बढ़ाने की कोई घोषणा नहीं की गई।

राजस्थान विस में भाजपा विधायकों का हंगामा

जयपुर, (एजेंसी)। राजस्थान विधानसभा के बजट सत्र के दूसरे दिन भाजपा विधायकों ने कोटा में आरएसएस कार्यकर्ता पर हमले के मामले पर चर्चा करने की मंजूरी नहीं मिलने पर सदन में हंगामा किया और वेल में आकर धरने पर बैठ गए। भाजपा विधायक वासुदेव देवनानी ने यह मुद्दा उठाने का आग्रह किया, लेकिन अध्यक्ष डॉ सीपी जोशी ने इसकी अनुमति नहीं दी। इस पर आपत्ति जताते हुए भाजपा विधायक जोर-जोर से बोलने लगे और हंगामा शुरू कर दिया। वे वेल में आकर नारेबाजी करने लगे। श्री जोशी ने भाजपा विधायकों से अपनी सीट पर जाने के लिए कहा लेकिन वे वेल में डटे रहे।

फर्जी खबर फैलाने वालों को चेतावनी

श्रीनगर, (एजेंसी)। दक्षिण कश्मीर के पुलवामा जिले में आतंकवादी ठिकाने का पर्दाफाश करने संबंधी खबरों से इंकार करते हुए पुलिस ने सोशल मीडिया पर फर्जी खबर फैलाने वालों को गुरुवार को चेतावनी जारी की। पुलिस के एक प्रवक्ता ने बताया कि कुछ वाट्सएप समूहों ने पुलवामा के वुआन ख्रिउ इलाके में आतंकवादी ठिकाने का पर्दाफाश करने संबंधी फर्जी खबर प्रसारित की थी। पुलिस के प्रवक्ता ने बताया कि जबकि ऐसी कोई घटना नहीं हुई है। साथ ही प्रवक्ता ने वाट्सएप समूहो चेतावनी दी है कि इस प्रकार के फर्जी और अपुष्ट खबरें फैलाने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

'उत्तर कोरिया अपने परमाणु हथियारों और बैलिस्टिक मिसाइलों को विकसित करने में लगा'

नई दिल्ली। उत्तर कोरिया अपनी परमाणु शक्ति बढ़ाने के लिए कई कदम उठा रहा है। अब संयुक्त राष्ट्र (यूएन) की रिपोर्ट में बड़ा खुलासा हुआ है। संयुक्त राष्ट्र के विशेषज्ञों का कहना है कि उत्तर कोरिया ने प्रतिबंधों के बावजूद अपने परमाणु हथियारों और बैलिस्टिक मिसाइलों को विकसित करने में लगा हुआ है। उत्तर कोरिया ताकतवर देशों की सूची में शामिल होने के लिए अब हैकरों की मदद ले रहा है। सपना पूरा करने के लिए हैकरों की सेना का सहारा ले रहा है। यूएन की गोपनीय रिपोर्ट में कहा गया है कि परमाणु कार्यक्रम को वित्तीय मदद करने के लिए उत्तर कोरियाई हैकरों ने बीते साल अरबों रुपये चुराए।

परमाणु कार्यक्रमों को जारी रखने के लिए हैकर्स की मदद ले रहा

उत्तर कोरिया के तानाशाह किम जोंग पर आरोप है कि वह अपनी अर्थव्यवस्था को बनाए रखने और परमाणु कार्यक्रमों को जारी रखने के लिए हैकिंग की मदद ले रहा है। इस रिपोर्ट में कहा गया है कि उत्तर कोरिया के हैकर्स ने हैकिंग कर के 2020 में करीब 21,86,70,90,000 रुपये चोरी किए हैं। यूएन रिपोर्ट ने दावा किया है कि उत्तर कोरिया के हैकर्स फिशिंग अभियान चलाने में लगे हैं। उत्तर कोरिया परमाणु हथियार बढ़ाने और बैलिस्टिक मिसाइल को विकसित करते ने हैकिंग कर रहा है। संयुक्त राष्ट्र के जांचकर्ताओं ने कहा है कि इतनी बड़ी रकम चोरी करने वाला देश संभवतः उत्तर कोरिया ही है।

रोक के बावजूद बढ़ा रहा परमाणु हथियार

उत्तर कोरिया पर यूएन के विशेषज्ञों की जारी रिपोर्ट में कहा गया है कि परमाणु हथियारों के परीक्षण पर रोक के बावजूद वह लगातार हथियार बढ़ा रहा है। पहले भी बड़ी हैकिंग में उत्तर कोरिया का नाम सामने आता रहा है। उत्तर कोरिया के सेना के हकर्स ने उत्तर कोरिया से भागकर दक्षिण कोरिया में बसे लगभग एक हजार लोगों के निजी डेटा लीक किया था।

काबुल में अलग-अलग जगहों पर हमले, चार की मौम, चार घायल

काबुल। अफगानिस्तान में हमले और उनसे होने वाली मौतों का सिलसिला लगातार जारी है। यहां अलग-अलग जगहों पर हमले हुए। इन हमलों में चार सरकारी कर्मचारियों और चार अफगान पुलिसकर्मियों की मौत हो गई। इस बारे में अधिकारियों ने जानकारी दी है। हालाकिं अभी तक किसी भी संगठन की तरफ से इन अलग-अलग जगहों पर हुए हमलों की जिम्मेदारी नहीं ली गई है। एक ही दिन लगातार हुए इन हमलों से हाहाकार मचा हुआ है।

4 कर्मचारी 4 पुलिसकर्मियों की मौत

राजधानी काबुल के पुलिस प्रमुख के प्रवक्ता एफ. फरमराज ने हमलों के बारे में बताया कि राजधानी के बाग-ए दाउद इलाके में बंदूकधारियों के हमले में ग्रामीण विकास मंत्रालय के चार

कर्मचारी मारे गए। पुलिस मामले की जांच कर रही है। यहां काबुल में ही एक अन्य जगह पर कार पर लगाये स्टिकी बम में विस्फोट से एक अन्य सरकारी कर्मचारी घायल हो गया। इस बारे में प्रांतीय गवर्नर वाहिद कताली ने बताया कि हेरात प्रांत के जेंदा जान जिले में पुलिस का एक वाहन सड़क किनारे लगाए गए बम की चपेट में आ गया। इस विस्फोट में चार पुलिसकर्मियों की मौत हो गयी जबकि एक घायल हो गया। दरअसल अफगानिस्तान सरकार और तालिबान के बीच कतर में बीते कई महीनों से चल रही शांतिवार्ता में गतिरोध उत्पन्न होने के बाद देश में हिंसा की घटनाएं लगातार बढ़ गई हैं। हर दिन यहां के लोगों को हमले, विस्फोट और धमाकों से रूबरू होना पड़ता है। इससे दो दिन पहले राजधानी काबुल में एक बम विस्फोट हुआ था। इस हादसे में दो लोग घायल हो गए थे। बताया गया कि हमलावरों ने काबुल पुलिस के वाहन को विस्फोट के लिए इस्तेमाल किया। विस्फोट के बारे में सामने आई रिपोर्ट के अनुसार, विस्फोट काबुल के पीडी 9 में मैक्रोंनारायण-ए-चार क्षेत्र में सुबह करीब 08:45 बजे (स्थानीय समयानुसार) हुआ था। फिलहाल इस हादसे की जिम्मेदारी किसी आतंकी संगठन ने नहीं ली।

अमेरिका में वॉटर प्लांट हैकन्केमिकल की मात्रा बढ़ाकर 15 हजार लोगों की जान लेने की साजिश, ऑपरेटर की चौकसी से बची जान

फ्लोरिडा । अमेरिका के फ्लोरिडा में हैकर्स ने एक वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट में केमिकल का स्तर बढ़ाकर 15 हजार लोगों की जान लेने की कोशिश की। हालांकि समय रहते इस हमले को रोक लिया गया। हैकर्स ने पहले सिटी कम्प्यूटर को एक्सेस किया और घातक सोडियम हाइड्रोक्साइड की मात्रा को जानलेवा स्तर तक ले जाने की कोशिश की, जो आमतौर पर पानी से धातुओं को निकालने के लिए उपयोग होता है। यह साइबर हमला फ्लोरिडा में टम्पा कस्बे से 15 मील दूर बसे पाइनलास काउंटी के ओल्ड्समर वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट पर हुआ। कस्बे के शेरिफ बॉब गुआलटेरी ने सोमवार को बताया कि हैकर्स ने 5 फरवरी की सुबह 8 बजे प्लांट के उस कम्प्यूटर को हैक कर लिया था, जिससे पानी में केमिकल की मात्रा नियंत्रित की जाती है।

मिशन मंगल: अंतरिक्ष में एक बार फिर बढ़ी चहलकदमी, ग्रह पर पहुंचेंगे 3 यान

वॉशिंगटन। फरवरी के महीने में आपको सिर्फ मंगल-मंगल ही सुनाई देगा। क्योंकि लाखों मील दूर अंतरिक्ष में एक बार फिर चहलकदमी बढ़ने वाली है। मंगल ग्रह में कभी जीवन था या नहीं इस बात की पुष्टि करने के लिए जल्द ही तीन अंतरिक्ष यान मंगल ग्रह पर पहुंचने वाले हैं। इनमें संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) ने अपना यान मंगलवार को पहुंचाया है।

इस महीने मंगल पर पहुंचेंगे तीन अंतरिक्ष यान

संयुक्त अरब अमीरात का यान 9 फरवरी को मंगल ग्रह पर पहुंचा। इसके 24 घंटे बाद चीन का ऑर्बिटर रोवर कॉम्बो मंगल ग्रह पर कदम रखेगा। वहीं अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा का पर्सिवरेंस मार्स रोवर 18 फरवरी को मंगल की सतह पर उतरेगा।

9 फरवरी को पहुंचा यूएई का यानः संयुक्त अरब अमीरात की स्पेस एजेंसी ने 9 फरवरी की रात 9 बजे होप मार्स मिशन को मंगल ग्रह की कक्षा में

सफलतापूर्वक पहुंचा दिया। इस बारे में स्पेस एजेंसी ने ट्वीट करके कहा कि हमारी सात साल की मेहनत रंग लाई है। इस मिशन को 19 जुलाई 2020 में लॉन्च किया गया था। गौरतलब है कि संयुक्त अरब अमीरात और चीन के इससे पहले कई अभियान असफल रह चुके हैं। अगर ये दोनों देश अपने इस अभियान में सफल हो जाते हैं तो मंगल की यात्रा करने वाले देशों में यूएई और चीन का नाम जुड़ जाएगा। बता दें कि UAE के होप मार्स मिशन को लॉन्च करने के लिए जापान के तांगेशिमा स्पेस सेंटर से मित्शुबिशी हैवी इंड्स्ट्री रॉकेट से छोड़ा गया था।UAE के वैज्ञानिकों को उम्मीद है कि यह दो साल तक मंगल ग्रह की कक्षा में काम करेगा। यह अरब देश का पहला मंगल मिशन था। होप मार्स मिशन मंगल ग्रह की कक्षा में चक्कर लगाएगा। इसी तरह चीन ने भी अपना यान तियानवेन-1 मंगल ग्रह पर भेजा है। चीन ने इस यान को 23 जुलाई 2020 को लॉन्च किया था। उम्मीद जताई जा रही है कि चीन का यान तियानवेन-1 आज यानी 10 फरवरी को किसी समय मंगल ग्रह की कक्षा में प्रवेश करेगा। साथ ही मंगल पर उतरने के लिए उपयुक्त जगह की तलाश करेंगे। सही जगह मिलने के बाद धूल भरी सुर्ख लाल सतह पर उतरने के लिए रोवर ऑर्बिटर से अलग हो जाएगा। यदि चीन इस अभियान में सफल हो जाता है तो चीन मंगल पर उतरने वाला दूसरा देश बन जाएगा। गौरतलब है कि अभी तक केवल अमेरिका ने ही लाल ग्रह में अपनी मौजूदगी दर्ज कराई है।

18 फरवरी को नासा का मार्स मिशन पर्सीवरेंस करेगा लैंड

वहीं अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा का मार्स मिशन पर्सिवरेंस 18 फरवरी को मंगल ग्रह पर लैंड करेगा। नासा के मार्स मिशन का नाम है पर्सिवरेंस मार्स रोवर और इंजीन्यूटी हेलिकॉप्टर। परसिवरेंस मार्स रोवर 1000 किलोग्राम वजनी है। यह रोवर मंगल ग्रह पर 10 साल तक काम करेगा।

चीन से नहीं फैला कोरोना! डब्ल्यूएचओ ने दी क्लीन चिट,

कहा- नहीं मिले कोई सबूत

बीजिंग। कोरोना वायरस महामारी की शुरूआत चीन के वुहान शहर में हुई। इसके बाद से चीन पर संक्रमण फैलाने का आरोप लगा। अमेरिका ने खुलेआम कहा कि ये वायरस चीन से ही फैला है तो वहीं कई अन्य देशों ने भी इस दिशा में जांच के लिए हामी भर दी। जिसके बाद विश्व स्वास्थ्य संगठन की टीम इस सवाल का जवाब तलाशने के लिए वुहान गई।

चीन को मिली क्लीन चिट

इस मामले में WHO की टीम की तरफ से फिलहाल चीन को क्लीन चिट दे दी गई है। एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, विश्व स्वास्थ्य संगठन के एक एक्सपर्ट ने कहा है कि इस बात की कोई आशंका नहीं है कि कोरोना वायरस वुहान शहर के लैब से लीक हुआ था। संगठन के के खाद्य सुरक्षा और जंतु विशेषज्ञ ने WHO टीम की जांच के आधार पर ये निष्कर्ष दिए हैं।

टीम ने किया था वुहान का दौरा

बता दें कि कोरोना वायरस संक्रमण का पहला केस दिसंबर

2019 में चीन के वुहान शहर में ही आया था। जिसके बाद डब्ल्यूएचओ की टीम वुहान इस सवाल का जवान तलाशने के लिए गई कि क्या कोरोना वायरस की उत्पत्ति चीन के वुहान शहर में हुई थी? इसके लिए टीम ने वुहान का दौरा किया और वुहान इंस्टीट्यूट ऑफ वायरोलॉजी भी पहुंची थी।

गौरतलब है कि वुहान इंस्टीट्यूट ऑफ वायरोलॉजी में कोविड-19 के कई सैंपल मिले थे, इसके बाद चीन पर आरोप लगा कि वुहान शहर से ही ये महामारी पूरी दुनिया में फैली है। हालांकि इन आरोपों का कोई वैज्ञानिक आधार नहीं था। चीन की तरफ से भी हमेशा इन आरोपों को खारिज किया जाता रहा है।

नहीं मिले ऐसे कोई संकेत

इसके बाद विश्व स्वास्थ्य संगठन के एक्सपर्ट ने वुहान में अस्पतालों, शोध संस्थानों और उस बाजार का भी दौरा किया, जहां के बारे में कहा जाता है कि वहीं से वायरस फैला था। बता दें कि इन एक्सपर्ट्स में दस देशों के विशेषज्ञ शामिल थे। WHO की टीम का कहना है कि उन्हें ऐसे कोई संकेत नहीं मिले हैं, जिससे पता चल सके कि दिसंबर 2019 से पहले भी यहां वायरस की मौजूदगी थी।

क्या चीन से नहीं फैला कोरोना?

चीन के विशेषज्ञों के साथ वुहान गई WHO की टीम ने इसके अलावा यह भी कहा कि कोरोना वायरस जानवरों की वजह से फैला है, इस बात की भी अभी तक कोई पुष्टि नहीं हो सकी है। बता दें कि इस मामले में विश्व समुदाय ने स्वतंत्र जांच की मांग की है, लेकिन चीन हमेशा इससे इनकार करता रहा है। दुनिया के कई देश इस बीमारी से जुड़ी सूचनाएं मांग रहे हैं। पूरी दुनिया में इस महामारी से तबाही का मंजर देखने को मिला है।

पोर्न एक्ट्रेस का खुलासा: ट्रंप के साथ बिताए 90 सेकंड, खुद से करने लगी नफरत

वाशिंगटन। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के ऊपर पोर्न एक्ट्रेस स्टॉर्मी डेनियल्स ने एक बार फिर अपने कथित रिश्ते को लेकर बयान दिया है। एक रिपोर्ट के में बताया गया है कि डेनियल्स ने ट्रंप के साथ सेक्शुअल रिलेशन को याद करते हुए इसको बुरी घटना कहा है। डेनियल्स ने बताया कि मेरी जिंदगी का सबसे बुरा 90 सेकंड रहा क्योंकि इसकी वजह से मैं खुद से नफरत करने लगी।

अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप, डेनियल्स के साथ किसी तरह के अफेयर से इनकार करते रहे हैं। लेकिन ट्रंप पर आरोप लगा था कि उन्होंने अपने अटॉर्नी के जरिए डेनियल्स को चुप रहने के लिए लाखों रुपये दिए थे। इस मामले में ट्रंप के अटॉर्नी माइकल कोहेन को जेल भी जाना पड़ा था। पोर्न एक्ट्रेस डेनियल्स ने बताया कि ट्रंप के साथ मुलाकात के दौरान उनके दिमाग में विचार आया था कि किस तरह यहां से भाग निकलें। पोर्न एक्ट्रेस ने कहा कि घटना से पहले उन्होंने नहीं सोचा था कि ट्रंप के साथ वह संबंध बनाएंगी। ट्रंप और डेनियल्स की कथित मुलाकात में हुई थी। तब ट्रंप और मेलानिया की शादी को करीब एक साल ही हुए थे। मेलानिया ट्रंप की तीसरी पत्नी हैं। नाम के पॉडकास्ट में माइकल कोहेन से बात करते हुए 41 साल की पोर्न स्टार ने ट्रंप के साथ कथित रिश्ते को लेकर नए खुलासे किए। माइकल कोहेन वही शख्स हैं जिन पर आरोप लगा था कि 2016 के चुनावी कैंपेन के दौरान डेनियल्स को चुप रहने के लिए उन्होंने 94 लाख रुपये दिए थे। मामले की सुनवाई के दौरान कोहेन ने अपराध स्वीकार कर लिया था। उन्हें तीन साल जेल की सजा सुनाई गई थी। पिछले साल जुलाई में कोरोना वायरस की वजह से उन्हें जेल से छोड़ दिया गया था और बची हुई सजा वे अपने अपार्टमेंट में काट रहे हैं।

कोरोना दुनिया में: ताइवान और कोलंबिया को वैक्सीन सप्लाई करेगी मॉडर्ना; फ्रांस में 117 साल की महिला संक्रमण से उबरी

वाशिंगटन। दुनिया में कोरोना मरीजों का आंकड़ा 10.73 करोड़ से ज्यादा हो गया। 7 करोड़ 92 लाख से ज्यादा लोग ठीक हो चुके हैं। अब तक 23 लाख 49 हजार से ज्यादा लोग जान गंवा चुके हैं। ये आंकड़े www.worldometers.info/coronavirus के मुताबिक हैं। अमेरिकी कंपनी मॉडर्ना लंबी बातचीत के बाद ताइवान और कोलंबिया को 50-50 लाख वैक्सीन देने तैयार हो गई है। फ्रांस की 117 साल की नन संक्रमित थीं। अब स्वस्थ हो गई हैं।

ताइवान और कोलंबिया को राहत

मॉडर्ना वैक्सीन कंपनी ने रात एक बयान जारी कर साफ कर दिया कि वो ताइवान और कोलंबिया को 50-50 लाख वैक्सीन डोजेस की सप्लाई करेगी। कंपनी की इन दोनों देशों से काफी वक्त से बातचीत चल रही थी। कंपनी ने कहा- हम ताइवान और कोलंबिया के रेग्लुलेटर्स के संपर्क में हैं। वहां से मंजूरी मिलने की प्रक्रिया आखिरी दौर में है। अप्रूवल होते ही सप्लाई शुरू हो जाएगी। दोनों देशों को डिलिवरी कुछ ही महीने में शुरू होगी। ताइवान एस्ट्राजेनिका के 1 करोड़ वैक्सीन पहले ही खरीद चुका है।

हर साल लगवाना होगा वैक्सीन

जॉनसन एंड जॉनसन कंपनी के चीफ एग्जीक्यूटिव एलेक्स गोर्स्की के मुताबिक, यह मुमकिन है कि अगले कुछ साल तक कोविड-19 का वैक्सीन हर साल लगवाना पड़े। उनके मुताबिक, इसकी सबसे बड़ी वजह यह है कि वायरस हर बार अपना स्वरूप बदल सकता है। दूसरे शब्दों में कहें तो यह म्यूटेट होता रहेगा और इसकी वजह से इसके नए वैरिएंट्स सामने आएंगे। इसलिए वैक्सीन भी हर साल जरूरी हो सकती है। फ्रांस की 117 साल की नन सिस्टर एंड्री संक्रमण से मुक्त हो गई हैं।

ट्रंप के खिलाफ महाभियोग: सीनेट में दूसरी बार ट्रायल, वकील बोले- नहीं भड़काई हिंसा

वॉशिंगटन। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के खिलाफ सीनेट में दूसरी बार महाभियोग ट्रायल हुआ। डोनाल्ड ट्रंप पर चुनाव के परिणाम को पलटने के लिए उनपर दंगा भड़काने का आरोप लगाया गया है। इस ट्रायल के दौरान ट्रंप का प्रतिनिधित्व उनके वकील ब्रूस एल कैस्टर जूनियर और डेविड स्कोन करेंगे।

उपद्रवी भीड़ ने हंगामा किया

आपको बता दें, सोमवार 8 फ़रवरी को 78 पन्नों का ट्रायल ब्रीफ दायर करते हुए महाभियोग के आरोप को ट्रंप के फ्री स्पीच, तय प्रक्रिया के अधिकार के उल्लंघन के साथ ही 'संवैधानिक रूप से गलत' बताया।

बता दें, कि ट्रंप ने 6 जनवरी को अपने समर्थकों को संबोधित किया था, जिसमें उन्होंने कथित तौर पर अमेरिकियों को भड़काया था। जिसके बाद उपद्रवी भीड़ ने यूएस कैपिटल में जमकर हंगामा मचाया। इस हिंसा में 5 लोगों की मौत हो गई साथ ही सैकड़ों लोग घायल हुए थे। कैपिटल की बिल्डिंग , हॉल और कैमरों को तोड़ दिया गया।

हिंसा भड़काने का आरोप

13 जनवरी को चुनाव के परिणाम को पलटने के प्रास में ट्रम्प पर 'संयुक्त राज्य की सरकार के खिलाफ हिंसा भड़काने' का आरोप लगाने वाले महाभियोग के एक अनुच्छेद को मंजूरी देने के लिए मतदान किया। जिसमे

232-197 की वोटिंग हुई थी। ट्रंप के महाभियोग के लिए वोट देने में दस हाउस रिपब्लिकन डेमोक्रेट के साथ शामिल हुए थे। 25 जनवरी को प्रतिनिधि सभा ने ट्रायल शुरू करने के लिए महाभियोग का आर्टिकल सीनेट को भेजा।

हुई वोटिंग

ऐसा अमेरिका के इतिहास में पहली बार हो रहा है जब किसी पर राष्ट्रपति पद से हटने के बाद महाभियोग पर चर्चा हो रही है। जिसका सामना करने वाले ट्रंप पहले पूर्व राष्ट्रपति हैं। बता दें, ट्रंप को दोषी ठहराने के लिए जरुरी है कि 100 सदस्यीय वाले चैंबर में कम से कम 67 सीनेटर उनके खिलाफ मतदान करें। जिसमे डेमोक्रेट्स और रिपब्लिकन के 50-50 सीनेटर हैं । 26 जनवरी के टेस्ट वोट के दिन केवल पांच रिपब्लिकन सीनेटरों ने उनके खिलाफ मतदान किया। यदि वे ट्रंप को दोषी ठहराने के लिए वोट करें तो भी 67 का आंकड़ा छू पाना मुश्किल है।ट्रंप के वकीलों की मुख्य दलीलें ट्रंप ने समर्थकों की रैली को संबोधित करने के दौरान लोगों को दंगे के लिए नहीं भड़काया। बचाव पक्ष के वकीलों ने आरोप लगाया है कि सदन के महाभियोग प्रबंधक घंटेभर लंबे ट्रंप के भाषण में से सिर्फ उन्हीं हिस्सों को ले रहे हैं, जो डेमोक्रेटिक पार्टी के मामले के लिए मददगार हैं। वकीलों ने रेखांकित किया कि ट्रंप ने बार-बार अपने समर्थकों से अपील की, वे शांतिपूर्ण और देशभक्त तरीके से अपनी आवाज उठाएं।

सेना की सरपरस्ती मंजूर नहीं: म्यांमार के राजनीतिक दलों ने फौजी सरकार में शामिल होने का प्रस्ताव ठुकराया; पूरे देश में हो रहे प्रदर्शन

यांगून। म्यांमार में तख्तापलट के बाद सड़कों पर सेना का विरोध हो रहा है। लोकतांत्रिक सरकार बहाल करने और इसके नेताओं को रिहा करने की मांग हो रही है। सेना ने राजनीतिक दलों को फौजी हुकूमत वाली सरकार में शामिल होने का प्रस्ताव दिया था। अब इन पार्टियों ने इसे सिरे से खारिज कर दिया है।

म्यांमार में 1 फरवरी को सेना ने आंग सान सू की के नेतृत्व वाली सरकार का तख्तापलट कर दिया था। फौज का आरोप है कि चुनाव में धांधली की वजह से सू की और उनकी पार्टी चुनाव जीती।

शांति वार्ता के लिए शर्त

'म्यांमार टाइम्स' की एक रिपोर्ट के मुताबिक, सेना ने जनजातीय विद्रोही गुटों को भी बातचीत का प्रस्ताव दिया है, लेकिन एक शर्त भी रखी है। इसमें कहा गया है कि बातचीत शुरू की जा सकती है, लेकिन बातचीत सेना द्वारा बनाई गई

कमेटी ही करेगी। अब तक इस कमेटी में नेता और सरकार द्वारा नियुक्त किए गए लोग ही होते थे।

लोगों को धमकी

म्यांमार में चार दिन से जबरदस्त विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं। देश के हर हिस्से में हर दिन हजारों लोग सड़कों पर उतरकर लोकतंत्र बहाली की मांग कर रहे हैं। अब इन लोगों को सेना ने कानूनी कार्रवाई की धमकी दी है। सेना ने एक बयान में कहा- देश की सुरक्षा को प्रभावित करने वाली किसी भी हरकत को सहन नहीं किया जाएगा। एक स्थान पर पांच से ज्यादा लोग न जुटें। 30 राज्यों में रात 8 बजे से सुबह 4 बजे तक कर्फ्यू रहेगा। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से बातचीत की थी। इस दौरान म्यांमार के मुद्दे पर भी बातचीत हुई।

पाकिस्तान के सुप्रीम कोर्ट का आदेश: 100 साल पुराना मंदिर फिर से बनाया जाए, पिछले साल भीड़ ने तोड़ दिया था

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के सुप्रीम कोर्ट ने खैबर-पख्तूनख्वा प्रांत की सरकार को आदेश दिया है कि पिछले साल भीड़ द्वारा तोड़े गए मंदिर को फिर से बनाया जाए। कोर्ट ने ये भी कहा है कि लोकल एडमिनिस्ट्रेशन ये भी बताए कि इस मंदिर को कितने समय में फिर से बना दिया जाएगा।

द एक्सप्रेस ट्रिब्यून की रिपोर्ट के मुताबिक, सोमवार को चीफ जस्टिस गुलजार अहमद की अध्यक्षता वाली तीन जजों की बेंच ने मामले की सुनवाई की। इस दौरान चीफ जस्टिस ने अफसरों से कहा- कोर्ट को यह भी बताया जाए कि मंदिर तोड़ने वालों की गिरफ्तारी की गई थी या नहीं? ये भी बताएं कि दोषियों से कितनी वसूली की गई।

मुल्तान में प्रह्लादपुरी मंदिर को भी तैयार करने के निर्देश

कोर्ट ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि मुल्तान में प्रह्लादपुरी मंदिर 28 मार्च को भी होली उत्सव के लिए तैयार किया जाए। उन्होंने मुल्तान के इस मंदिर की सुरक्षा तय करने को भी कहा।

पिछले साल दिसंबर में मंदिर को नष्ट कर दिया था

दिसंबर 2020 में कट्टरपंथी जमीयत उलेमा-ए-इस्लाम पार्टी (फजल उर रहमान समूह गुट) के सदस्यों ने खैबर पख्तूनख्वा के करक जिले के टेरी गांव में मंदिर पर हमला कर उसे नष्ट कर दिया था। इसकी मानवाधिकार कार्यकर्ताओं और अल्पसंख्यक हिंदू समुदाय के नेताओं ने कड़ी निंदा की थी। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने स्वत- संज्ञान लेते हुए मामले में सुनवाई की। इसको फिर बनाने और आरोपियों से फिर निर्माण के लिए वसूली के आदेश दिए।

खैबर सरकार देगी पैसा

सुनवाई के दौरान एक अन्य पक्षकार हिंदू परिषद के प्रमुख और नेशनल असेंबली के सदस्य रमेश कुमार ने कहा- खैबर पख्तूनख्वा के मुख्यमंत्री महमूद खान ने पहले कहा था कि करक क्षेत्र संवेदनशील है और मंदिर का पुनर्निर्माण हिंदू समुदाय द्वारा किया जाना चाहिए। वहीं, सरकार के एडिशनल एडवोकेट जनरल ने कहा कि खैबर सरकार बाद में मंदिर के निर्माण में लगा पैसा दे देगी। कानूनी रूप से मंदिर के पुनर्निर्माण के लिए टेंडर जारी किए जाने चाहिए।

कोरोना की वैक्सीन हर किसी के लिए सुरक्षित, इससे किसी को खतरा नहीं : नरेंद्र कुमार

नई दिल्ली। कोविड-19 वैक्सीनेशन को लेकर भारतीय मीडिया संस्थान अपनी सकारात्मक और अहम भूमिका निभा रहे हैं। 'टीकाकरण पर कैसे बढ़ाएं भरोसा' विषय पर आयोजित वेबिनार में भारत सरकार के जैव प्रौद्योगिकी विभाग की सचिव डा. रेणु स्वरूप ने यह बात कही। वेबिनार का आयोजन प्रोजेक्ट संचार एवं हार्वर्ड टीएच चैन स्कूल आफ पब्लिक हेल्थ- इंडिया रिसर्च सेंटर की ओर से किया गया था। कार्यक्रम में कोविड-19 टास्क फोर्स समिति के अध्यक्ष डा. विनोद कुमार पॉल, राष्ट्रीय टीकाकरण तकनीकी सलाहकार समूह, कोविड- 19 उप समिति के अध्यक्ष प्रोफेसर नरेन्द्र कुमार अरोड़ा और संचार एवं हार्वर्ड टीएच चैन स्कूल आफ पब्लिक हेल्थ के प्रोफेसर के विश्वनाथ ने हिस्सा लिया। वहीं, वरिष्ठ पत्रकार मुकेश केजरीवाल ने वेबिनार का संचालन किया।
डा. विनोद कुमार पाल ने कहा कि वैक्सीनेशन का अभी तक का अनुभव आत्मविश्वास बढ़ाने वाला है।अभी तक 66 लाख से अधिक लोगों को वैक्सीन दी जा चुकी है और बेहद कम रिएक्शन दिखे हैं। यह सरकार के साथ-साथ लोगों का विश्वास बढ़ाने का काम रहा है। उन्होंने कहा कि कोविन एप लोगों और मेडिकल टीम की सहूलियत के लिए बहुत लाभदायक है। साथ ही वैक्सीनेशन से जुड़े आंकड़े भी सहजता से सरकार को मिल पा रहे हैं।
डा. रेणु स्वरूप ने वैक्सीन के प्रति जागरूकता के लिए मीडिया की भूमिका को रेखांकित करते हुए कहा कि प्रत्येक वैक्सीन के साथ यह समस्या आती है कि उसको लेकर अफवाह और भ्रम की स्थिति पैदा होती है। इसके लिए केवल संचार ही एकमात्र विकल्प है। कोरोना काल में भारतीय मीडिया ने अपनी सकारात्मक भूमिका निभाई है और आगे भी निभाएगी। वहीं, प्रो. नरेंद्र कुमार अरोड़ा ने कहा कि यह वैक्सीन सबके लिए सुरक्षित है। यहां तक की एचआइवी और कैंसर जैसी बीमारियों से लड़ रहे लोगों को भी यह उनके मेडिकल हिस्ट्री को देख कर दी जा सकती है।
प्रो. के विश्वनाथ ने कहा कि मुख्यधारा का मीडिया वैक्सीन के प्रति जागरूकता के मामले में पूरे तथ्यों के साथ खबरें प्रकाशित कर रहा है। लेकिन कोई गेटकीपर न होने के कारण इंटरनेट मीडिया से लोगों को भ्रामक सूचनाएं मिल रही हैं। इससे नकारात्मकता फैलने का खतरा है। इसलिए लोगों को इंटरनेट मीडिया से सावधान रहने की जरूरत है।

पेट्रोल पंप पर गैस जलाकर खाना बना रहे हैं किसान

नई दिल्ली। तीनों केंद्रीय कृषि कानूनों की रद करने की मांग को लेकर पंजाब, हरियाणा समेत कई राज्यों के किसानों का सिंघु बॉर्डर पर चल रहा धरना प्रदर्शन बृहस्पतिवार को 78वें दिन में प्रवेश कर गया है। इस बीच सिंघु बॉर्डर पर बैठे प्रदर्शनकारी कभी भी अपने साथ-साथ सैकड़ों स्थानीय लोगों व राहगीरों की जान के लिए खतरा बन सकते हैं। नरेला की ओर काफी जगह खाली होने के बावजूद वह पेट्रोल पंप पर आग जलाकर खाना बना रहे हैं।
अगर इस दौरान कोई चिंगारी भड़क गई और पेट्रोल पंप पर आग लग गई तो बड़ा हादसा हो सकता है। दरअसल, बीते कुछ दिनों से प्रदर्शनकारियों ने पेट्रोल पंप के अंदर लंगर का खाना बनाना शुरू कर दिया है। कहीं पर सिलेंडर तो कहीं लकड़ियों से आग जलाई जा रही है। जागरण संवाददाता ने बताया कि पेट्रोल पंप के बेहद नजदीक ही छह से सात जगह भट्टियां जल रहीं हैं।
सिंघु बॉर्डर पर एक साथ कई पेट्रोल पंप हैं। इनमें से दो पेट्रोल पंपों के परिसर में प्रदर्शनकारियों ने अपने टेंट भी लगा दिए हैं। वह सोते भी यहीं हैं और दिनभर लोगों का आना-जाना भी यहीं से होता है। ऐसे में एक छोटी सी गलती कई लोगों की जान ले सकती है। जागरण संवाददाता से मिली जानकारी के मुताबिक, दिल्ली-हरियाणा के सिंघु बॉर्डर पर किसान मजदूर संघर्ष कमेटी (पंजाब) की ओर से धरना दिया जा रहा है। इस कमेटी के अध्यक्ष सतनाम सिंह पन्नू हैं और महासचिव सरवन सिंह पंधेर। कमेटी के साथ केवल पंजाब के लोग ही हैं। हरियाणा या दिल्ली के लोग इनके साथ नहीं हैं। लिहाजा यहां पर पंजाब के प्रदर्शनकारियों की संख्या ही ज्यादा है। दिल्ली या हरियाणा से नाममात्र के ही लोग यहां पहुंचते हैं। वह भी मंच से संबोधित कर वापस चले जाते हैं।

गिरफ्तार लोगों को छुड़ाने के लिए लोगों को भड़का रहा है गैंगस्टर लक्खा

नई दिल्ली। लालकिला उपद्रव मामले के अहम आरोपितों में एक पंजाब के गैंगस्टर लखवीर सिंह उर्फ लक्खा सिधाना बृहस्पतिवार सुबह एक भड़काऊ वीडियो जारी कर सीमाओं पर बैठे आंदोलन कारियों को उकसाने का काम किया। लालकिला उपद्रव में लक्खा की अहम भूमिका थी। इसने उपद्रवियों का नेतृत्व किया किया था। लोगों को तोड़फोड़ करने, पुलिसकर्मियों पर हमला करने व झंडा फहराने के लिए उकसाया था। घटना के बाद से पुलिस इसे लगातार ढूंढ रही है लेकिन यह हाथ नहीं आ रहा है। फरार रहते हुए इसने वीडियो जारी कर आंदोलनकारियों से कहा कि वह सरकार पर दबाव बनाए कि गिरफ्तार किए गए अभिनेता दीप सिद्धू समेत अन्य सभी को रिहा कर दें और मुकदमे भी वापस ले लें। वीडियो में लक्खा ने कहा है कि पंजाब के लोगों आपके साथ दो-चार बातें शेयर करनी है।
पहली बात तो यह कि दीप सिद्धू की जो गिरफ्तारी हुई है। दीप के साथ उसके हजारों मतभेद है। दीप के कई ऐसे विचार हैं जिनसे वह सहमत नहीं है। दीप भी उसके विचारों से सहमत नहीं रचाता है। किसान प्रधानों की भी कई बातें है जिनसे मैं सहमत नहीं हूं। ऐसे ही वो भी मेरी बातों से सहमत नहीं हैं। जहां पर अलग अलग विचारधारा के लोग होते हैं वहां सही चीजें सामने आती है। जहां एक विचारधारा के लोग रहते हैं वहा सही चीज सामने नहीं आती है।
मैं किसान प्रधानों को एक बात कहना चाहता हूं कि अबतक जितनी भी गिरफ्तारी हुई है, जितने भी लोग थानों या जेल में बंद है। उनमें दीप भी शामिल है। दीप अगर जेल चला गया है तो इसका मतलब यह नहीं कि हमलोग उसे अकेले छोड़ दें। अगर आपको लगता है कि अपने आदमी (दीप) की कोई गलती है तो उसे समझाया भी जा सकता है। सरकार पर निशाना साधते हुए लक्खा ने कहा कि सरकार को अब किसानों को दो फाड़ करने का मौका मिल गया है। हमें सरकार को यह मौका नहीं देना चाहिये। अब वह समय नहीं है कि हम एक दूसरे के खिलाफ हो जाएं। यहां (स्टेज) से मेरे खिलाफ काफी गलत बातें बोली गई, जिनको मैंने इग्नोर किया। अब जो हो गया सो हो गया लेकिन अब सरकार अगर किसी भी किसान या नेता को गिरफ्तार करती है तो हमें उसका विरोध करना चाहिए। अब सरकार से बात करने से पहले हमें ये मुद्दा सामने रखना चाहिय कि जब तक सरकार गिरफ्तार हुए किसानों व नौजवानो को नहीं छोड़ती तब तक बात नहीं करनी चाहिए। उनके खिलाफ मुकदमे भी खारिज किए जाएं। बता दें कि गणतंत्र दिवस पर उपद्रव के दौरान दीप व लक्खा दोनों पांच घंटे तक अपने सैकड़ों समर्थकों के साथ लालकिले में मौजूद रहे थे। लक्खा पर पंजाब में 20 से ज्यादा आपराधिक मामले दर्ज हैं, जिनमें हत्या, लूट, अपहरण, फिरौती व आर्म्स एक्ट के मामले शामिल हैं। कई में यह सजा काट चुका है ज़्यादातर मामलों में गवाह या सबूत न होने की वजह से यह बरी हो चुका है। फिलहाल लक्खा पंजाब में गैंगस्टर से सामाजिक कार्यकर्ता की छवि बनाने में लगा हुआ है।

दुर्गेश पाठक पर मानहानि का केस करेंगे महापौर जय प्रकाश, लगाया था गंभीर आरोप

डूसिब तीन बार नोटिस भेज चुकी है। दिल्ली पुलिस भी इस मामले को लेकर कम्प्लेंट कर चुकी है। दुर्गेश पाठक ने कहा था कि डूसिब ने इसको लेकर नगर निगम को नोटिस भी भेजा।

नई दिल्ली। नगर निगमों को लेकर चल रहे घमासान के बीच उत्तरी दिल्ली नगर निगम के महापौर जय प्रकाश ने आम आदमी पार्टी (आप) नेता दुर्गेश पाठक के आरोपों को बेबुनियाद बताया है। उन्होंने गुरुवार को कहा कि आप नेता के आरोप झूठे हैं, उनमें कोई दम नहीं है। खराब वित्तीय हालातों में भी निगम अच्छा कार्य कर रहा है। इसलिए उत्तरी निगम को आम आदमी पार्टी की तरफ से निशाना बनाया जा रहा है। महापौर जय प्रकाश ने कहा कि मुझपर और मेरे बेटे पर झूठे आरोप लगाए हैं। जिस संपत्ति की बात की जा रही है उस संपत्ति का मेरा बेटा किरायेदार है। रुपेश कुमार ने यह संपत्ति रूचिका जैन को दी उनसे मेरे बेटे ने यह संपत्ति ली। सारे आरोप राजनीति से प्रेरित हैं। अगर इनके (दुर्गेश पाठक) खिलाफ मानहानि का केस करना होगा वह भी करूंगा। उन्होंने कहा कि इसको लेकर 10-11-2020 को डूसिब को पत्र लिखा था। किराये का पैसा डूसिब को जमा किया गया। दिल्ली के अंदर हजारों संपत्ति ऐसी हैं। इतने वर्षों से डूसिब किराया किस आधार पर ले रही है। इन आरोपों से डरेंगे नहीं। बादली, आदर्श नगर के विधायक जमीन पर कब्जा करा रहे हैं जिसके दस्तावेज जल्द ही सार्वजनिक किए जाएंगे। जय प्रकाश ने कहा कि ये 13 हजार करोड़ की लड़ाई है। आप के विधायक डर कि वजह से झूठे आरोप लगा रहे हैं। आम आदमी पार्टी के नेता दुर्गेश पाठक ने आरोप लगाया था कि मेयर ने डूसिब की जमीन पर अवैध कब्जा किया हुआ है। जय प्रकाश ने चार मंजिल मकान अपने दबंगई से बनाया। डूसिब तीन बार नोटिस भेज चुकी है। दिल्ली पुलिस भी इस मामले को लेकर कम्प्लेंट कर चुकी है। दुर्गेश पाठक ने कहा था कि डूसिब ने इसको लेकर नगर निगम को नोटिस भी भेजा। पहला नोटिस जुलाई 2020, दूसरा नोटिस दो महीने बाद जबकि तीसरा नोटिस कल यानी 10 फरवरी 2021 को भेजा है।

दिल्ली के मंगोलपुरी में बजरंग दल के कार्यकर्ता की चाकू घोंपकर हत्या

नई दिल्ली। मंगोलपुरी इलाके में कुछ युवकों ने घर में घुसकर बजरंग दल के कार्यकर्ता को चाकू घोंपकर हत्या कर दी। मृतक की पहचान रिंकू शर्मा (26 वर्ष) के रूप में हुई है। इस बाबत पुलिस ने मामला दर्ज कर चार आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया है। वारदात के बीच इलाके में तनाव बना हुआ है। बताया जाता है कि हमलावरों व मृतक के बीच पहले से विवाद था। जानकारी के अनुसार रिंकू शर्मा अपने परिवार के साथ मंगोलपुरी में रहते थे और वह पश्चिम विहार स्थित एक अस्पताल में बतौर लैब टेक्नीशियन काम करते थे। परिवार में मां राधा देवी, पिता अजय शर्मा के अलावा भाई अंकित व मनु शर्मा हैं। पूरा परिवार बजरंग दल से जुड़ा है और रिंकू संगठन की गतिविधियों में बढ़चढ़ कर भाग लेते थे। मृतक के भाई अंकित के अनुसार, बुधवार की देर रात हमलावरों ने उनके घर का दरवाजा खटखटाया और दरवाजा खोलते ही सभी हमलावर जबरन घर में घुस आए और उनके बड़े भाई रिंकू पर चाकू से वार कर दिया। इसके बाद हमलावर मौके से फरार हो गए। हमले में गंभीर रुप से घायल रिंकू को मंगोलपुरी के संजय गांधी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां गुरुवार की दोपहर 12 बजे उनकी मौत हो गई। मृतक के स्वजनों के अनुसार, श्रीराम जन्म भूमि मंदिर निर्माण को लेकर बीते माह इलाके में जागरूकता रैली निकाली गई थी। इस रैली के दौरान इलाके में ही रहने वाले कुछ युवकों व रिंकू के बीच विवाद हो गया था। लेकिन तब इलाके के कुछ लोगों के हस्तक्षेप के बाद मामला शांत हो गया था और उनका आपस में समझौता भी हो गया था। पुलिस के अनुसार, बुधवार की रात घर के पास ही आयोजित जन्म दिन की एक पार्टी में रिंकू व चार हमलावरों के बीच कहासुनी हो गई। इसके बाद हमलावरों ने रिंकू को चाकू घोंप दिया था।

रीना राय, आरोपी दीप सिद्धू के साथ जुड़ा है नाम

नई दिल्ली। लाल किला उपद्रव के मुख्य आरोपी दीप सिद्धू की गर्लफ्रेंड के रूप में रीना राय का नाम बीते कई दिनों से चर्चा में बना हुआ है। पुलिस ने जब दीप सिद्धू को गिरफ्तार किया उसके बाद से रीना राय के बारे में जानने की उत्सुकता बनी हुई है। रीना राय ही दीप की वो गर्लफ्रेंड है जो विदेश में बैठकर सोशल मीडिया के माध्यम से उसकी मदद कर रही थीं, वो रीना ही हैं जिसने दीप सिद्धू के कुछ वीडियोज को सोशल मीडिया पर पोस्ट किया और वो वायरल हो गए। इन वीडियोज में से एक में दीप सिद्धू ने कहा था कि अगर उसने मुंह खोल दिया तो कई लोगों के राज भी सामने आ जाएंगे। इन वीडियोज के सोशल मीडिया पर आने के बाद से पुलिस के सामने ये चुनौती भी आ गई थी कि दीप सिद्धू वीडियो पोस्ट कर रहा है और पुलिस की टीमें उसे पकड़ नहीं पा रही है। जब वीडियो पोस्ट करने की जगह की पहचान की गई तो वो कनाडा मिली। बाद में जब वो पकड़ा गया, तब पुलिस की पूछताछ में ये बात सामने आई कि उसकी गर्लफ्रेंड रीना ने ये वीडियो पोस्ट किए हैं। इसके बाद पुलिस ने रीना राय के बारे में जानकारी जुटाना शुरू किया। दरअसल, दीप सिद्धू और रीना राय पंजाबी फिल्म इंडस्ट्री के दो फेमस चेहरे हैं। रीना राय सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं और वो अक्सर अपनी हॉट फोटोज को पोस्ट किए जाने की वजह से चर्चा में बनी रहती हैं। बीते दो साल से दीप और रीना पंजाबी फिल्म इंडस्ट्री के पॉप्युलर कपल्स माने जाते हैं। मगर कोरोना के बाद से दोनों के पास फिलहाल कोई काम नहीं है। दीप सिद्धू पहले ही ये बता चुका है कि कोरोना के बाद से उसके पास काम नहीं था जिसके कारण वो किसानों के आंदोलन के समर्थन में आ गया, यहां आने के बाद उसे सपोर्ट मिला और लाल किले तक पहुंच गया। एक बात ये भी कही जाती है कि दोनों ने अपने रिश्तों को लेकर कभी भी खुलकर कोई बात नहीं की है मगर उनके पुराने वीडियोज देखने से पता चल जाता है कि दोनों के बीच कितने अच्छे संबंध हैं। रीना राय फिल्मों में नहीं आना चाहती थीं मगर जब साल 2014 में उनका सेलेक्शन मिस साउथ एशिया यूएसए के लिए हुआ तो उनके अंदर आत्मविश्वास काफी बढ़ गया, उसके बाद उन्होंने एक्टिंग की दुनिया में कदम रखा। वैसे रीना के पास फिजिशियन की डिग्री है। मगर उन्होंने ऐसा कोई काम नहीं किया। इसके बाद रीना ने कई पंजाबी म्यूजिक वीडियो में काम किया। रीना की पहली पंजाबी फिल्म साल 2018 में रिलीज हुई उसका नाम था रंग पंजाब।

सोशल मीडिया पर रहती हैं एक्टिव

इस फिल्म में रीना के साथ दीप सिद्धू लीड रोल में थे। रीना ने फिल्म के रिलीज से पहले कहा था कि वो अपने को काफी खुशकिस्मत पा रही है कि उन्होंने दीप की फिल्म के साथ अपने करियर की शुरुआत की। रीना ने एक इंटरव्यू में दीप की तारीफ करते हुए कहा था कि उन्होंने शूटिंग के दौरान काफी कुछ सीखा है।
रीना सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। उनकी इंस्टाग्राम पर अच्छी फैन फॉलोइंग है। रीना जब भी सोशल मीडिया पर अपनी हॉट फोटोज डालती हैं तो बवाल मच जाता है। फोटो देखने वालों के कमेंट की लाइन लग जाती है। चंद मिनटों में ही हजारों कमेंट हो जाते हैं। कपड़ों की शौकीन रीना इंडियन और वेस्टर्न ड्रेसेज पहनना पसंद करती हैं। वह इंडियन सॉडीज के लुक में भी काफी खूबसूरत दिखती हैं।

दिल्ली में सिविल डिफेंस वालंटियर्स को चालान काटने का अधिकार नहीं, खाकी वर्दी भी नहीं पहन सकते

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने बृहस्पतिवार सुबह ट्वीट कर लोगों को अवगत कराते हुए कहा कि सिविल डिफेंस वालंटियर को कोरोना संक्रमण के नियमों का उल्लंघन करने पर चालान काटने का कोई कानूनी अधिकार नहीं है। ट्वीट में दिल्ली पुलिस ने उपराज्यपाल को भी टैग कर इस बात की जानकारी दी है।
दिल्ली पुलिस ने कहा कि कई महीने से देखा जा रहा है कि सिविल डिफेंस के वालिंटयर कोरोना के नियमों का उल्लंघन करने पर लोगों को चालान कर रहे हैं। वालंटियर न केवल सड़कों पर ऐसा कर रहे हैं बल्कि पार्कों आदि में जाकर भी चालान काट रहे हैं। चालान की राशि 2000 होने के बाद से दिल्ली में जगह-जगह चौक चौराहे पर घात लगाकर वालंटियर खड़े रहते हैं और लोगों के चालान काटते हैं। जबकि इनके पास अभियोजन का कोई अधिकार नहीं है। खाकी पहने का भी अधिकार नहीं है। खाकी पहनने पर लोगों को लगता है कि वे पुलिसकर्मी हैं। अक्सर इन्हें दिल्ली पुलिसकर्मी समझ लिया जाता है। इनके द्वारा किए गए कुकृत्य दिल्ली पुलिस के समझ लिए जाते हैं। इससे दिल्ली पुलिस की छवि खराब हो रही है। दिल्ली पुलिस का कहना है कि वालंटियरर्स को पुलिस से मिलती जुलती वर्दी नहीं दी जानी चाहिए। पार्कों में जाकर फर्जी चालान काटने के मामले में संज्ञान लेते हुए दिल्ली पुलिस कुछ वालंटियर के खिलाफ एफआइआर दर्ज कर आरोपितों को गिरफ्तार भी कर चुकी है। दिल्ली पुलिस ने टवीट के जरिए जनता से अपील की है कि किसी भी चालान को स्वीकार करने से पहले चालान कर्ता की सही पहचान अवश्य कर लें कि वह कौन है। बता दें 31 दिसंबर को कुछ लोगों ने नार्थ एवेन्यू थाने में सिविल डिफेंस वालंटियर सन्नी, यशवंत राठी व लकी के खिलाफ एफआइआर दर्ज कराई थी। शिकायत में कहा गया था कि वालिंटयर्स ने तालकटोरा गार्डन में उनसे 4000 रुपये पेटीएम लेकर फर्जी चालान थमा दिया था। जांच के बाद पुलिस ने तीनों को गिरफ्तार कर लिया था। उनकी तैनाती जाम नगर एसडीएम कार्यालय में थी। इसके अलावा भी फर्जी चालान स्लीप देकर चालान काटने के कई मामले सामने आ चुके हैं।

यमुना के प्रवाह में खिलाड़ियों संग दौड़ रही ड्रैगन बोट, बना आकर्षण का केंद्र

नई दिल्ली। पानी में होने वाली खेल गतिविधियों में से ड्रैगन बोट का अलग ही आकर्षण है। ड्रैगन बोट का अभ्यास हो या प्रतियोगिता, इसका नजारा हमेशा रोमांच पैदा करने वाला होता है। इस बोट पर एक खिलाड़ी ड्रम बजाकर चालकों में जोश भरता है और अन्य खिलाड़ी लयबद्ध पैडल (चप्पू) चलाते हैं। सोनिया विहार के पास यमुना के प्रवाह में इन दिनों खिलाड़ी ड्रैगन बोट का अभ्यास कर रहे हैं। वाटर स्पोर्ट्स क्लब खिलाड़ियों को निश्शुल्क अभ्यास करवाता है। कयाकिंग व कैनोइंग प्रतियोगिता में कई राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय खिलाडी उभरकर सामने आए हैं। कोच मंजीत शेखावत ने बताया कि यह खेल खिलाड़ियों को शारीरिक और मानसिक रूप से मजबूत बनाता है। क्लब में खिलाड़ियों को तैराकी सिखाने के बाद नौकायन का भी निश्शुल्क प्रशिक्षण दिया जाता है। क्लब द्वारा ड्रैगन बोट की प्रतियोगिता के अलग-अलग वर्ग में 200 मीटर, 500 मीटर और 2000 मीटर की दौड़ में खिलाड़ियों को अभ्यास करवाया जा रहा है। क्लब के खिलाड़ी अब तक अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तीन रजत, दो कांस्य पदक, राष्ट्रीय स्तर पर चार स्वर्ण, 20 रजत व 12 कांस्य पदक और आल इंडिया यूनिवर्सिटी 22 स्वर्ण, आठ रजत व 12 कांस्य पदक हासिल कर चुके हैं। क्लब के चेयरमैन चौधरी त्रिलोचन व सुरेंद्र कुमार ने बताया कि कई ऐसे खिलाड़ी हैं जो अपने बेहतर प्रदर्शन के आधार पर आइटीबीपी, सीआइएसएफ, बीएसएफ, आर्मी, और नेवी में नौकरी प्राप्त कर चुके हैं। इसलिए भी खिलाड़ियों का रुझान वाटर स्पोर्ट्स में बढ़ने लगा है। वाटर स्पोर्ट्स क्लब के अध्यक्ष केपी सिंह ने बताया कि सोनिया विहार में 15 साल से कयाकिंग व कैनोइंग प्रतियोगिता के लिए खिलाड़ी तैयार किए जा रहे हैं। इस क्लब से एशियन चैंपियनशिप में कई खिलाड़ी हिस्सा लेकर पदक हासिल कर चुके हैं और भविष्य के लिए अन्य खिलाड़ी भी तैयार हो रहे हैं। उन्होंने बताया कि क्लब के सदस्य खुद से रुपये एकत्रित कर खिलाड़ियों के लिए साधनों की व्यवस्था करते हैं।

सपना चौधरी धोखाधड़ी के केस में जाएंगी जेल !

नई दिल्ली। अपने आकर्षक डांस के जरिये करोड़ों दिलों पर राज करने वालीं हरियाणावी सिंगर-डांसर सपना चौधरी बड़ी मुसीबत में घिरती नजर आ रही हैं। दिल्ली-हरियाणा के आधा दर्जन लोगों को शिकायत पर दिल्ली पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा ने सपना चौधरी के खिलाफ संगीन धाराओं में मामला दर्ज किया है, जिसमें उनकी गिरफ्तारी तक हो सकती है और उन्हें जेल तक जाना पड़ सकता है। शिकायतकर्ता कंपनी ने सपना चौधरी पर अग्रीमेंट तोड़ने और एक कर्मचारी की कथित मिलीभगत से कंपनी के क्लाइंट्स को चुराने का आरोप लगाया है। आइये जानते हैं आखिर क्या है ये पूरा मामला, जिसके चलते सपना चौधरी बड़ी मुश्किल में नजर आ रही हैं। पीड़ितों का आरोप है कि सपना चौधरी ने दिल्ली-एनसीआर में डांस प्रोग्राम करने के लिए पैसे लिए और समय पर पहुंचने और डांस करने का वादा किया। इसके लिए एग्रीमेंट भी साइन किया गया, लेकिन सपना न तो समय पर डांस प्रोग्राम के लिए पहुंचीं और न ही इस बाबत कोई सूचना दी। यहां तक कि फोन तक रिसीव नहीं किया। इसके बाद इस बाबत मुलाकात करने से भी इनकार कर दिया। आयोजकों का कहना है कि इससे उन्हें बड़ा आर्थिक नुकसान हुआ और कंपनी की साख को भी धक्का पहुंचा है। दिल्ली पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा ने मशहूर हरियाणवी डांसर सपना चौधरी व अन्य लोगों के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया है। इसमें सपना चौधरी और उनसे जुड़े ऑर्गनाइजर भी हैं, जो सपना का काम देखते हैं। सपना चौधरी समेत इन सभी लोगों को पर धोखाधड़ी के साथ ही जनता का विश्वास तोड़ने का भी आरोप हैं। सपना चौधरी के स्टेज शो के लिए पकंज चावला और कुछ अन्य लोगों की क्क्र कंपनी और अन्य कंपनियों के साथ सपना ने स्टेज शो डांस और सिंगिग के एग्रीमेंट साईन किए थे।

हरियाणा से आने वाले लोग राकेश टिकैत को दे रहे तरजीह, पंजाब के नेताओं की बढ़ी बेचैनी

नई दिल्ली। कृषि कानून विरोधी आंदोलन बृहस्पतिवार को 78वें दिन में प्रवेश कर गया। समय बढ़ने के साथ ही आंदोलन स्थल का नजारा भी बदलने लगा है। अब धरना-प्रदर्शन में हरियाणा के लोगों की भागीदारी बढ़ रही है और हरियाणा से आने वाले अधिकांश खाप पंचायतें भाकियू नेता राकेश टिकैत को ज्यादा तरजीह दे रहे हैं। हरियाणा के खाप प्रतिनिधि आंदोलन में पंजाब के नेताओं की राजनीति और सरकार गिराने की बात का पहले ही विरोध कर चुके हैं। भले ही आंदोलन में हरियाणा-पंजाब के भाईचारे और एकजुटता के नारे लगते हों, कहीं न कहीं आंदोलन में दो धड़ा बनता दिख रहा है। संयुक्त किसान मोर्चा के नेता भी इसको लेकर चिंतित जरूर दिखते हैं और एकजुटता बनाए रखना उनके लिए भी चुनौती बन रहा है। गणतंत्र दिवस के ट्रैक्टर परेड से पहले कुंडली बार्डर पर चल रहे आंदोलन में पंजाब से आए लोगों की भीड़ ज्यादा दिखती थी, लेकिन दिल्ली में हुई हिंसा के बाद पंजाब के काफी लोग वापस लौट गए। दो दिन की मायूसी के बाद गाजीपुर बार्डर पर राकेश टिकैत के आह्वान के बाद उत्तर प्रदेश के अलावा हरियाणा के लोग बड़ी संख्या में आंदोलन में शामिल होने लगे। स्थिति यह है कि कुंडली बार्डर पर अब पंजाब व हरियाणा के लोगों की भागीदारी लगभग बराबर हो गई है। हरियाणा और स्थानीय लोगों की भागीदारी बढ़ने से पंजाब से आए लोग और किसान नेता उत्साहित जरूर हैं, लेकिन इनके आने से अब कुंडली बार्डर पर भी राकेश टिकैत का दबदबा बढ़ता दिख रहा है। 26 जनवरी से पहले यहां राकेश टिकैत की कोई चर्चा नहीं होती थी, लेकिन अब यहां आने वाले ज्यादातर लोग टिकैत की ही बातें करते हैं। आंदोलन में टिकैत के बढ़ते दबदबे को देखते हुए पंजाब के किसान नेताओं की बेचैनी जरूर बढ़ी है। यही वजह है कि एक दिन पूर्व हुई संयुक्त मोर्चा की बैठक में भी तनातनी बनी रही और बैठक में कोई ठोस निर्णय नहीं हो सका। दूसरी ओर, भारतीय किसान यूनियन (चढ़ूनी) के अध्यक्ष गुरनाम सिंह चढ़ूनी और भाकियू प्रवक्ता राकेश टिकैत की अंतर्कलह किसी से छिपी नहीं है। पिछले दिनों उनका एक वीडियो भी सामने आया था, जिसमें वे टिकैत की खिलाफत करते दिख रहे हैं। हालांकि बाद में उनकी ओर से इसे पुराना वीडियो बताया गया था। आंदोलन स्थल अब राकेश टिकैत के पोस्टर, कटआउट आदि के लिए स्टाल भी लगने लगे हैं। यही नहीं, स्टाल पर टिकैत की फोटो छपी टी-शर्ट की भी धड़ल्ले से बिक्री की जा रही है और आंदोलन में आने वाले लोग इसे खूब खरीद भी रहे हैं। स्टाल पर टी-शर्ट व कटआउट बेच रहे सुरजीत ने बताया कि उनके पास से रोजाना 50-60 टी-शर्ट, कटआउट बिक जाते हैं।

संपादकीय

कोरोना संघर्ष में पिछड़ा केरल

पिछले वर्ष 26 जनवरी को 20 वर्षीय मेडिकल छात्रा, घातक वायरस के 'ग्राउंड जीरो' वुहान से लौटी थी। वह पहली नागरिक थी, जिसे भारत में कोरोना संक्रमित पाया गया। उसे आम आबादी से अलग कर दिया गया और केरल के त्रिशूर में एक संक्रमण वार्ड में रखा गया। कई पर्यवेक्षकों ने राहत की सांस ली, क्योंकि केरल 2018 में ही ऐसे घातक वायरस से निपटने के लिए अच्छी तरह सुसज्जित हो गया था। केरल को 2018 में कोरोना से भी अधिक संक्रामक निपाह वायरस से निपटने का अनुभव हासिल था। भारत में उस मेडिकल छात्रा और उसके दो सहयोगियों को सघन निगरानी में रखा गया था। एक कमांड सेंटर स्थापित किया गया और हवाई अड्डों को भी सतर्क कर दिया गया। केरल ने ही राजस्थान को यह सूचना दी कि एक चीनी यात्री और उसके दो सहयोगी राजस्थान रवाना हुए हैं। खैर, फरवरी के तीसरे सप्ताह में केरल के तीन विद्यार्थी मरीजों को अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। केरल ने कोरोना वायरस को राज्य आपदा घोषित कर दिया था, पर जीत का संकेत देते हुए उसने अपनी वह घोषणा वापस ले ली थी। आज केरल सबका ध्यान खींच रहा है। आज जब शेष भारत वायरस के प्रसार को धीमा होते देख रहा है, तब भी केरल इस बीमारी से लड़ रहा है। विडंबना है कि वायरस के खिलाफ सबसे पहले युद्ध शुरू करने वाला राज्य आज रोज कोरोना मामलों में वृद्धि दर्ज कर रहा है। आज यह शीर्ष पांच सबसे बुरी तरह प्रभावित राज्यों में से एक है। जनवरी 2021 के अंत तक केरल में रिपोर्ट किए गए कोरोना मामलों की कुल संख्या 9,17,630 थी। इनमें से 8,41,444 लोग ठीक हो चुके हैं और 3,704 की जान गई है। 29 जनवरी को राज्य ने 6,268 नए मामले दर्ज किए हैं और 2 फरवरी को 5,716 मामले। जब देश के बाकी राज्यों में एक हजार से भी कम मामले सामने आ रहे हैं, तब केरल में रोज 5000 से ज्यादा मरीज सामने आ रहे हैं। देश के 20 सबसे अधिक प्रभावित जिलों में से करीब एक दर्जन केरल में ही हैं। सवाल उठता है, आखिर केरल को क्या हो गया? जिसे एक समय नेतृत्व करने वाला राज्य माना जाता था, जहां बीमारियों का प्रबंधन भी उल्लेखनीय रहा, वहां कोरोना के नए मामले देश के अन्य राज्यों की तुलना में पांच गुना ज्यादा क्यों हैं? यह बताया गया है कि राज्य के अस्पतालों में 3,050 आईसीयू बेड हैं, जिनमें से अधिकांश भरे हुए हैं। कोविड-19 मामलों में एर्नाकुलम और कोझीकोड शीर्ष पर हैं।

केरल दरअसल कोरोना को चरम पर पहुंचने से रोकने के लिए कॉपी बुक के हिसाब से चला है। इसने यह सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाए हैं कि अपने बुनियादी चिकित्सा ढांचे पर ज्यादा जोर डाले बिना भी रोगियों का इलाज हो सकता है। उन रोगियों के लिए गंभीर उपचार की जरूरत होती है, जिन्हें विशेष देखभाल के तहत रखा जाता है। यहां जमीनी स्तर पर लोगों की चिकित्सा देखभाल की गई, बिना चिकित्सा केंद्रों पर दबाव डाले हुए। केरल ने कोरोना मृत्यु-दर को भारत व विश्व की तुलना में काफी कम रखा है। फिर भी यह कोरोना संकट के प्रबंधन में कमी की वजह से आलोचना के निशाने पर है। केरल ने अपनी बड़ी प्रवासी आबादी का लौटना मंजूर किया और बड़े पैमाने पर लोग केरल लौटे भी। इसने शुरू में निजी अस्पतालों को उपचार करने की अनुमति नहीं दी, यह वैकल्पिक चिकित्सा प्रणालियों को उपचार में भाग लेने की मंजूरी देने के बारे में भी उत्साहित नहीं था। केरल ने कोरोना के खिलाफ लड़ाई में बहुत उतार-चढ़ाव देखे हैं। फरवरी 2020 के अंत तक राज्य ने वायरस के खिलाफ अपनी पहली लड़ाई लगभग समाप्त घोषित कर दी थी, लेकिन 9 मार्च को उसे चेतावनी मिली, जब इटली से आए तीन परिवार के सदस्यों ने अपने यात्रा इतिहास को छिपाने की कोशिश की। उस समय इटली वायरस का कहर झेल रहा था। मार्च 2020 तक इस राज्य में सक्रिय कोरोना मामलों की संख्या 215 हो गई। राज्य तभी हाई अलर्ट पर चला गया और प्राथमिक स्वास्थ्य सेवा नेटवर्क का उपयोग वार्ड स्तर पर भी क्वारंटीन लोगों पर नजर रखने के लिए किया गया। अप्रैल के अंत तक कोरोना मामलों में कमी आने लगी व मामलों की दैनिक गिनती 10 से नीचे आ गई थी। वास्तव में, 30 अप्रैल को केवल दो नए मामले दर्ज किए गए थे। मई में भी दैनिक मामले कम दर्ज होते रहे, लेकिन संक्रमण ने फिर वापसी की। मई में केरल में 670 सक्रिय मामले थे, जो जून के अंत में 2,112, जुलाई के अंत में 10,495 और अक्तूबर के अंत में 91,190 दर्ज किए गए। इसके बाद संख्या घटने लगी और 30 दिसंबर, 2020 तक सक्रिय मामलों की संख्या गिरकर 65,202 हो गई, उस दिन 5,215 मामलों की पुष्टि हुई थी। लेकिन जैसा कि हम जानते हैं, जनवरी में राज्य का नुकसान फिर शुरू हो गया। वैसे तो केरल में मजबूत स्वास्थ्य देखभाल व्यवस्था है, लेकिन राज्य में चार कारकों के चलते महामारी का प्रकोप बना रहता है, उच्च जनसंख्या घनत्व, बढ़ती बुजुर्ग आबादी, उच्च सह रुग्णता और प्रवास। केरल का जनसंख्या घनत्व 859 व्यक्ति प्रति वर्ग किलोमीटर है, जो राष्ट्रीय औसत से दोगुना है। वरिष्ठ नागरिक राज्य की कुल आबादी का 16 प्रतिशत हैं, यह राष्ट्रीय औसत से अधिक है। अनुमान है कि केरल में 48 लाख लोग 60 की उम्र पार कर चुके हैं। इनमें से भी 15 प्रतिशत 80 से अधिक उम्र के हैं। केरल को देश की मधुमेह राजधानी माना जाता है, जहां 27 प्रतिशत आबादी इस बीमारी की चपेट में है, जबकि राष्ट्रीय औसत 17 के आसपास है। यहां हृदय संबंधी बीमारियों, उच्च रक्तचाप आदि की उच्च दर है। ऐसी बीमारियों के कारण 30 से 59 की उम्र तक के 52 प्रतिशत लोगों की मृत्यु हो जाती है, जबकि राष्ट्रीय आंकड़ा 42 प्रतिशत है। केरल के लोग खूब यात्राएं करते हैं और यहां के करीब 21 लाख लोग विदेश रहते हैं। केरल में 24 प्रतिशत घरों में से कोई न कोई प्रवासी है। ये सभी कारण केरल को कमजोर बनाते हैं और इन तमाम बाधाओं के बावजूद केरल मृत्यु दर को सबसे कम रखने में कामयाब रहा है। विडंबना यह है कि स्वास्थ्य देखभाल में यह राज्य अग्रणी है और सर्वश्रेष्ठ सामाजिक संकेतकों का आनंद लेता है। इससे पता चलता है कि हम कोरोना वायरस के बारे में कितना हैं!

प्रवीण कुमार सिंह

शांति की राह पर आगे बढ़ता असम, उत्तर पूर्व में अलगाववादी मांगों का समाधान

> इस समझौते के तहत नेशनल डेमोक्रेटिक फ्रंट ऑफ बोडोलैंड गुट हिंसा की राह को छोड़, आत्मसमर्पण करेंगे और इस समझौते पर हस्ताक्षर करने के एक महीने के भीतर अपने सशस्त्र संगठनों को खत्म कर देंगे। कार्बी आंगलांग जिला असम के लगभग मध्य में स्थित है और नगालैंड से इसकी सीमा लगती है। असम में वर्ष 1951 में यूनाइटेड मिकिर एंड नॉर्थ कछार हिल्स नामक एक नए जिले का गठन किया गया था। नवंबर, 1951 में गोलाघाट जिला नगांव, कछार व यूनाइटेड खासी और जयंतिया जिले के भागों के साथ यह जिला बनाया गया था।

हाल ही में गृह मंत्री अमित शाह ने असम में पहले बीटीआर समझौता दिवस यानी बोडो टेरिटोरियल रीजन एकॉर्ड डे के अवसर पर बोडो लोगों के विकास, सुरक्षा और अधिकार को मजबूती देने के लिए पिछले साल 27 जनवरी को किए गए बोडो एकॉर्ड के मूल प्रविधानों के तहत ही बोडो लोगों को सुविधा देने के लिए भारत सरकार की प्रतिबद्धता जाहिर की। बोडो समझौता को गृह मंत्री ने पूवरेत्तर में उग्रवाद के अंत की शुरुआत के रूप में बताया है। असम सरकार द्वारा बोडो को असम की सह राज्य भाषा का दर्जा देकर वर्षो पुरानी मांग को समाप्त करने को एक उपलब्धि माना गया है। वहीं इतिहास में जाएं तो उत्तर पूर्वी भारत में नृजातीय पहचान, स्वायत्तता के लिए कई पृथकतावादी हिंसक आंदोलन में से एक प्रमुख बोडोलैंड की मांग का आंदोलन रहा है, जिससे जुड़ी उग्रवादी हिंसक गतिविधियों में हजारों लोगों की जानें जा चुकी हैं। इन्हीं कारणों से बोडो एकॉर्ड को अंजाम दिया गया। बोडो एकॉर्ड के प्रविधानों और उससे असम, बोडो और उत्तर पूर्व के राज्यों पर पड़ने वाले प्रभाव की समीक्षा से पहले संक्षेप में बोडोलैंड की मांग के बारे में जान लेना आवश्यक है। भारत की आजादी के बाद से ही अपने विशिष्ट सामाजिक सांस्कृतिक, नृजातीय अधिकारों और पहचान के खो जाने से भयभीत उत्तर पूर्व की जनजातियों ने समूचे उत्तर पूर्व में या तो भारतीय संघ या जिस राज्य के वो भाग थे, उससे पृथक होने के लिए हिंसक अलगाववादी आंदोलन चलाया और भारतीय संघ व संविधान को चुनौती देने से भी नहीं चूके। इनमें पृथक नगा देश के लिए ग्रेटर नगालिम की मांग, मिजो राष्ट्रवाद के नाम पर पृथक मिजो राष्ट्र की मांग, स्वतंत्र और संप्रभु त्रिपुरा के लिए त्रिपुरा के उग्रवादी संगठनों की मांग और

पिछली सदी के नौवें दशक में स्वतंत्र व संप्रभु असम के निर्माण के लिए उल्फा यानी यूनाइटेड लिबरेशन फ्रंट ऑफ असम का गठन शामिल था। इन सभी उत्तर पूर्वी राज्यों में स्थानीय जनजातीय समुदाय के हितों की रक्षा और उससे जुड़ी मांग के लिए क्षेत्रीयतावादी व अलगाववादी मानसिकता को भड़का कर भारत सरकार के विरोध में कार्य कराने की स्थिति बनाई गई। इसी क्रम में असम में जब उल्फा ने भारत से पृथक एक संप्रभु असम के निर्माण का सपना स्थानीय लोगों के लिए देखा तो उससे अन्य क्षेत्रों में भी पृथक राज्य की मांग को बढ़ावा मिला। इसमें बोडोलैंड और एक पृथक कार्बी आंगलांग राज्य की मांग भी शामिल रहे थे।

बोडो एक स्वयं के क्षेत्रीय परिषद के साथ असम में सबसे बड़े मैदानी जनजाति के रूप में है। असम में रहने वाले असमी को इसे उचित तरीके से परिभाषित ही नहीं किया गया है। इसकी परिभाषा में कहा गया है कि असमी वे लोग हैं जिनकी असम में समुदाय, धर्म, जन्मस्थान, भाषा चाहे कुछ भी हो पर वो असमी भाषा को मातृभाषा या अपनी दूसरी प्रमुख भाषा के रूप में स्वीकार करते हों। असम साहित्य सभा ने भी असमी को इसी रूप में परिभाषित किया था। बोडो इस शर्त से असहज थे। लिहाजा मिजोरम और अन्य राज्यों ने भी असम द्वारा असमी भाषा थोपने को प्रमुख आधार बनाकर पृथक राज्य की मांग की पृष्ठभूमि बनाई थी।

बोडो असम का सबसे बड़ा जनजातीय समुदाय है जो यहां की कुल जनसंख्या का करीब छह प्रतिशत है। पूर्व में इस समुदाय का असम के एक बड़े हिस्से पर नियंत्रण था। असम के चार जिलों कोकराझार, बक्सा, उदलगुड़ी और चिरांग को मिलाकर बोडो टेरिटोरियल एरिया डिस्टिक्ट (बीटीएडी) बनाया गया है, जहां कई नृजातीय समूह निवास करते हैं। वर्ष 1966 में असम में एक राजनीतिक गुट प्लेन ट्राइबल्स काउंसिल ऑफ असम (पीटीसीए) द्वारा एक पृथक राज्य बोडोलैंड की मांग की गई थी। वर्ष 1987 में ऑल बोडो स्टूडेंट्स यूनियन ने अपनी मांग को संशोधित करते हुए असम को समान रूप से दो भागों में बांटने की मांग की। असम एकॉर्ड के समय जब असमी लोगों की मांगों के संरक्षण के मुद्दों का समाधान तलाशा जा रहा था, उस समय बोडो लोगों ने भी अपनी खुद की पहचान के संरक्षण के लिए आंदोलन शुरू करने की रणनीति बनाई थी।

ऐतिहासिक बोडो एकॉर्ड 2020 = केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की उपस्थिति में करीब पांच दशकों से चले आ रहे बोडो मुद्दे के समाधान के लिए 27 जनवरी, 2020 को समझौता किया गया। इस अवसर पर गृह मंत्री ने कहा था कि जिस समस्या के कारण करीब चार हजार लोगों की जानें गईं, आज उसका एक स्थाई एवं सफल निदान हो गया है। इस समझौते में भारत सरकार और राज्य सरकार के विशेष विकास पैकेज द्वारा 1,500 करोड़ रुपये के साथ असम में बोडो क्षेत्रों के विकास के लिए विशिष्ट परियोजनाएं शुरू करना शामिल है। इसके अलावा बोडो आंदोलन में मारे गए लोगों के प्रत्येक परिवार को पांच लाख रुपये बतौर मुआवजा दिए जाने का प्रविधान है। इस समझौता ज्ञापन का उद्देश्य बीटीसी यानी बोडो टेरिटोरियल काउंसिल को कारगर बनाना है। इसके साथ बीटीएडी के बाहर रहने वाले बोडो से संबंधित मुद्दों का समाधान तथा बोडो की सामाजिक, सांस्कृतिक, भाषाई और जातीय पहचान को बढ़ावा देना व उनकी रक्षा करना भी है। समझौते के अन्य बिंदुओं में आदिवासियों के भूमि अधिकारों के लिए विधायी सुरक्षा प्रदान करना और जनजातीय क्षेत्रों का त्वरित विकास सुनिश्चित करने के साथ साथ एनडीएफबी यानी नेशनल डेमोक्रेटिक फ्रंट ऑफ बोडोलैंड गुटों के सदस्यों का पुनर्वास करना भी शामिल है। पूर्व में 1993 और 2003 के समझौतों से संतुष्ट न होने के कारण बोडो द्वारा और अधिक शक्तियों की मांग लगातार की जाती रही और असम की क्षेत्रीय अखंडता को बरकरार रखते हुए बोडो संगठनों के साथ उनकी मांगों के लिए व्यापक समाधान के लिए बातचीत की गई। अगस्त 2019 से तमाम बोडो संगठनों के साथ दशकों पुराने बोडो आंदोलन को समाप्त करने के लिए व्यापक समाधान तक पहुंचने के लिए गहन विचार-विमर्श भी किया गया। इस समझौते से संविधान में छठी अनुसूची के अनुच्छेद 14 के तहत एक आयोग का गठन करने का प्रस्ताव है जो बहुसंख्यक गैर-आदिवासी आबादी की बीटीएडी से सटे गांवों को शामिल करने और बहुसंख्यक आदिवासी आबादी की जांच करने का काम करेगा। असम सरकार निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार बीटीएडी के बाहर बोडो गांवों के विकास के लिए एक कल्याण परिषद की स्थापना करेगी। इस समझौते के तहत नेशनल डेमोक्रेटिक फ्रंट ऑफ बोडोलैंड गुट हिंसा की राह को छोड़, आत्मसमर्पण करेंगे और इस समझौते पर हस्ताक्षर करने के एक महीने के भीतर अपने सशस्त्र संगठनों को खत्म कर देंगे। कार्बी आंगलांग जिला असम के लगभग मध्य में स्थित है और नगालैंड से इसकी सीमा लगती है। असम में वर्ष 1951 में यूनाइटेड मिकिर एंड नॉर्थ कछार हिल्स नामक एक नए जिले का गठन किया गया था। नवंबर, 1951 में गोलाघाट जिला नगांव, कछार व यूनाइटेड खासी और जयंतिया जिले के भागों के साथ यह जिला बनाया गया था। बाद में मिकिर हिल्स और नॉर्थ कछार जिलों को अलग अलग जिला बनाया गया। फिर 1976 में इसे कार्बी आंगलांग नाम दिया गया। यह असम का सबसे बड़ा जिला है।

स्कूली छात्रों के बस्ते का वजन कम करना है जरूरी

हाल ही में दो केंद्र शासित प्रदेशों ने राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद द्वारा जारी नई स्कूल बैग नीति, 2020 का पालन करने के लिए सभी स्कूलों को एक परिपत्र जारी किया है। इस परिपत्र के मुताबिक शिक्षकों के लिए यह अनिवार्य है कि वे छात्रों को पहले से ही यह सूचित करें कि किसी विशिष्ट दिवस पर कौन-सी किताबें और नोटबुक स्कूल में लानी हैं। स्कूल मैनेजमेंट का यह कर्तव्य और दायित्व है कि वे सभी छात्रों को पर्याप्त मात्र में गुणवत्तापूर्ण पीने योग्य पानी उपलब्ध कराएं, ताकि छात्रों को अपने घर से पानी की बोतल लाने की जरूरत न हो। स्कूल बैग नीति, 2020 के मुताबिक स्कूली छात्रों का बैग उनके शरीर के वजन के 10 फीसद से ज्यादा नहीं होना चाहिए, साथ ही पूर्व-प्राथमिक कक्षाओं में पढ़ने वाले छात्रों के लिए स्कूल बैग की परिपाटी खत्म होनी चाहिए। इसके मुताबिक पहली और दूसरी कक्षा के बच्चों के स्कूली बस्ते 1.6 से 2.2 किलोग्राम, तीसरी से पांचवीं के लिए 1.7 से 2.5 किग्रा, छठी और सातवीं के लिए दो से तीन किग्रा, आठवीं के लिए ढाई से चार किग्रा और नौवीं एवं दसवीं के लिए ढाई से साढ़े चार किग्रा वजन के होंगे। वहीं, 11वीं और 12वीं क्लास के बच्चों के बस्ते न्यूनतम साढ़े तीन किग्रा और अधिकतम पांच किग्रा के होंगे।

दरअसल, स्कूली बच्चों के बस्तों के वजन को कम करने की मांग वर्षो से की जा रही थी। वर्ष 1993 में यशपाल समिति ने भी भारत सरकार से बच्चों के बस्ते और पाठ्यक्रम के बोझ को कम करने की सिफारिश की थी। वर्ष 2006 में बॉम्बे हाई कोर्ट ने भी निर्देश दिया था कि स्कूली बच्चों के बस्ते का बोझ बच्चों के वजन का दसवां भाग होना चाहिए। वर्ष 2016 में सीबीएसई ने भी इस बारे में सभी स्कूलों से जरूरी कदम उठाने के लिए कहा था।

हालांकि ऐसा माना जा रहा है कि सरकार की इस नीति के तार मुख्य रूप से मई, 2018 में मद्रास हाई कोर्ट के दिए गए फैसले से जुड़ते हैं। एम पुरुषोत्तमन बनाम भारत संघ मामले में मद्रास हाई कोर्ट ने अपने एक फैसले में यह कह कर सरकार को फटकार लगाई थी कि बच्चे कोई वेटलिफ्टर नहीं हैं। अपने फैसले में कोर्ट ने बच्चों को पढ़ाए जाने वाले विषय, होमवर्क और स्कूली बस्ते पर दिशा-निर्देश दिए थे। हालांकि उस समय सरकारों ने इसे गंभीरता से नहीं लिया। लेकिन अब भारत सरकार ने एक नीति के तहत इस व्यवस्था को पूरे देश में लागू करना अनिवार्य कर दिया है।

सवाल यह है कि बच्चों के स्कूली बस्तों का वजन इतना बड़ा मुद्दा क्यों हैं? दरअसल बच्चों के बस्तों में पाठ्यपुस्तकों के अलावा वर्कबुक, नोटबुक, खाने का डब्बा, पानी की बोतल और कई बार विशेष नोटबुक भी होते हैं। इस तरह से छोटे बच्चे औसतन पांच-छह किलो तक भारी बस्तों को अपने कंधे पर ढोने को मजबूर होते हैं। भारी बस्ते की वजह से न केवल बच्चों की पढ़ाई पर असर पड़ता है, बल्कि उनकी सेहत पर भी पड़ता है। एक अध्ययन के मुताबिक अपने वजन का 15 फीसद वजन वाला बस्ता ढोने वाले स्कूली बच्चों के सिर, गर्दन और पसलियों पर बुरा असर पड़ता है। यही कारण है कि शिक्षा विशेषज्ञ, सीबीएसई समेत देश के कई न्यायालय इस संबंध में चिंता जाहिर कर चुके हैं।

इस चिंता की सबसे बड़ी वजह है कि शिक्षा में इस प्रकार की व्यवस्था का असर हमारे मानव विकास पर पड़ता है। संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट के अनुसार मानव विकास के जो भी पैमाने हैं, उनमें शिक्षा का विकास भी एक है। हालिया मानव विकास सूचकांक में भारत को 131वें पायदान पर रखा गया है जो साफ तौर पर इशारा करता है कि इस मामले में हम दुनिया के 130 देशों से पीछे हैं। जानकारों का मानना है कि भारत में पढ़ाई के बीच में ही स्कूल छोड़ने के पीछे स्कूली बस्ते का बोझ और होमवर्क का लोड भी कारण हैं। भारत में औसतन 4.5 फीसद बच्चे बीच में ही स्कूल छोड़ देते हैं। इसके अलावा, छात्रों द्वारा आत्महत्या दर के मामले में भारत अव्वल है। एनसीआरबी यानी नेशनल क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो के मुताबिक भारत में प्रति घंटे एक छात्र आत्महत्या करता है। शिक्षा के जानकार स्कूली बस्तों के बोझ और होमवर्क की बढ़ती परिपाटी को भी इसकी बड़ी वजह मानते हैं।

ऐसे में क्या करने की जरूरत है? दरअसल, सरकार स्कूल बैग नीति लाकर बच्चों की समस्याओं का सैद्धांतिक रूप से लगभग 50 फीसद समाधान कर चुकी है। शेष समस्याओं का समाधान करने के लिए कुछ खास पहलुओं पर ध्यान देना होगा। गौरतलब है कि आजादी के बाद हम सात दशक से ज्यादा का सफर तय कर चुके हैं। लेकिन हमारी आबादी का एक-तिहाई हिस्सा अभी भी निरक्षर है, जबकि कई देश सौ फीसद साक्षरता दर हासिल कर चुके हैं। फिनलैंड, नॉर्वे, अजरबैजान आदि इसके उदाहरण हैं। इन देशों की असाधारण शिक्षा-प्रणाली भारत से बिल्कुल अलग है, जहां स्कूलों में ही किताब रखने के लिए आलमारी होती है। हमारे देश की शिक्षा प्रणाली कुछ इस तरह से हो गई है कि अधिकांश निजी स्कूल बच्चों को बेहिसाब होमवर्क देते हैं और भारी बस्ते लाने के लिए उन्हें मजबूर करते हैं। किताबों की बेहिसाब संख्या को लेकर भी निजी संस्थानों ने बच्चों में आतंक का माहौल बना रखा है। आए दिन इन निजी संस्थानों की मनमानी की खबरें सुर्खियों में रहती हैं। इससे इतर, फिनलैंड के बच्चों पर होमवर्क का बोझ भी नहीं डाला जाता।

इस बार चमोली

उत्तराखंड के चमोली जिले में रविवार को हुए हादसे ने एक बार फिर सबको दहला दिया। 2013 का केदारनाथ हादसा अभी हमारी सामूहिक याददाश्त में धूमिल भी नहीं पड़ा है कि यह एक और घटना हो गई। हालांकि केदारनाथ हादसा आकार-प्रकार और भीषणता के मामले में इससे कहीं बड़ा था, लेकिन इस दुर्घटना ने एक बार फिर यह याद दिला दिया कि हिमालय के संवेदनशील इलाकों के घटनाक्रम को लेकर हम किस कदर अनजान, बल्कि उदासीन बने हुए हैं और इसके कितने खतरनाक नतीजे हमें भुगतने पड़ सकते हैं। अभी तक पुख्ता तौर पर यह भी स्पष्ट नहीं हो सका है कि रविवार सुबह हुए इस हादसे के पीछे आखिर वजह क्या थी।

कहा जा रहा है कि यह ऊपरी क्षेत्र में आए एक ऐवलांच (हिमस्खलन) का परिणाम हो सकता है। दूसरी संभावना ग्लेशियर टूटने की बताई जा रही है। मगर दोनों ही स्थितियां अपने आप में इतनी तेजी से पानी नीचे आने का कारण नहीं बन सकतीं। जमी हुई बर्फ दरक कर अच्छी-खासी ठंड में आखिर इतनी जल्दी पिघल कैसे जाएगी? इस तरह के फ्लैश फ्लड का मतलब ही है कि पानी ऊपर कहीं इकट्ठा हुआ होगा, कोई अस्थायी झील बनी होगी। ऐवलांच आने या ग्लेशियर टूटने की वजह से इस झील के रुके हुए पानी को नीचे की ओर रास्ता भर मिल गया होगा जिसने कहर ढा दिया। लेकिन हादसे के पहले ऐसी कोई झील बनने की तो कोई जानकारी ही नहीं थी। हादसे के बाद भी ऐसा कोई संकेत अभी तक नहीं मिल पाया है। इससे पता चलता है कि हिमालयी क्षेत्र में हो रही उथल-पुथल पर नजर रखने की व्यवस्था कितनी अपर्याप्त है।

ध्यान रहे, इस क्षेत्र में आपदा प्रबंधन की व्यवस्था को मजबूत करने की जरूरत लगातार बताई जाती रही है। यहां वॉर्निंग सिस्टम लगाने को लेकर 2014 में दायर एक जनहित याचिका पर 2018 में उत्तराखंड हाईकोर्ट का आदेश भी आ चुका है। इसके बावजूद इस मोर्चे पर कुछ ठोस नहीं किया जा सका। मामले का दूसरा पहलू है हिमालय के साथ अपनी तरफ से की जाने वाली छेड़छाड़ का। एक तो नया होने की वजह से वैसे भी हिमालय दुनिया का सबसे कच्चा पहाड़ माना जाता है। दूसरे, ग्लोबल वार्मिंग जैसे कारकों ने दुनिया भर में बाहर से ठोस और बेहद मजबूत दिखने वाली प्राकृतिक संरचनाओं को अंदर-अंदर कमजोर करने का काम किया है। ऐसे में हमारे सामने यह समझने का कोई जरिया नहीं है कि हजारों वर्षों से ठोस रूप में मौजूद कोई ढांचा दरअसल कितना मजबूत है। तमाम हिमालयी जल विद्युत परियोजनाएं इन ढांचों की मजबूती को लेकर आम समझ पर आधारित हैं, हालांकि यह समझ आजकल अक्सर गलत साबित होने लगी है। ऐसे में जरूरी है कि हिमालयी क्षेत्रों में खुदाई, तोड़-फोड़ और निर्माण संबंधी गतिविधियों पर विज्ञान और विवेक का अंकुश मजबूत किया जाए, साथ ही वहां की कुदरती हलचलों पर नजर रखने की बेहतर व्यवस्था की जाए।

मध्य प्रदेश में जहरीली शराब की सियासत में उमा भारती का दांव

> वैसे भी किसी राज्य में शराबबंदी का फैसला लोकलुभावन जरूर लगता है, लेकिन बिहार का अनुभव बताता है कि यह व्यावहारिक फैसला नहीं है। शराबबंदी के फैसले को लागू करना सरकारों के लिए बहुत मुश्किल है। खासतौर पर मध्य प्रदेश में, जहां आदिवासियों में शराब से जुड़ी बहुत पुरानी परंपराएं मौजूद हैं। सुदूर इलाकों के साथ बड़े शहरों में भी अवैध शराब के कारोबार पर रोक लगा पाना संभव नहीं हो रहा है। ऐसे में शराबबंदी के बारे में सोचना ही चुनौतीपूर्ण है।

मध्य प्रदेश के मुरैना में जहरीली शराब कांड के बाद एक बार फिर राज्य में शराब की सियासत शुरू हो गई है। कांग्रेस के साथ भाजपा के अंदर भी शराब की नई सियासत पर चर्चा छिड़ गई है। आर्थिक संकट से जूझ रही राज्य सरकार अपनी आय बढ़ाने के लिए शराब दुकानों की संख्या बढ़ाने पर विचार कर रही थी, लेकिन राजनीतिक बखेड़ा खड़ा होने के कारण उसे बैकफुट पर जाना पड़ा। सरकार की योजना का कांग्रेस तो विरोध कर ही रही थी, पूर्व मुख्यमंत्री उमा भारती ने भी राज्य में पूरी तरह शराबबंदी की मांग करके नई सियासत को हवा दे दी। इससे सरकार पर स्वाभाविक दबाव बन गया है जिस कारण दुकानों की संख्या बढ़ाने का प्रस्ताव फिलहाल ठंडे बस्ते में डाल दिया गया। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान भी शराब की दुकानों का विस्तार करने के खिलाफ माने जाते हैं। अपने पिछले दो कार्यकाल में उन्होंने शराब की एक भी नई दुकान नहीं बढ़ने दी, लेकिन कोरोना जनित परिस्थितियों ने अधिकारियों को दुकानें बढ़ाने की योजना पर काम करने को विवश किया। हालांकि सरकार न इसे फिलहाल रोक दिया है।

दरअसल, मध्य प्रदेश में उमा भारती अकेली राजनेता नहीं हैं जिन्होंने शराबबंदी की मांग की है। यदाकदा इसे लेकर आवाजें उठती रही हैं। कभी सामाजिक संगठनों की तरफ से मांग उठती है तो कभी राजनीतिक दलों के भीतर ही इसे लेकर बातें होती रहती हैं। शराबबंदी की मांग के बीच सरकार आज तक इस सवाल का जवाब नहीं खोज पाई

कि यदि शराब को पूरे प्रदेश में प्रतिबंधित कर दिया तो इससे मिलने वाले राजस्व की भरपाई कहां से होगी? सिर्फ सुदूर इलाकों में ही नहीं, राजधानी भोपाल में भी अवैध शराब का कारोबार फल-फूल रहा है। पिछले दिनों जैसे ही मुरैना में जहरीली शराब से लोगों की मौत की घटना हुई, कई जिलों की पुलिस अवैध शराब का कारोबार करने वालों के यहां दबिश डालने पहुंच गई। मुरैना में तो पुलिस ने ऐसे 147 लोगों की पहचान की है, जो संगठित रूप से अवैध शराब का कारोबार चलाते हैं। उन्हें जिला बदर करने की तैयारी है, लेकिन ऐसी कार्रवाई भी तभी होती है, जब कोई बड़ी घटना हो जाती है। मतलब यह कि प्रशासन को अवैध कारोबार करने वालों के बारे में पता तो रहता है, लेकिन वह आंखें मूंदे रहता है। बेहतर होगा कि पूर्ण शराबबंदी की मांग करने के बजाय सरकार अवैध शराब के धंधे पर पूरी तरह चोट करने की योजना बनाए। जब तक ऐसी नहीं होगा, तब तक शराबबंदी की मांग भी सिर्फ सियासी होकर रह जाएगी। मध्य प्रदेश सरकार को शराब के कारोबार से साल भर में लगभग 10 हजार करोड़ रुपये आय होती है। शराब सरकार की सुरक्षित आय का बड़ा जरिया है। यही कारण है कि लॉकडाउन के बाद जब अनलॉक की शुरुआत हुई तो सबसे पहले शराब की दुकानें ही खोली गईं। वर्ष 2020-21 में नौ हजार करोड़ रुपये का बजट अनुमान रखा गया है। देसी और विदेशी शराब दुकानों की नीलामी से सरकार को निश्चित आय होती है। कमल नाथ सरकार के समय दुकानों की नीलामी 25 फीसद अधिक दर पर करने का निर्णय लिया गया था। इसके लिए जिले की समस्त दुकानों का एक समूह बनाकर ठेके दिए गए। इससे सरकार को शुल्क तो अधिक मिल गया, परंतु ठेकेदारों का एकाधिकार हो गया। शराब महंगी हुई तो अवैध कारोबार करने वालों को मौका मिल गया।

हालांकि सरकार को कोरोना संकट की वजह से शराब दुकानों को बंद करना पड़ा। इससे ठेकेदारों को नुकसान हुआ और वे शुल्क माफ कराने के लिए पहले सरकार और फिर अदालत की शरण में पहुंच गए। सरकार ने कुछ रियायत भी दी। कारोबार बंद रहने और छूट दिए जाने के कारण सरकार को वर्ष 2019 के मुकाबले अप्रैल से नवंबर 2020 के बीच 1,432 करोड़ रुपये कम मिले। हालांकि अब शराब दुकानें खुल चुकी हैं। वाणिज्यिक कर विभाग को उम्मीद है कि वित्तीय वर्ष समाप्त होने तक 9,300 करोड़ रुपये हासिल होंगे। यही वजह है कि सरकार किसी की भी हो वह शराब की दुकानें बंद करने जैसा फैसला आसानी से नहीं कर पाती है। वैसे भी किसी राज्य में शराबबंदी का फैसला लोकलुभावन जरूर लगता है, लेकिन बिहार का अनुभव बताता है कि यह व्यावहारिक फैसला नहीं है। शराबबंदी के फैसले को लागू करना सरकारों के लिए बहुत मुश्किल है। खासतौर पर मध्य प्रदेश में, जहां आदिवासियों में शराब से जुड़ी बहुत पुरानी परंपराएं मौजूद हैं। सुदूर इलाकों के साथ बड़े शहरों में भी अवैध शराब के कारोबार पर रोक लगा पाना संभव नहीं हो रहा है। ऐसे में शराबबंदी के बारे में सोचना ही चुनौतीपूर्ण है। वैसे देखा जाए तो उमा भारती की मांग पर विचार करना सरकार के लिए बिल्कुल आसान नहीं होगा, क्योंकि एक तरफ शराब से होने वाली सरकार की आय खत्म हो जाएगी तो दूसरी तरफ शराबबंदी के फैसले को लागू करने के लिए उसे भारी-भरकम पैसा खर्च करना होगा। मध्य प्रदेश की स्थिति गुजरात जैसी नहीं है। बड़ा औद्योगिक क्षेत्र होने की वजह से गुजरात के पास आय के बहुत से अन्य प्रकार के साधन हैं। मध्य प्रदेश सरकार के पास वैट और आबकारी ही आय के बड़े स्नोत हैं। पिछले छह माह में प्रदेश में जहरीली शराब के दो बड़े कांड हुए हैं। उज्जैन और मुरैना में जहरीली शराब पीने की वजह से 30 से ज्यादा लोगों की जान जा चुकी है। ये दोनों घटनाएं साबित करती हैं कि प्रदेश में बड़े पैमाने पर अवैध शराब का धंधा चल रहा है और प्रशासन इस पर नियंत्रण नहीं लगा पा रहा है। सिर्फ सुदूर इलाकों में ही नहीं, राजधानी भोपाल में भी अवैध शराब का कारोबार फल-फूल रहा है। पिछले दिनों जैसे ही मुरैना में जहरीली शराब से लोगों की मौत की घटना हुई, कई जिलों की पुलिस अवैध शराब का कारोबार करने वालों के यहां दबिश डालने पहुंच गई। मुरैना में तो पुलिस ने ऐसे 147 लोगों की पहचान की है, जो संगठित रूप से अवैध शराब का कारोबार चलाते हैं। उन्हें जिला बदर करने की तैयारी है, लेकिन ऐसी कार्रवाई भी तभी होती है, जब कोई बड़ी घटना हो जाती है। मतलब यह कि प्रशासन को अवैध कारोबार करने वालों के बारे में पता तो रहता है, लेकिन वह आंखें मूंदे रहता है। बेहतर होगा कि पूर्ण शराबबंदी की मांग करने के बजाय सरकार अवैध शराब के धंधे पर पूरी तरह चोट करने की योजना बनाए।

गौरवशाली भारत के स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रक प्रवीण कुमार सिंह द्वारा आला प्रिंटिंग प्रेस 3636 कटारा दिना बेग लाल कुआं, दिल्ली.... से मुद्रित एवं, ब्लॉक नं. 23 मकान नं. 399 त्रिलोकपुरी दिल्ली....91
से प्रकाशित संपादक -प्रवीण कुमार सिंह टेलीफोन नं. 011.22786172 फैक्स नं. 011.22786172
RNI, No. DELHIN383334, E-mail: gauravashalibarat@gmail.com इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के पीआरबी एट के तहत

संक्षिप्त खबर

लखनऊ में डांट से नाराज छात्रा ने सोशल साइट्स पर शिक्षिका की बनाई फेक आइडी, अश्लील कमेंट कर किया वायरल

लखनऊ । बाराबंकी के एक कॉलेज में शिक्षिका ने बीकाम की छात्रा को पढ़ाई के लिए ऑनलाइन क्लासेज से दौरान डांट दिया। इस पर छात्रा ने फेसबुक और इंस्टाग्राम पर शिक्षिका के नाम से कई फर्जी आइडी बनाई और उस पर अश्लील कमेंट करने लगी। छात्रा ने शिक्षिका को भद्दी-भद्दी गालियां दीं, फोट कर उसे बदनाम करने की कोशिश की। मामले की जानकारी होने पर शिक्षिका ने गुडंबा थाने में करीब चार माह पूर्व रिपोर्ट दर्ज कराई थी। इसके बाद मामले की जांच साइबर क्राइम सेल को सौंपी गई।

गुडंबा इंस्पेक्टर शिव चरन सिंह और साइबर क्राइम सेल के दारोगा शिशिर यादव, आरएन सिंह, साइबर एक्सपर्ट अजय प्रताप सिंह, रणधीर सिंह, आशीष और गोविंद की संयुक्त टीम लगाई गई। आइपी एड्रेस से छात्रा को ट्रेस किया गया। गुरुवार को साइबर क्राइम सेल की टीम ने छात्रा को बाराबंकी से पकड़ लिया। इसके बाद उसे साइबर क्राइम सेल के आफिस लाकर पूछताछ की गई। छात्रा ने अपनी गलती स्वीकार की इसके बाद उसे हिदायत और एक नोटिस देकर छोड़ दिया गया। छात्रा ने शिक्षिका की फर्जी आइडी बनाकर उसके परिवारीजनों और फ्रेंड लिस्ट के फ्रेंड्स को भी शिक्षिका पर अश्लील कमेंट और गाली-गलौज करते हुए मैसेज भेजे थे। साइबर क्राइम सेल से दारोगा रणधीर ने बताया कि इसके पहले भी छात्रा ने एक शिक्षिका की फर्जी फेसबुक आइडी बनाकर उस पर अश्लील मैसेज और कमेंट किए थे।

सामने आया विकास दुबे गैंग का सच, पुलिस को कतई नहीं था अंदाजा

कानपुर । बिकरू गांव में दबिश देने पहुंची पुलिस टीम को देखते ही कुख्यात विकास दुबे और उसके गैंग के गुर्गों ने गाली-गलौज शुरू कर दी थी। कुख्यात के घर से 20 मीटर दूर तक ही पुलिस पहुंची थी, तभी ललकार लगाकर जिंदा बचने के लिए वापस लौटने की ताकीद की गई थी। इसके बाद ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी थी, जिसका पुलिस को कतई अंदाजा नहीं था। चौबेपुर थाना पुलिस की ओर से न्यायालय में दाखिल किए गए आरोप पत्र में यह सच्चाई सामने आई है। चौबेपुर थानाक्षेत्र के बिकरू में दो जुलाई 2020 की रात दबिश देने गई पुलिस टीम पर विकास दुबे व उसके गुर्गों की ताबड़तोड़ फायरिंग से बिल्हौर के तत्कालीन सीओ देवेंद्र मिश्रा समेत आठ पुलिसकर्मी शहीद हुए थे। देर रात करीब 12ः27 बजे पुलिस टीम कुख्यात विकास दुबे के दरवाजे पहुंची थी। वहां पहले से ही मुख्य मार्ग पर बुलडोजर खड़ा करके रास्ता रुका देख बगल से निकलकर विकास के घर की ओर बढ़ी थी, तभी विकास दुबे गैंग ने ललकार लगाई थी। गालियां देते हुए कहा था कि पुलिस वालों यहां दबिश देने की हिम्मत कैसे पड़ गई? अब कोई बचकर नहीं जा सकेगा। इसके बाद करीब 60-70 लोगों ने तीनों दिशाओं से ताबड़तोड़ फायरिंग की थी। करीब एक घंटे तक विकास दुबे गैंग रुक-रुक कर फायरिंग करता रहा था।

कानपुर में प्रिंटिंग कारखाने में भीषण आग से दहशत, पूर्व विधायक के चचेरे भाई की है फैक्ट्री

कानपुर । बर्रा के शक्तिनगर में बंद पड़े प्रिंटिंग कारखाने में गुरवार की दोपहर शॉर्ट सर्किट से भीषण आग लग गई। आग की चपेट में आकर केमिकल और स्याही वाले तीन ड्रम धमाके के साथ फ़टने से आसपास दहशत फैल गई। सूचना पर पहुंची दमकल की तीन गाड़ियों से पानी की बौछार करके जवानों ने एक घंटे की मशक्कत के बाद आग पर क़ाबू पाया गया। इस दौरान क्षेत्र में अफरा तफरी का माहौल बना रहा। पूर्व विधायक अजय कपूर के चचेरे भाई गोविंद नगर निवासी सचिन कपूर की शक्तिनगर में पैकिंग पेपर प्रिंटिंग की फैक्ट्री है। गुरुवार को दोपहर में अचानक शार्ट सर्किट से बंद फैक्ट्री में आग लग गई। आग की लपटें कबाड़, मशीनरी, केमिकल व स्याही के पुराने ड्रम तक पहुंच गई। केमिकल के ड्रम तेज धमाके के साथ फटने लगे तो आसपास क्षेत्र में दहशत फैल गई।

कंट्रोल रूम की सूचना पर फजलगंज फायर स्टेशन से तीन दमकल की गाड़ियां लेकर जवान मौके पर पहुंचे। एक घंटे की मशक्कत के बाद दमकल जवानों ने आग पर काबू पाया। कोऑपरेटिव स्टेट के चेयरमैन विजय कपूर ने बताया कि 15 सालों से फैक्ट्री बंद पड़ी है। सचिन दिल्ली में रहकर अपना कारोबार कर रहे हैं, शॉर्ट सर्किट से आग लगने की आशंका है। समय रहते दमकल ने आग बुझाई है। आग लगने से ढाई से तीन लाख रुपये के नुकसान का आकलन है।

आग बुझाने में चुटहिल हुआ फायरमैन- आग बुझाने के दौरान केमिकल का ड्रम फटने से फैक्ट्री में दमकल कर्मियों के बीच भगदड़ मच गई। इसमें दमकल कर्मी धर्मेंद्र कनौजिया गिरकर चुटहिल हो गए। आग बुझने के बाद सीएफओ एमपी सिंह घटनास्थल पहुंचे।

सरपंच के पिता को बदमाशों ने चाकू घोंपा, मौत, खेत से मिली लाश

लखीसराय । रामगढ़ चौक थाना क्षेत्र अंतर्गत नदियांमा गांव निवासी ब्रजकिशोर सिंह (65 वर्ष) की अज्ञात बदमाशों ने चाकू घोंप हत्या कर दी है। घटना बुधवार रात की है। मृतक भंवरिया ग्राम कचहरी के सरपंच मुरलीधर सिंह के पिता थे। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर जांच शुरू कर दी है। पेशे से किसान ब्रजकिशोर की हत्या के कारणों का पता नहीं चल पाया है। स्वजनों के अनुसार वे अपने घर से एक निमंत्रण में लखीसराय जाने के लिए बुधवार की शाम निकले थे। रास्ते में एक बाइक पर सवार दो युवकों ने अपनी बाइक पर बीच में उन्हें बैठा लिया और लखीसराय पहुंचा देने की बात कही। गांव स्थित चौक पर चाय विक्रेता जवाहर कुमार ने उन्हें बाइक पर सवार होकर जाते देखा भी। रामगढ़ चौक पेट्रोल पंप के पास दूरडीह से पतनेर नहर जाने वाली मुख्य सड़क के किनारे खेत में सन्नाटा देखकर ब्रजकिशोर सिंह की हत्या चाकू घोंपकर कर दी। रात को ही स्थानीय ग्रामीण खेत पटवन करके अपने घर लौट रहे थे तो वहां शव पड़े रहने की सूचना पुलिस को दी। रामगढ़ चौक थाना अध्यक्ष धीरेंद्र कुमार पाठक ने पहुंचकर शव को कब्जे में किया।

चौकीदार की मदद से उनकी पहचान करके स्वजनों को सूचना दी। इसके बाद थानाध्यक्ष ने शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल लखीसराय भेज दिया। मृतक के शरीर के कई जगहों पर छेद के निशान देखे गए। पोस्टमार्टम करने वाले डॉक्टर ने भी प्रारंभिक जांच में चाकू घोंपने की बात कही है। सरंपच के पिता की हत्या की सूचना फैलते ही गुरुवार की सुबह काफी संख्या में लोग रामगढ़ चौक थाना एवं इसके बाद पोस्टमार्टम हाउस लखीसराय पहुंच गए। थाना अध्यक्ष धीरेंद्र कुमार पाठक ने बताया कि घटना की प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच कराई जाएगी। इस हत्याकांड में शामिल अपराधियों को शीघ्र पकड़ लिया जाएगा। पुलिस हरेक बिंदुओं पर जांच कर रही है।

लुधियाना में मामा ने विवाह का झांसा देकर भांजी को भगाया, दो माह तक किया गलत काम

श्री माछीवाड़ा साहिब, (लुधियाना)। माछीवाड़ा की एक लड़की को उसका मामा शादी का झांसा देकर घर से भगाकर ले गया और दो माह तक दुष्कर्म करता रहा। माछीवाड़ा पुलिस ने लड़की की शिकायत पर गांव पायल के राम सिंह उर्फ सनी के खिलाफ केस दर्ज किया है।

पीड़ित लडकी (19) ने शिकायत में पुलिस को बताया कि राम सिंह रिश्ते में उसका मामा लगता है। वह आठवीं कक्षा पास करने के बाद अपनी माता के साथ लोगों के घरों में काम करती थी। लड़की के अनुसार वह अपने ननिहाल गांव पायल में जाती रहती थी, जहां राम सिंह का भी आना-जाना था। वह नौ दिसंबर 2020 को उससे विवाह करने का झासा देकर अपने साथ ले गया। लड़की के अनुसार वह उसे अज्ञात जगह पर ले गया जहां उसने उसके साथ दो महीने तक दुष्कर्म किया गया। जब वह घर जाने के लिए कहती तो उसे धमकाया जाता था।

मौनी अमावस्या पर प्रयागराज, वाराणसी व अयोध्या में लग रही पुण्य की डुबकी

लखनऊ । सनातन धर्म में माघ में मौनी आमवस्या पर स्नान एवं दान-पुण्य का विशेष महत्व है। गुरुवार को मौनी अमावस्या पर प्रदेश में नदियों के किनारे घाटों पर लोग पुण्य डुबकी लगा रहे हैं। दिन में दस बजे तक लाखों लोगों ने पुण्य की डुबकी लगा ली है।

मौनी आमवस्या पर प्रयागराज के साथ ही हापुड़ के गढ़मुक्तेश्वर तथा फर्रूखाबाद में कल्पवास कर रहे लोग तड़के ही गंगा नदी में डुबकी लगा लेते हैं। इसके साथ ही वाराणसी, अयोध्या, गोरखपुर व कानपुर में भी लोग स्नान कर रहे हैं।

प्रदेश सरकार ने मौनी अमावस्या के अवसर पर प्रयागराज में संगम के साथ माघ मेला स्थल पर हेलीकॉप्टर से श्रद्धालुओं पर पुष्पवर्षा भी कराई है। सुबह करीब साढ़े नौ बजे हेलीकाप्टर से स्नानार्थियों पर हेलीकाप्टर से पुष्प वर्षा भी हुई। हेलीकाप्टर करीब पांच मिनट तक मंडराता रहा।

प्रयागराज में विभिन्न अखाड़े अपनी परम्परा के अनुसार तड़के स्नान करते हैं। इसके साथ ही कल्पवास कर रहे लोग भी पुण्य की डुबकी लगाते हैं। प्रयागराज के माघ मेले के तीसरे और सबसे बड़े स्नान पर्व मौनी अमावस्या पर संगम तथा मेला क्षेत्र में अन्य गंगा घाटों पर जमकर पुण्य की डुबकी लग रही है। यहां स्नानार्थी पूरी आस्था के साथ पुण्य की डुबकी लगा रहे हैं।

यहां स्नान के उपरांत यथा सामर्थ दान दक्षिणा भी दिया जा रहा है। रात 12ः19 बजे से अमावस्या तिथि का संचरण होते ही श्रद्धालुओं ने डुबकी लगानी शुरू कर दी थी। तब वैसी

भीड़ स्नान घाटों पर नहीं दिखी जैसी सुबह दिख रही है। पुण्य काल 6ः31 बजे से 9ः30 बजे तक था। माघ मेला प्रशासन से जुड़े लोगों का अनुमान है कि आज 40 लाख लोग श्रद्धालु मौनी अमावस्या पर स्नान करेंगे।

धर्म नगरी वाराणसी में भी मौनी अमावस्या पर दशाश्वमेध सहित विभिन्न घाटों पर स्नान के लिए श्रद्धालु उमड़े हैं। यहां पर हर घाट पर सुरक्षा के भी बेहद कड़े इंतजाम हैं। हर घाट पर पुलिस की नौका तैनात है।

राम नगरी अयोध्या में गुरुवार को हजारों लोग सरयू नदी के तट पर मौनी आमवस्या पर लाखों पुण्य की डुबकी लगा रहे हैं। घाट पर भारी भीड़ है। यहां पर अयोध्या के पास के जिलों के श्रद्धालु पहुंचे हैं। कोरोना कॉल के बाद पहली बार बड़ी संख्या में श्रद्धालु नदी के तट पर एकत्र हैं।

सरयू में स्नान का विशेष महत्वः मौनी अमावस्या की बेला में सरयू जैसी पवित्र नदी में स्नान का विशेष महत्व बताया गया है। हर वर्ष की तरह इस बार भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु पुण्यसलिला में डुबकी लगाएंगे। श्रद्धालुओं के आगमन की संभावना को ध्यान में रख कर सरयू तट के पुरोहितों सहित प्रशासन ने भी समुचित तैयारी कर रखी है।

सीएम योगी आदित्यनाथ ने किया ट्वीटः मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मौनी अमावस्या के पावन पर्व पर ट्वीट किया है। उन्होंने लिखा कि मौनी अमावस्या का पावन अवसर है। सभी को पवित्र संगम में स्नान का पुण्य लाभ हो। सभी श्रद्धालुओं की मनोकामनाएं पूर्ण हों। सभी कल्पवासियों की साधना सुगमता से पूर्ण हो।

लोक आस्था के महापर्व मौनी अमावस्या की सभी श्रद्धालुओं व प्रदेशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं। व्रत एवं दान की महत्ता को प्रकट करता यह पावन पर्व सभी के लिए मंगलकारी हो। प्रभु श्री राम की कृपा से समस्त प्राणियों के जीवन में सुख-शांति एवं समृद्धि का वास हो।

मां सोनिया गांधी की सलाह पर प्रयागराज के मनकामेश्वर मंदिर में मनौती भी मांगेंगी प्रियंका वाड्रा

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश में कांग्रेस को ऑक्सीजन देने के प्रयास में लगीं अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव तथा उत्तर प्रदेश की प्रभारी प्रियंका गांधी वाड्रा अब धर्मनगरी प्रयागराज में मां तथा कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी की सलाह पर अमल करेंगी। प्रयागराज दौरे पर गुरुवार को प्रियंका गांधी वाड्रा मनकामेश्वर मंदिर में मनौती भी मांगेंगी। खास बात तो यह है कि वह नंगे पांव बिना किसी प्रोटोकॉल के संगम के रेती पर अपने दोनों बच?चों मिराया और रेहान के अलावा उनके दोस्तों संग पैदल भी चलेंगी।

प्रियंका गांधी वाड्रा आज दिल्ली से प्रयागराज के बमरौली एयरपोर्ट से काफिला के साथ झलवा, राजरूपपुर, धोबीघाट चौराहा होते आनंद भवन पहुंचेंगी। यहां प्रमुख पार्टी नेताओं से चर्चा कर संगम जाएंगी। मौनी अमावस्या पर त्रिवेणी में उनकी डुबकी कांग्रेस को कितना सियासी फायदा पहुंचाएगी यह तो समय बताएगा, लेकिन इतना तो तय है कि एजेंडा विधानसभा चुनाव 2022 ही है।

आनंद भवन से वह नैनी ओवरब्रिज होते हुए अरैल घाट पहुंचेंगी। फिर नाव में सवार होकर वह संगम में डुबकी लगाकर मनौती मांगेंगी। यहां से वह नाव से ही माघ मेला क्षेत्र में प्रवेश करेंगी। तकरीबन तीन किलोमीटर वह नंगे पांव पैदल चलकर शंकराचार्य से मिलकर मनकामेश्वर मंदिर पहुंचेंगी। इसके पीछे यह भी वजह मानी जा रही है कि 2001 में जब सोनिया गांधी आईं थीं तो मनकामेश्वर में मनौती मांगीं थीं। इसी दौरान गुजरात दंगे के बाद कांग्रेस की सरकार बनी थी। कांग्रेस सुप्रीमो सोनिया गांधी की सलाह पर प्रियंका गांधी वाड्रा मनकामेश्वर मंदिर में मनौती मांगेंगी। वह दोपहर बाद 2ः40 बजे मंदिर पहुंच जाएगी। यहां वह पांच मिनट पूजा-अर्चना करेंगीं। इसके बाद वापसी करेंगी।

परनाना की विरासत देखने आएंगे बच्चेः प्रियंका अपने साथ बच्चों को भी लेकर आ रही हैं। साथ में उनके कुछ दोस्त भी आ रहे हैं। कहा जा रहा है कि बच्चों को लाने का मकसद केवल यह है कि वह करीब से मां के परनाना की पुश्तैनी विरासत को भी देख सकेंगे। इसके पहले भी राहुल और प्रियंका जब आनंद भवन आये थे, तब दोनों बच्चे आये थे। हालांकि, उस वक्त प्रियंका ज्यादा देर नहीं ठहरी थीं।

बिहार के भोजपुर में घुसखोर पुलिस अधिकारी गिरफ्तार, रिश्वत मांगने का वीडियो वायरल होने पर कार्रवाई

आरा । भोजपुर जिले के पीरो थाना में कार्यरत एक एएसआइ कृपा नारायण झा को केस में मदद करने के नाम पर रिश्वत लेना महंगा पड़ा गया।रिश्वतखोरी संबंधी वीडियो वायरल होने के बाद घूसखोर एएसआइ को गिरफ्तार कर लिया गया है। भोजपुर एसपी हर किशोर राय के आदेश पर बड़ी कार्रवाई के बाद महकमे में खलबली मच गई है। पकड़ा गया एएसआई मधुबनी जिले का निवासी है।

इस मामले में पीरो थानाध्यक्ष अशोक चौधरी के बयान पर भ्रष्टाचार अधिनियम के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है। हालांकि, पकड़े गए एएसआइ के पास कोई राशि बरामद नहीं हुई है। इधर, भोजपुर एसपी ने बताया कि केस में मदद के नाम पर पैसा लिए जाने की बात सामने आई है। इसलिए एफआइआर दर्ज करते हुए जेल भेजने की कार्रवाई की जा रही है। रिश्वतखोर एएसआइ को जल्द बर्खास्त कर दिया जाएगा। साक्ष्य के तौर पर पैसा लेते वीडियो भी मिला है। गुरुवार को कोर्ट में प्रस्तुत किया जाएगा।

केस डायरी में मदद के लिए रिश्वत लेने का आरोप- बताया जाता है कि पीरो के राजपुर गांव में एक ही समाज के दो गुटों में झड़प हुई थी। दोनों तरफ से केस हुआ था। आरोपितों ने केस में जमानत के लिए कोर्ट में अर्जी दी गई थी। जिस पर कोर्ट ने डायरी मांगी थी। राजपुर निवासी सुशील कुमार डायरी में मदद के लिए आइओ सह एएसआइ कृपा नारायण झा से मिला था। एएसआइ ने रिश्वत की मांग की थी। रिश्वत लेते हुए वीडियो बनाकर इंटरनेट मीडिया पर वायरल कर दिया गया था। वायरल वीडियो एसपी को भी मिला था। उसके आधार पर एसपी ने जांच कर कार्रवाई किए जाने का आदेश दिया था। सूत्रों के अनुसार पीरो डीएसपी को जांच का आदेश दिया था। इसके बाद एएसआई को गिरफ्तार कर लिया गया। फिलहाल, पकड़े गए एएसआइ को पीरो थाने में रखकर कर पूछताछ की जा रही है।

चुनाव के समय में बक्सर से बदलकर आए थे भोजपुर- बताया जा रहा कि गिरफ्तार एएसआइ कृपा नारायण झा पहले बक्सर के डुमरांव में कार्यरत था। विधान सभा चुनाव के समय तबादले के दौरान बदलकर भोजपुर आया था। करीब तीन-चार महीने से पीरो थाना में कार्यरत था। इधर, पीरो के राजपुर गांव में घटित मारपीट की घटना के मामले में उसे अनुसंधान अधिकारी (आइओ) बनाया गया था।

आर्थिक तंगी से परेशान किसान ने लगा ली फांसी, सदमे में बेटी ने भी किया आत्महत्या का प्रयास

सासाराम (रोहतास) । गुरुवार की सुबह जिला मुख्यालय से सटे दरिगांव थाना क्षेत्र के नौगाई गांव में एक किसान ने आर्थिक तंगी में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। आत्महत्या किए जाने की खबर से ग्रामीण सहित शहर में सनसनी फैल गई। किसान का शव पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल लाया गया । वहीं पिता की मौत के सदमे में आकर बेटी ने जहर खाकर आत्महत्या का प्रयास किया। उसे चिंताजनक हालत में शहर के एक निजी क्लीनिक में भर्ती कराया गया है।

50 हजार बिजली बिल का नहीं कर पा रहे थे भुगतान- आत्महत्या करने वाले किसान दिनेश सिंह दरिगांव थाना क्षेत्र के नौगाई निवासी राम सिंहासन सिंह के पुत्र थे। प्रथम दृष्टया आत्महत्या किए जाने के पीछे 49 हजार 818 रुपये का बिजली बिल बकाया होने की बात ग्रामीण बता रहे हैं। आर्थिक तंगी के कारण किसान बकाया बिजली बिल का भुगतान नहीं कर पा रहा था। मिले कागजात के मुताबिक दिनेश सिंह का उपभोक्ता नंबर 22 3500 4918 5 है जिसमें 28620 रुपए का विद्युत बिल बकाया था। विलंब के कारण विद्युत बिल के अधिभार के तौर पर 19850 रुपए को जोड़ते हुए कुल बकाया राशि के तौर पर 48471 रुपए के साथ-साथ अन्य विभागीय चार्ज जोड़कर 49818 रुपए का बिल किसान को थमाया गया था । आर्थिक बोझ दबा किसान बकाया बिजली बिल दे पाने में सक्षम नहीं हो पा रहा था ।

विभाग की ओर से बकाया बिजली बिल भुगतान करने के लिए काफी दबाव बनाया जा रहा था। इधर घटना के बाद से परिवार में मातम पसर गया है। किसान की छह बेटियां है उनमें से दो विवाहित हैं। चार बेटियां अविवाहित हैं। उनमें से एक ने पिता की मौत के सदमे के कारण आनन-फानन में कीटनाशक दवा पीकर आत्महत्या प्रयास किया है। उसकी हालत चिंताजनक बनी हुई है। निजी अस्पताल में इलाज चल रहा है।

लालू पर मंगल-शुक्र की महादशा, आने वाले दिनों में और बढ़ेंगी मुश्किलें...

रांची । चारा घोटाले के चार मामलों के सजायाफ्ता राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव एक नए मामले में घिरते दिख रहे हैं। उन्हें एक बार फिर से जेल की हवा खानी पड़ सकती है। लालू के ऊपर मंडरा रहा यह नया खतरा चारा घोटाले के पांचवें मामले से जुड़ा है। रांची के डोरंडा कोषागार से 139 करोड़ रुपये की अवैध निकासी के मामले में बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री की मुश्किलें बढ़नी तय हैं।

लालू यादव को चारा घोटाले के पांचवें मामले में भी कैद- जुर्माने की सजा सुनाई जा सकती है। फिलहाल लालू चार मामलों में सजा काटने के लिए रांची के बिरसा मुंडा जेल भेजे गए हैं। जहां से तबीयत बिगड़ने के बाद रांची के रिम्स में उनका इलाज चल रहा है। कुछ दिन पहले ही लालू की हालत गंभीर होने के बाद उन्हें एम्स, दिल्ली बेहतर इलाज के लिए रेफर किया गया है। ताजा मेडिकल रिपोर्ट के अनुसार लालू की सेहत में सुधार बताया गया है। वे अब पहले के मुकाबले सहज हैं। उनका निमोनिया भी कुछ हद तक ठीक हो गया है।

इधर राजद प्रमुख लालू प्रसाद से जुड़े चारा घोटाले के ऋष्ट 47/96 डोरंडा कोषागार मामले में बीते दिन रांची की अदालत में एक बार फिर से 10 महीने बाद सुनवाई शुरू हो गई है। सीबीआइ की विशेष अदालत में यह मामला हफ्ते में दो दिन सुनवाई के लिए लाया जा रहा है। 139 करोड़ रुपये की अवैध निकासी से जुड़े इस मामले में सीबीआइ की ओर से तमाम गवाही पूरी हो गई है। अब लालू समेत दूसरे आरोपितों की ओर से गवाही कराई जा रही है। इस मामले में लालू मुख्य आरोपित के तौर पर अपनी गवाही दर्ज करा चुके हैं। अब दो-तीन गवाहों को ही अपना बयान दर्ज कराना बाकी रह गया है। सीबीआइ ने 575 तो बचाव पक्ष ने भी 100 से अधिक गवाहियां दर्ज कराई हैं। इस मामले में अभी मंगलवार और शुक्रवार को सुनवाई होगी।

इधर चारा घोटाले के चार मामलों में सजा काट रहे लालू प्रसाद यादव को झारखंड हाई कोर्ट ने 3 मामलों में पहले ही जमानत दे दी है। जबकि एक मामले में उच्च न्यायालय में लालू की जमानत याचिका पर सुनवाई चल रही है। चाईबासा कोषागार के दो और देवघर कोषागार से जुड़े एक मामले में लालू को बेल मिल चुकी है। दुमका कोषागार मामले में आधी सजा काटने और गंभीर बीमारियों की दलील के सहारे उन्होंने जमानत की आस लगा रखी है।

लालू की ओर से सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता और कांग्रेस नेता कपिल सिब्बल झारखंड हाई कोर्ट में उनकी जमानत याचिका की पैरवी कर रहे हैं। इस मामले में 19 फरवरी को सुनवाई होगी। इस बीच लालू से जुड़े एक अन्य मामले जेल मैनुअल उल्लंघन में स्वतः संज्ञान लेकर झारखंड हाई कोर्ट ने सुनवाई शुरू की है। बिहार के एक भाजपा नेता को फोन करने और नीतीश सरकार को अस्थिर करने के आरोपों से घिरे लालू को लेकर हाई कोर्ट ने कई दफा कड़ी टिप्पणियां कीं। कोर्ट ने सरकारी वकील को यहां तक कहा कि किसी व्यक्ति विशेष के लिए कानून कैसे बदला जा सकता है।

इधर लालू को लेकर हाई कोर्ट ने पिछली सुनवाई में बड़ी बात कही। अदालत ने कहा कि कोर्ट की बिना जानकारी में उन्हें एम्स, दिल्ली कैसे भेज दिया गया। सबसे पहले उनकी मेडिकल रिपोर्ट कोर्ट में पेश की जानी थी। उनको क्या बीमारी है, यह देखने के बाद ही मेडिकल बोर्ड के दिल्ली भेजने के फैसले की परख की जा सकती है। रिम्स डायरेक्टर के कोर्ट में मेडिकल रिपोर्ट नहीं दाखिल करने पर अदालत ने शो-कॉज नोटिस भी जारी किया है।

प्रयागराज में चल रहे वार्षिक माघ मेला उत्सव के दौरान मौनी अमावस्या पर संगम, गंगा, यमुना और सरस्वती के संगम पर पवित्र स्नान करने के बाद भक्त प्रार्थना करते हुए।

हत्या की आशंका के बाद दफनाए शव को निकाला गया बाहर, एक दिन पहले नाले के पास मृत मिला था बच्चा

नवादा । नगर थाना क्षेत्र के गोनावां में एक बालक की हत्या का मामला सामने आया है। शिकायत मिलने के बाद गुरुवार को गोनावां में खुरी नदी किनारे दफनाए गए शव को बाहर निकाला गया। दंडाधिकारी रीना व्यास की मौजूदगी में पुलिस ने शव को बाहर निकलवाया। मृतक बालक गोपाल कुमार (12) गोनावां गांव के पंकज सिंह का पुत्र था। दरअसल, शव को दफनाने के बाद स्वजनों को हत्या की आशंका हुई थी। जहां शव मिला था, वहां खून देखकर स्वजनों ने ऐसी संभावना जताई है। इसके बाद पुलिस को इसकी सूचना दी। तब शव निकलवाया गया। उसे पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है।

स्वजनों ने बताया कि बुधवार की दोपहर करीब दो बजे गोपाल घर से निकला था। इसके बाद लौट कर नहीं आया। स्वजन अनहोनी की आशंका से सहमे हुए थे। हर तरफ उसकी खोजबीन की जा रही थी। इसी क्रम में रात करीब नौ बजे घर के ठीक बगल में नाले में उसका शव बरामद किया गया। इसके बाद स्वजन उसे अस्पताल ले गए। जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। उसके बाद स्वजन शव लेकर घर आए और रात में ही आनन-फानन में शव का अंतिम संस्कार कर दिया।

नाले से लेकर पास की झोपड़ी तक थे खून के निशान- इधर गुरुवार को नाली के पास खून के धब्बे मिले। इस पर लोगों को शंका हुई। आसपास छानबीन की तो घर से कुछ दूरी पर एक झोपड़ी में खून के निशान मिले। तब स्वजनों को हत्या की आशंका हुई। तत्काल इसकी सूचना नगर थाना की पुलिस को दी गई। इसके बाद सदर एसडीपीओ उपेंद्र प्रसाद, बीडीओ कुमार शैलेंद्र, एसआई नरोत्तम पुलिस बल के साथ वहां पहुंचे और जांच पड़ताल की। इसके बाद शव को बाहर निकलवाकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। इधर घटना के बाद से परिवार में मातम पसरा हुआ है। शव निकलने पर एक बार फिर माहौल गमगीन हो गया।

बिजनेस न्यूज

मटर फसल प्रदर्शन सह किसान गोष्ठी का आयोजन

भोपाल। राष्ट्रीय बीज निगम लिमिटेड, क्षेत्र कार्यालय, गोविन्दपुरा, भोपाल द्वारा प्रदेश सरकार की महत्वाकांक्षी योजना एक जिला एक उत्पाद मिशन के अंतर्गत मटर फसल प्रदर्शन सह किसान गोष्ठी का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में श्रीमती इन्द्रा त्रिपाठी, एसडीओ जबलपुर द्वारा कार्यक्रम का उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर गुलबीर सिंह, क्षेत्रीय प्रबंधक, मप्र एवं छत्तीसगढ़, अमन सुहाने, सीईओ एवं अरविंद कुमार, क्षेत्र प्रबंधक उपस्थित थे। कार्यक्रम में लगभग 150 से 200 किसानों ने भाग लिया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि श्रीमती त्रिपाठी द्वारा मध्यप्रदेश सरकार की उपरोक्त योजना अंतर्गत एनएससी द्वारा मटर फसल प्रदर्शन सह किसान गोष्ठी भेड़ाघाट में आयोजित करने हेतु क्षेत्रीय प्रबंधक को धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा जबलपुर क्षेत्र के किसानों को अवश्य इसका लाभ होगा। क्षेत्रीय प्रबंधक गुलबीर सिंह पंवार, क्षेत्रीय प्रबंधक ने एसडीओ को समय निकालकर पहुंचने का धन्यवाद किया। संगोष्ठी में उपस्थित किसानों को एनएससी की डाक्यूमेंट्री फिल्म दिखाई गई। इस अवसर पर किसानों में भारी उत्साह देखा गया।

रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय में कैंसर जागरुकता पर वेबिनार

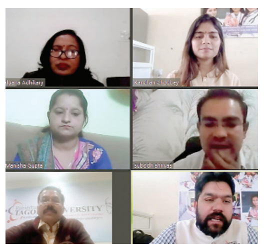

भोपाल। रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय के पैरामेडिकल साइंस और नर्सिंग विभाग ने मिलकर विश्व कैंसर दिवस के अवसर पर कैंसर जागरूकता पर वेबिनार का आयोजन किया। वेबिनार का उद्देश्य आम लोगों में कैंसर के बारे में जागरूकता बढ़ाना और इससे जुड़े विभिन्न मिथकों को खत्म करना था। इस कार्यक्रम का उद्घाटन और स्वागत डॉ कंचन चौबे, सहायक प्रोफेसर, पैरामेडिकल विभाग ने किया। सत्र के अध्यक्ष डॉ सुबोध श्रीवास, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ हेड एंड नेक ऑन्कोलॉजी में कंसल्टेंट फिजियोथेरेपिस्ट और प्रो जलपना अधिकारी, प्रोफेसर आरडी मेमोरियल कॉलेज ऑफनर्सिंग थे। सत्र की शुरुआत डॉ सुबोध श्रीवास ने की, जहां उन्होंने कैंसर रोगियों के पुनर्वास और फिजियोथेरेपी की भूमिका के साथ कैंसर के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की। उन्होंने बताया कि विश्व कैंसर दिवस मनाने का उद्देश्य कैंसर रोगियों की संख्या कम करना और कैंसर के कारण होने वाली मृत्युदर को रोकना है। उन्होंने कहा कि लोगों को कैंसर के प्रति जागरुक होना चाहिए। कार्यक्रम का संयोजन डॉ अविनाश सिंह, एचओडी, पैरामेडिकल विभाग और डॉ मनीषा गुप्ता, प्रिंसिपल, नर्सिंग विभाग द्वारा किया गया।

सैम ग्लोबल यूनिवर्सिटी में मनाया गया फाउंडर्स डे

भोपाल। सैम ग्लोबल यूनिवर्सिटी द्वारा अपने फाउंडर चेयरमैन, स्वर्गीय आईएस सलूजा सर के 81वें जन्म दिवस के अवसर पर सैम फाउंडर्स डे का आयोजन किया गया। इस उपलक्ष्य पर ऑनलाइन राष्ट्रीय स्तर इंटर कॉलेज टेक्निकल एवं कल्चरल फेस्ट सैम अर्थ एवं सैम पर्क का आयोजन किया गया। 1100 से भी अधिक छात्रों ने विभिन्न प्रतियोगिताओ में भाग लिया। इस फेस्ट में भारत के 240 विभिन्न विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों जैसे की आईआईटी कानपुर, आईआईटी खरगपुर, दिल्ली यूनिवर्सिटी, एनएलयू ओडिसा, होल्कर कॉलेज इंदौर, वीआईटी, एम्स भोपाल, राजमाता सिंधिया गर्ल्स कॉलेज, डॉ हरी सिंह गौर यूनिवर्सिटी सागर, बरकतुल्लाह यूनिवर्सिटी, जीवाजी यूनिवर्सिटी ग्वालियर के छात्रों ने भाग लिया। विजयी छात्रों को 50000 रुपए तक के पुरस्कार दिए जाएंगे। डा हरप्रीत सलूजा, चेयरमैन, सैम ग्रुप ने कहा की सैम ग्लोबल यूनिवर्सिटी मध्य भारत की एक मात्र यूनिवर्सिटी है जो स्टूडेंट्स के आल अराउंड पर्सनालिटी इम्प्रूवमेंट के लिए प्रतिबद्ध है।

नेत्र परीक्षण शिविर का आयोजन

भोपाल। कुंजल वेलफेयर सोसायटी द्वारा सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान के अंतर्गत नादरा बस स्टैंड में 123 बस ड्राइवर, ऑटो चालक, ट्रक ड्राइवर का नेत्र जांच कर उपचार के लिए जानकारी दी गई। इस आयोजन में मनोज खत्री, डीएसपी, गीत धीर वरिष्ठ समाजसेवी, आरएन पाटिल, अध्यक्ष कुंजल वेलफेयर सोसायटी, युवा समाजसेवी शिवराज कुशवाहा समन्वयक जिला विधिक सेवा प्राधिकरण जिला न्यायालय भोपाल के साथ श्रीमती प्रभा गौर सचिव कुंजल वेलफेयर सोसायटी प्रमुख रूप में शामिल रहे। संस्था द्वारा सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम के दौरान 18 जनवरी से निरंतर बस्तियों में युवाओं के साथ पोस्टर निर्माण, प्रश्न मंच, वाद- विवाद के साथ भोपाल जिले के सड़कों व चौराहों में बोर्ड लगवाकर प्रचार-प्रसार के माध्यम से जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में यातायात पुलिस के साथ मिलकर निशुल्क नेत्र परीक्षण शिविर आयोजित किया गया है। इस मौके पर 25 लोगों को चश्मे प्रदान किए गए।

नई शिक्षा नीति पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी आज से

भोपाल। प्रांतीय शासकीय महाविद्यालयींन प्राध्यापक संघ के तत्वावधान में 11 एवं 12 फरवरी को अपरान्ह 12 से 2 बजे तक मध्यप्रदेश के परिपेक्ष्य में नई शिक्षा नीति, चुनौतियां एवं संभावनाएं विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन शासकीय मोतीलाल विज्ञान महाविद्यालय के नवीन प्रशासकीय भवन के कांफ्रेंस हाल में किया जा रहा है। संगोष्ठी में आज प्रमुख वक्ता डॉ अशोक कंडेल, संचालक मध्य प्रदेश हिंदी ग्रंथ अकादमी तथा डॉ उमेश सिंह, निदेशक विवेकानंद केरियर गाइडेंस एवं 12 फरवरी को प्रमुख वक्ता डॉ आरआर कन्हारे, अध्यक्ष फीस नियामक आयोग तथा डॉ भरत शरण सिंह, अध्यक्ष निजी विश्वविद्यालय नियामक आयोग रहेंगे।

भारत ने मुझे नई कहानियां दी: दीपा मेहता

भोपाल। सामाजिक संस्था प्रभा खेतान फाउंडेशन द्वारा आयोजित और श्री सीमेंट द्वारा प्रस्तुत एक मुलाकात विशेष के ऑनलाइन सत्र को वर्चुअली संबोधित करते हुए फिल्म निर्माता दीपा मेहता ने कहा, मेरे जीवन में भारतीय सिनेमा के प्रति मेरा लगाव हमेशा से काफी ज्यादा रहा है। जब मैं एक एनआरआई नागरिक बन गई, तब मैं भारतीय सिनेमा में काफी ग्राउंडेड भी हो गई थी। क्योंकि मुझे लगता है कि भारत मुझे अगर नई कहानियां देता है, तो कनाडा मुझे उन्हें व्यक्त करने की आजादी प्रदान करता है। दिल्ली की अहसास वुमन की सदस्य अर्चना डालमिया के एक सवाल के जवाब में दीपा मेहता ने कहा, मैं एक अनिच्छुक कनाडाई नागरिक बन चुकी थी, तब लंबे समय तक मुझे भारत से बाहर रहना पड़ा था। इस दौरान भारत को मैने काफी मिस किया। घर को वास्तव में सुरक्षा के लिए परिभाषित किया जाता है और अगर मैं भारत में खुद को सुरक्षित महसूस नहीं करती तो यह मेरा घर नहीं कहला सकता है। मैं एक अलग तरह की एनआरआई हूं। इस ऑनलाइन सत्र की शुरूआत अहमदाबाद अहसास की महिला शाखा की तरफसे प्रियांशी पटेल ने किया।

मेरे साईं में प्रणीत भट्ट निभाएंगे महत्वपूर्ण किरदार

भोपाल। सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन के बहुचर्चित शो मेरे साईं, श्रद्धा और सबुरी के अगले अध्याय में एक्टर प्रणीत भट्ट एक महत्वपूर्ण किरदार निभाते हुए नजर आएंगे। इस शो में एक्टर तुषार दल्वी साईं बाबा का लीड रोल निभा रहे हैं। इस शो में हमेशा ऐसी कहानियां दिखाई जाती हैं, जो दर्शकों को अपनी सी लगती हैं और उन्हें साईं की भक्ति से सराबोर कर देती हैं। यह शो अपनी शुरुआत से ही दर्शकों का पसंदीदा रहा है और इसकी हर कहानी उन्हें जीवन के अनमोल सबक सिखाती है। इस शो के आगामी ट्रैक में प्रणीत भट्ट, मधुसूदन का किरदार निभाएंगे, जो गलत तरीके से पैसे कमाने के लिए अपने आसपास के लोगों को ठगता है। सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन के शो मेरे साईं श्रद्धा और सबुरी में मधुसूदन की कहानी, हर सोमवार से शुक्रवार शाम सात बजे पेश होगी।

गुप्त दान होता है विशेष फलदायी

भोपाल। मोतीलाल मन्नू लाल धर्मशाला में प्रवाहित हो रही भागवत कथा में नैमिषारण्य तीर्थ उत्तर प्रदेश से आये कथाव्यास श्रद्धेय शिवानंद भाई श्री ने कथा सुनाते हुए दान की महिमा का वर्णन किया। पूज्य श्री ने बताया की जब भी जीवन में दान करें तो कोशिश करें की दान को गुप्त रखा जाए। गुप्त दान विशेष फलदायी होता है। दानी तीन प्रकार के होते हैं। गुलाब की तरह आम की तरह और कटहल की तरह। गुलाब की तरह वो दानी होते हैं जो सिर्फ फूलना जानते हैं, फलना नहीं, क्योंकि गुलाब में कभी भी फल नहीं आता, जो सिर्फकहते हैं दान करते नहीं। दूसरी श्रेणी में आम की तरह दानी आते हैं जो करते कम और अपने नाम का बखान ज्यादा करते हैं, क्योंकि आम में फल कम किन्तु फूल की मात्रा अधिक होती है। सबसे उत्तम दानी कटहल की तरह होते हैं, जो कहते नहीं, बल्कि स्वत: दान करते हैं। क्योंकि कटहल में कभी भी फूल नहीं आता है सीधे फल आता है। कथा का बड़ी संख्या में स्थानीय भक्तगण द्वारा श्रवण किया जा रहा है।

देश में लाखों लोगों को कोरोना का टीका लग चुका है, बावजूद इसके बंगाल के फ्रंटलाइन वॉरियर भ्रमजाल में फंसे

कोलकाता । कोरोना महामारी को लेकर पूरा विश्व परेशान था और लोगों को इस बीमारी से बचने के लिए टीके का बेसब्री से इंतजार था। आज भी कई देश टीके के लिए परेशान हैं, लेकिन हमारे लिए अच्छी बात यह रही कि देश में एक साथ दो-दो टीके को मंजूरी मिली। सरकार ने पहले कोरोना महामारी से लड़ने में पहली पंक्ति में खड़े योद्धाओं यानी डॉक्टर, नर्स और अन्य स्वास्थ्यकर्मियों को टीका लगाने की घोषणा की और उसके अनुसार देश में विश्व का सबसे बड़ा टीकाकरण अभियान शुरू हो गया।

हालांकि इसे लेकर कुछ कुछ राजनेताओं ने लोगों में भ्रम फैलाने की कोशिश की। लगता है कि बंगाल में अब तक स्वास्थ्य क्षेत्र से जुड़े कई डॉक्टर, नर्स और अन्य स्वास्थ्यकर्मी उस भ्रम के जाल में फंसे हुए हैं और टीकाकरण को लेकर उदासीनता दिखा रहे हैं। इसी का नतीजा है कि अब केंद्र की ओर से बंगाल सरकार को साफ कह दिया गया है कि 20 फरवरी तक कोरोना का टीकाकरण कार्यक्रम पूरा करना होगा, क्योंकि यह तथ्य सामने आया है कि नौ फरवरी तक सूबे के महज 50 फीसद चिकित्सकों और स्वास्थ्यकर्मियों ने ही टीका लगवाया है। अभी भी राज्य के तीन लाख से अधिक डॉक्टरों, नर्सो व स्वास्थ्यकर्मियों ने कोरोना का टीका नहीं लगवाया है।

देश में लाखों लोगों को कोरोना का टीका लग चुका है, बावजूद इसके बंगाल के फ्रंटलाइन वॉरियर भ्रमजाल में फंसे हुए हैं। इसी के मद्देनजर केंद्र सरकार ने साफ कहा है कि 20 फरवरी तक अगर वे टीका नहीं लगवाएंगे तो उनके नाम अगली सूची में डाल दिए जाएंगे। अगली सूची में 50 वर्ष से अधिक उम्र के लोग व 50 के नीचे विभिन्न बीमारियों वाले लोग शामिल हैं। जो डॉक्टर व स्वास्थ्यकर्मी इसके दायरे में नहीं आएंगे, उन्हें आने वाले समय में बाजार से खुद कोरोना का टीका खरीदकर लगवाना पड़ सकता है।

राज्य के स्वास्थ्य अधिकारी डॉ अजय चक्रवर्ती का कहना है कि 679 जगहों पर एक दिन में 26,310 चिकित्सकों व स्वास्थ्यकमयों के लिए कोरोना का टीका लगवाने की व्यवस्था है। अब तक 3,82,006 डॉक्टरों व स्वास्थ्यकर्मियों को कोरोना का टीका लगाया गया है। टीका लगवाने को लेकर डॉक्टरों व स्वास्थ्यकर्मियों को वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। बावजूद इसके उदासीनता बरती जा रही है। उन्हें समझाना होगा कि अगर वे 20 फरवरी तक टीका नहीं लगवाते हैं तो बचे हुए योद्धाओं के लिए अपने स्तर पर टीका लगवाना मुश्किल भरा हो सकता है।

राजस्थान के डूंगरपुर में युवक को बंधक बनाकर महिलाओं के कपड़े पहनाए, बनाया वीडियो

उदयपुर । डूंगरपुर जिले के रामगढ़ गांव के एक युवक का अपहरण कर तीन दिन तक बंधक बनाए रखा और सिर मूंडने के साथ उसे महिलाओं के कपड़े पहनाकर प्रताड़ित किया। तीन महीने पहले की इस घटना का वीडियो वायरल हुआ तो पुलिस ने कार्रवाई करते हुए दंपती को गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस ने जांच शुरू की तो पता चला कि जिन लोगों ने युवक का अपहरण कर प्रताड़ित किया, उसका बड़ा भाई आरोपियों के परिवार की एक विवाहिता को भगाकर ले गया था। विवाहिता के पति एवं उसके परिजन युवक को उसके गांव से उठाकर ले गए तथा इंटालीखेड़ा ले गए। जहां तीन दिन तक उसे बंधक बनाकर रखा गया तथा गांव के लोगों के सामने उसे निर्वस्त्र कर सिर मूंडने के बाद उसे महिलाओं के कपड़े पहनाकर रखा गया। इस बीच उसे रस्सियों से बांधकर रखा गया तथा प्रताड़ित किया गया।

प्रताड़ना करने वालों में अंबालाल और उसके परिजन शामिल थे। अंबालाल वही व्यक्ति है, जिसकी पत्नी को अपहत युवक का बड़ा भाई 28 सितम्बर 2020 को भगाकर ले गया था। युवक ने बताया कि उसे ब्लैकमेल कर अपहर्ताओं ने उसके परिवार से 2 लाख 80 हजार रुपए भी वसूल लिए।

तीन महीने पहले हुई इस घटना को लेकर पीड़ित परिवार ने मामला दर्ज नहीं कराया लेकिन अब घटनाक्रम का वीडियो वायरल होने पर मामला थाने तक पहुंचा। दोवड़ा पुलिस ने युवक का अपहरण कर उसे प्रताड़ित किए जाने पर ईटालीपाल निवासी भूरा, उसकी पत्नी गंगा, बेटे पप्पू, करण, सुनील और अंबालाल के अलावा उसके भाई नाथू और भतीजे रमा के खिलाफ मामला दर्ज करते हुए मुख्य आरोपी भूरा और उसकी पत्नी गंगा को गिरफ्तार कर लिया। दोवड़ा थानाधिकारी बंसीलाल पाटीदार का कहना है कि अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी जल्द कर ली जाएगी।

पिछले एक साल से 588 मामलों की सीबीआइ जांच लंबित, सरकार ने राज्यसभा में दी जानकारी

नई दिल्ली । केंद्र सरकार ने राज्यसभा में गुरुवार को जानकारी दी है कि पिछले एक साल से केंद्रीय जांच ब्यूरो द्वारा 588 नियमित मामलों (आरसी) की जांच लंबित है। यह आंकड़ा 31 दिसंबर, 2020 तक का है। 31 दिसंबर, 2019 तक यह आंकड़ा 711 था। कार्मिक राज्य मंत्री जितेंद्र सिंह ने राज्यसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में यह जानकारी दी। 2020 में राजनीतिक व्यक्तियों के खिलाफ छह ऐसे मामले थे। इसमें कहा गया कि केंद्रीय जांच ब्यूरो लोक सेवकों, फर्मों, बैंकों, निजी व्यक्तियों के खिलाफ जटिल और स्वैच्छिक मामलों की जांच करता है, जो कई बार बहुत पुराने लेनदेन या घटनाओं से संबंधित होते हैं।

कार्मिक राज्य मंत्री जितेंद्र सिंह ने राज्यसभा में बताया कि इनमें से कई मामलों में कई राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में फैली जांच शामिल होती हैं। इसके अलावा, विशेषज्ञ की राय के लिए काफी समय तक मामले लंबित रहते हैं। निष्पादन रिपोर्ट, म्यूचुअल लीगल असिस्टेंस ट्रीटी (एमएलएटी) आदि के कारम कई मामले ज्यादा समय तक लंबित रहे हैं। कोरोना महामारी के कारण पैदा हुई स्थिति ने भी मामलों की जांच की गति को प्रतिकूल रूप से प्रभावित किया है। सीबीआइ द्वारा इन मामलों को प्राथमिकता से निपटाने के लिए हर संभव प्रयास किया जाता है।

सीबीआइ में 1,374 पद खाली

कार्मिक राज्य मंत्री जितेंद्र सिंह ने राज्यसभा यह भी बता या कि सीबीआइ में 31 दिसंबर, 2020 तक 1,374 पद खाली थे। 7,273 स्वीकृत पदों में से 5,899 भर गए हैं। कार्यकारी रैंक के 5,000 पदों में से 4,171 भरे गए। कानूनी और मंत्रिस्तरीय रैंकों के लिए क्रमशः 370 और 162 की स्वीकृत पदों के मुकाबले कुल क्षमता 284और 66 की थी। मंत्री पद के 1,671 पदों में से 1,353 भरे गए। जांच एजेंसी के साथ काम करने वाले कैंटीन के कर्मचारी की संख्या 25 थी, जबकि 70 पद स्वीकृत किए गए थे। समय-समय पर, सभी रैंकों में रिक्त पदों को शीघ्रता से भरने के लिए सक्रिय प्रयास किए जाते हैं।

मंत्री सारंग ने किया करोंद आरओबी का निरीक्षण, ब्रिज की हाइट बढ़ाने अधिकारियों को दिए आवश्यक दिशा निर्देश

भोपाल, (प्रसं)। प्रदेश के चिकित्सा शिक्षा मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने बुधवार को करोंद आरओबी के निर्माण कार्य का निरीक्षण किया। उन्होंने ब्रिज की हाइट बढ़ाने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। मंत्री श्री सारंग ने निरीक्षण के दौरान पाया कि मंडी की ओर से आने वाले रास्ते का गेट ब्रिज के ठीक सामने आ रहा है। इसके कारण आने वाले समय में राहगीरों को असुविधा का सामना करना पड़ सकता है। इसके मद्देनजर मंत्री श्री सारंग ने ब्रिज की हाइट बढ़ाने के निर्देश दिए।

आंख का इलाज होने पर मंत्री का धन्यवाद देने पहुंचे बच्चे

मंत्री सारंग ने की थी भूमिका के इलाज की पहल

भोपाल । चिकित्सा शिक्षा मंत्री विश्वास कैलाश सारंग की विशेष पहल पर नन्हीं बालिका भूमिका की आंख का सफल ऑपरेशन हो गया है। बुधवार को बड़ी संख्या में भूमिका के मित्र मंत्री विश्वास सारंग के निवास पर धन्यवाद देने पहुंचे और अपनी खुशी जाहिर की। भूमिका की आंख में बचपन से ही मोतियाबिंद था। मंत्री श्री सारंग से कुछ दिन पहले भूमिका और उनके परिजन ने एक संस्था के माध्यम से भेंट की थी। श्री सारंग ने सहृदयता दिखाते हुए तुरंत चिकित्सकों से चर्चा की और उसका इलाज करने को कहा। मंगलवार को भूमिका का एक आंख का सफल ऑपरेशन हो गया है। भूमिका के साथ रहने और खेलने वाले बच्चों को जैसे ही पता चला की अब भूमिका आम बच्चों की तरह उनके साथ बिना किसी रूकावट के खेल सकेगी, वैसे ही बच्चों में खुशी की लहर दौड़ पड़ी और उन्होंने मंत्री के निवास पर पहुंचकर श्री सारंग को पुष्प देकर अपनी खुशी जाहिर की। जल्द ही भूमिका की दूसरी आंख का ऑपरेशन भी होने जा रहा है।

सड़क सुरक्षा जीवन रक्षा जन जागरुकता अभियान एनएचएआइ का सराहनीय कदम

भोपाल। प्रदेश में सड़क सुरक्षा के बारे में जागरूकता पैदा करने और सड़क दुर्घटनाओं को कम करने के उद्देश्य से सड़क सुरक्षा जीवन रक्षा, संकल्प के साथ व्यापक स्तर पर जन जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआइ), क्षेत्रीय कार्यालय भोपाल द्वारा 18 जनवरी से 17 फरवरी 2021 तक आयोजित सड़क सुरक्षा माह के तहत विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें वाहन रैली, सुरक्षा रथ और नुक्कड़ नाटक मंचन के अनूठे प्रयास किए जा रहे हैं। सड़क सुरक्षा के कार्यों को युवाओं से जोड़ने के लिए नुक्कड़ नाटक एक बहुत अच्छा माध्यम बन गया है और जनता इसमें रूचि दिखा रही है। लोगों को इस अभियान से जोड़ने की एनएचएआइ की इस पहल की चौतरफा सराहना भी हो रही है।

सड़क सुरक्षा के साथ कोरोना से बचाव का दिया संदेश: एनएचएआइ, क्षेत्रीय कार्यालय भोपाल, सामान्य नागरिकों को यातायात के नियमों से अवगत करा रहा है। इस अभियान के माध्यम से यातायात दुर्घटनाओं के साथ ही कोरोना संक्रमण से बचाव के लिए भी लोगों का जागरूक किया जा रहा है। लोगों को बताया जा रहा है कि सड़क पर चलते समय हमें क्या-क्या सावधानियां रखनी चाहिये, साथ ही उनसे सड़क सुरक्षा पर कुछ प्रश्न पूछ कर उनको उपहार स्वरूप एन-95 मास्क भी वितरित किया जा रहा है। इस कार्यक्रम का शुभारम्भ क्षेत्रीय अधिकारी विवेक जायसवाल, सड़क सुरक्षा अधिकारी आरके गुप्ता, परियोजना निदेशक एमएल पुर्बिया, क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी संजय तिवारी एवं उप क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी अल्पा खान द्वारा सुरक्षा रथ को फ्लैग ऑफकर किया गया।

श्री जायसवाल का कहना है कि इस राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह का आयोजन इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि हमारे देश में जितने सड़क हादसे हो रहे हैं उससे जाना और माल दोनों का नुकसान हो रहा है, जो कि गंभीर चिंता का विषय है। कोरोना महामारी से 1.5 लाख से अधिक लोगों की जान गई है, लेकिन आज भी सड़क हादसों की वजह से इससे ज्यादा लोगों की जान जा रही है। देश की अर्थव्यवस्था में जीडीपी के 3 प्रतिशत का नुकसान हर वर्ष हो रहा है। ये हम सभी के लिए कोई सामान्य चुनौती नहीं है। सड़क सुरक्षा माह के माध्यम से दुर्घटना संभावित क्षेत्रों में किये गये कार्यों को बताया गया, जिसके माध्यम से न केवल संभावित दुर्घटनाओं को रोकने में बल्कि कई लोगों की जान बचाने में सफलता मिली।

पैरोल पर छूटकर भागे आरोपित को पुलिस ने धर दबोचा, पूर्व विधायक सहित परिवार के 8 सदस्यों के सामूहिक हत्याकांड का है दोषी

अहमदाबाद । 46 एकड़ जमीन की खातिर हिसार बरवाला के पूर्व विधायक तथा उनके परिवार के 8 सदस्यों के सामूहिक हत्याकांड के आरोप में अंबाला स्पेशल टास्क फोर्स तथा मेरठ पुलिस ने गुजरात के अमरेली में साधू के वेश में छिपे संजीव उर्फ ओम आनंदगिरी की धरपकड़ की है। संजीव ने अपनी पत्नी सोनिया के साथ मिलकर अपने ससुर तथा उनके परिवार के सदस्यों की 2001 में हत्या कर दी थी।

23 अगस्त 2001 में एक फार्म हाउस पर की थी हत्या -सामूहिक हत्याकांड का आरोपी संजीव उर्फ ओम आनंदगिरी अमरेली के राजुला में छतलिया आश्रम बनाकर रह रहा था। हिसार बरवाला के पूर्व विधायक रेलुराम पूनिया व सात अन्य परिवार के सदस्यों की संजीव ने अपनी पत्नी सोनिया के साथ मिलकर 23 अगस्त 2001 में एक फार्म हाउस पर हत्या कर दी थी। सोनिया के जन्मदिन पर इन सभी परिजनों को फार्महाउस पर बुलाकर सोनिया व संजीव ने पहले उन्हें नशीला पदार्थ खिलाकर बेहोश कर दिया तथा बाद में एक एक को सिर में सरियों से वार कर मौत की नींद सुला दिया। हत्यारों ने इस दौरान जोरदार आतिशबाजी की ताकि इस भयानक हत्याकांड की किसी को भनक तक नहीं लगे।

हत्या के आरोप में दोनों को स्थानीय अदालत ने फांसी की सजा सुनाई थी, जिसे बाद में आजीवन कैद में बदल दिया गया था लेकिन जून 2018 में पैरोल पर छूटकर संजीव वहां से भाग कर गुजरात आ गया। अंबाला स्पेशल टास्क फोर्स तथा मेरठ पुलिस ने उसे मेरठ हाइवे पर दबोचा, बाद में पूछताछ में पता चला कि वह गुजरात के आश्रम में साधु के वेश में छिपा था। राजुला के आश्रम के महंत का 5 साल पहले निधन हो गया था, पंजाब में उनके गुरुभाई ईश्वरानंद के माध्यम से संजीव यहां पहुंचा था। अमरेली के राजुला गांव के छतलिया आश्रम में साधु के वेश में छिपा रहा। 23 फरवरी 2020 को संजीव उर्फ आनंदगिरी ने यहां कृषि महोत्सव का भी आयोजन किया जिसमें गुजरात राज्यपाल तथा कई साधु-संतों को भी आमंत्रित किया।

आरोपी की थी ससुर की 46 एकड़ जमीन पर नजर

संजीव की अपने ससुर रेलुराम की 46 एकड़ जमीन पर नजर थी। उसकी पत्नी सोनिया को आशंका थी कि पिता अपनी संपत्ति व जमीन अपनी पहली पत्नी के पुत्र सुनील के नाम कर देंगे। इसीलिए उसने पति के साथ मिलकर अगस्त 2001 में पिता रेलुराम पूनिया 50, माता कृष्णा देवी 41, भाई सुनील, बहन प्रियंका, भाभी शकुंतला सहित 3 अन्य बच्चों की हत्या कर दी थी। रेलुराम वर्ष 1996 में बरवाला सीट पर निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में चुनाव जीते थे।

बंद कमरों में दावेदारी, सब ने कहा मैं हूं जीतने वाला प्रत्याशी, नगर निगम चुनाव के लिए दावेदारों से मिल रहे पर्यवेक्षक

भोपाल (आरएनएन)। नगर निगम चुनाव को लेकर कांग्रेस से संभावित उम्मीदारों ने अपनी दावेदारी पेश कर दी है। बुधवार को नरेला और दक्षिण-पश्चिम विधानसभा के वार्डों के लिए दावेदारों ने बंद कमरों में चुनाव प्रभारियों से मुलाकात की। जहां सुबह नरेला विधानसभा क्षेत्र के पार्षद दावेदारों ने करीब दो घंटे अपनी-अपनी दावेदारी पेश की। वहीं दोपहर में पीसीसी में दक्षिण-पश्चिम के दावेदारों ने अपने वायोडाटा चुनाव प्रभारी को दिए।

दावेदारों ने बायोडाटा चुनाव प्रभारी को दिए

जिला कांग्रेस अध्यक्ष कैलाश मिश्रा ने बताया कि नरेला विधानसभा के वार्डों के लिए रेलवे इंस्टीट्यूट चांदबढ़ में नगर निगम चुनाव प्रभारी लखन घनघोरिया और सह प्रभारी शारदा पाठक ने दावेदारों से बंद कमरे में चर्चा की और आवेदन लिए। वहीं दोपहर में पीसीसी कार्यालय में दक्षिण-पश्चिम के वार्डों के लिए दावेदारों से चर्चा की। नरेला से करीब 250 दावेदारों ने आवेदन किए, जबकि दक्षिण-पश्चिम के लिए 150 आवेदन आए हैं। अब गुरूवार को ढ़ाई बजे दुर्गा मंदिर एम्स रोड पर गोविंदपुरा विधानसभा के वार्डों के लिए आवेदन लिए जाएंगे। जबकि 12 बजे नगर निगम चुनाव प्रभारी लखन घनघोरिया और सह प्रभारी शारदा पाठक जिला कांग्रेस कमेटी रोशनपुरा में शहर के सभी कांग्रेसियों से चुनाव को लेकर चर्चा करेंगे।

जम्मू में अंतर्राष्ट्रीय सीमा के पास एक तालाब में किसान कटी हुई सब्जियों को धोते हुए।

गहना वशिष्ठ

पोर्न वीडियो केस: एक्टर्स से किया गया था वेब सीरीज में रोल देने का वादा

पोर्न वीडियो शूट करने और उसे अपलोड करने के आरोप में गिरफ्तार हुईं टीवी एक्ट्रेस गहना वशिष्ठ फिलहाल 10 फरवरी तक हिरासत में हैं। क्राइम ब्रांच की प्रॉपर्टी सेल की हिरासत में मौजूद गहना वशिष्ठ और उनके रैकेट को बीते साल मड आइलैंड में स्थित एक बंगले में रेड के दौरान अरेस्ट किया गया था। गहना वशिष्ठ का असली नाम बहुत कम लोग जानते हैं। उनका असली नाम वंदना तिवारी है। मिडडे की रिपोर्ट में पुलिस के हवाले से बताया है कि पोर्न वीडियो की शूटिंग के लिए एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में एंट्री के लिए प्रयास कर रहे कुछ एक्टर्स का भी शोषण किया गया।

इस मामले में शोषण का शिकार होने का दावा करने वाले तीन एक्टर्स का कहना है कि उन्हें बोल्ड सीन फिल्माने के लिए कहा गया था। यह काम उन्हें इस वादे के तहत दिया गया कि यदि वे ऐसा करते हैं तो फिर उन्हें वेब सीरीज में मौका दिया जाएगा। कहा जा रहा है कि एक्ट्रेस गहना के अलावा पुलिस ने प्रोड्यूसर डायरेक्टर रोवा खान, फोटोग्राफर मोनू शर्मा, एक्टर्स भानू ठाकुर, आरिश शेख और क्रिएटिव डायरेक्टर प्रतिभा नालावड़े को भी गिरफ्तार किया है। रिपोर्ट के मुताबिक पुलिस का कहना है कि इस पूरे रैकेट की सूत्रधार रोवा खान हैं।

पुलिस ने बताया है कि इनकी ओर से पोर्न वीडियो शूट करने के बाद उन्हें हॉटहिट ऐप के जरिए अपलोड किया जाता था। यही नहीं वीडियोज को अपलोड करने के लिए विदेशी आईपी एड्रेस का इस्तेमाल किया जाता था ताकि कोई समस्या न आए। भारत में पोर्नग्राफिक वीडियोज पर बैन है। पुलिस का कहना है कि उसे कुछ वेबसाइट्स पर गहना वशिष्ठ के पोर्न वीडियोज मिले हैं।

इसके अलावा कुछ और मॉडल्स हैं, जिन्होंने अपने पोर्न वीडियोज को वेबसाइट पर अपलोड किया है। इन्हें 2,000 रुपये की सबस्क्रिप्शन फीस को अदा करके देखा जा सकता है। पुलिस का कहना है कि हम इस बारे में सलाह ले रहे हैं कि इस तरह के पोर्न वीडियोज को शेयर करने पर मॉडल्स और एक्ट्रेसेज के खिलाफ ऐक्शन लिया जा सकता है या फिर नहीं।

बर्फ पर डांस करते हुए धड़ाम से गिरीं शहनाज गिल, वीडियो देख हंस-हंसकर हो जाएंगे लोटपोट

बिग बॉस 13' फेम शहनाज गिल ने हाल ही में कश्मीर में अपने अगले प्रोजेक्ट की शूटिंग खत्म की है और वह मुंबई वापस लौटी हैं। पर शहनाज गिल अपनी इस ट्रिप से उबर नहीं पा रही हैं। एक के बाद एक वीडियो शेयर कर रही हैं। लेटेस्ट वीडियो में शहनाज गिल बर्फ पर डांस करती नजर आ रही हैं, लेकिन इस दौरान वह धड़ाम से गिर जाती हैं, जिसका मजाक उड़ाते हुए शहनाज गिल ने वीडियो शेयर किया है।

फैन्स का मनोरंजन करने से शहनाज कभी पीछे नहीं हटती हैं। पारंपरिक कश्मीरी आउटफिट पहनकर शहनाज गिल बर्फ पर गोल-गोल घूमती दिखाई दे रही हैं। जैसे ही शहनाज गिरती हैं, प्रोडक्शन टीम के लोग उन्हें उठाने के लिए आते हैं। शहनाज खुद पर ही हंसने लगती हैं, क्योंकि वह कश्मीर की खूबसूरती देख दीवानी हो रही होती हैं।

शहनाज गिल ने इससे पहले प्रीति जिंटा और ऋतिक रोशन के सॉन्ग 'बुमरो' पर डांस करते हुए का भी एक वीडियो शेयर किया था, जिसे फैन्स ने काफी पंसद किया था। साथ ही वीडियो में शहनाज गिल ने कश्मीर की हसीन वादियों को भी दिखाया था। वीडियो शेयर करते हुए शहनाज ने लिखा था, जब आप कश्मीर में हों तो उनके तरह की चीजें करें। इस गाने पर मुझे डांस जरूर करना था, वह भी पृथ्वी के स्वर्ग, कश्मीर में।

शहनाज गिल ने वेलवेट कुर्ता और पिंक शॉल कैरी हुआ है। न्यूड मेकअप के साथ लिपस्टिक का लाइट शेड उनके लुक को पूरा कर रहा है। शहनाज गिल के इस वीडियो को फैन्स काफी पसंद कर रहे हैं। कोई उन्हें कश्मीर की कली कह रहा है तो कोई उन्हें कह रहा है, पंजाब की कैटरीना कैफ अब कश्मीर की कली बन चुकी हैं।

कंगना रनौत ने की मेरिल स्ट्रीप और गैल गडॉट से खुद की तुलना, शेयर किया ट्रांसफॉर्मेशन अलर्ट

बॉलीवुड एक्ट्रेस कंगना रनौत हमेशा से ही सुर्खियों में रही हैं। कभी सुशांत सिंह राजपूत की मौत के खुलासे करने को लेकर तो कभी किसान आंदोलन के बारे में अपनी प्रतिक्रिया के कारण। यहां तक कि तापसी पन्नू के साथ भी कंगना रनौत की जुबानी जंग सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बनी रहती है। हाल ही में कंगना रनौत ने ट्वीट कर खुद की तुलना हॉलीवुड एक्ट्रेस मेरिल स्ट्रीप और गैल गडॉट से कर डाली। इसके साथ ही उन्होंने खुद का एक ट्रांसफॉर्मेशन वीडियो शेयर किया जो फिल्म 'थलाइवी' और 'धाकड़' के लुक से जुड़ा है।

कंगना रनौत लिखती हैं, जिस तरह की रेंज मैं एक परफॉर्मर के रूप में अपने किरदारों में दिखाती हूं, वह इस पूरे विश्व में कोई एक्ट्रेस नहीं दिखा पाई है। मेरे अंदर टैंलेंट कूट-कूटकर भरा है जैसे मेरिल स्ट्रीप अपने किरदारों में परतें खोलती हैं। और हां, मेरे अंदर ग्लैमर और एक्शन भी भरा है, एकदम गैल गडॉट जैसा। थलाइवी और धाकड़, यह है मेरा ट्रांसफॉर्मेशन अलर्ट।

मालूम हो कि उत्तर कर्नाटक के बेलागावी जिले में एक्ट्रेस कंगना रनौत के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई गई है। बेलागावी के वकील हर्षवर्धन पाटिल ने शिकायत दर्ज कराते कंगना पर आरोप लगाया कि उन्होंने ट्वीट कर आंदोलन कर रहे किसानों को आतंकवादी बताया है। ऐसे में उन्होंने समुदाय के बीच द्वेष पैदा करने का प्रयास किया है।

हिन्दुस्तान टाइम्स से बातचीत में बेलागावी पुलिस कमिश्नर के थियागराजन ने इस खबर की पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि शिकायत दर्ज कर ली गई है। अभी तक एफआईआर दर्ज नहीं हुई है। कमिश्नर ने कहा कि हम शिकायत के आधार पर आगे की कार्रवाई करेंगे।

कंगना ने किया था यह ट्वीट

कंगना रनौत ने पिछले साल 21 सितंबर को ट्वीट किया था, जिसमें लिखा था, लोगों ने सीएए के बारे में गलत सूचना और अफवाह फैलाई, जिसके कारण दंगा हुआ और अब वही लोग किसान बिल के बारे में गलत सूचना फैला रहे हैं और देश में आतंक पैदा कर रहे हैं, वे आतंकवादी हैं।

अंकिता लोखंडे

ने किया ब्वॉयफ्रेंड विक्की जैन से प्यार का इजहार, वीडियो देख सुशांत के फैन्स हुए उदास

टीवी और बॉलीवुड एक्ट्रेस अंकिता लोखंडे सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। अब क्योंकि वैलेंटाइन्स वीक चल रहा है तो इस मौके पर अंकिता ने ब्वॉयफ्रेंड विक्की जैन को सोशल मीडिया प्लैटफॉर्म पर प्रपोज किया है। उन्होंने खुद का एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें वह डांस करती नजर आ रही हैं। इसके साथ ही उन्होंने जो कैप्शन लिखा है, उसमें विक्की जैन को प्रपोज किया है।

विक्की संग अपने प्यार का इजहार करते हुए अंकिता लोखंडे ने लिखा, किसी का तो होगा ही तू, क्यों न तुझे मैं ही जीतूं, विक्की जैन। हैप्पी प्रपोज डे। इसके साथ ही अंकिता ने लाल रंग के गुलाब की इमोजी भी बनाई है। अंकिता ने तो अपने प्यार का इजहार कर दिया, लेकिन लगता है कि सुशांत सिंह राजपूत के फैन्स को यह बात पसंद नहीं आई।

सुशांत के फैन्स का कहना है कि अंकिता अपनी जिंदगी में व्यस्त हो चुकी हैं और सुशांत की मौत के पीछे की वजह जानने की भी कोशिश बंद कर दी है। सुशांत के फैन्स अक्सर अंकिता को सोशल मीडिया पर ट्रोल करते हैं। कॉमेंट्स सेक्शन में अपनी निराशा जाहिर करते रहते हैं। इससे पहले अंकिता लोखंडे को सुशांत के फैन्स ने उनकी बर्थडे पार्टी को लेकर ट्रोल किया था।

बता दें कि अंकिता और सुशांत करीब छह साल तक साथ रहे। दोनों की पहली मुलाकात सीरियल 'पवित्र रिश्ता' के दौरान हुई थी। तभी से दोनों रिलेशनशिप में आए। सुशांत सिंह राजपूत की मौत के बाद वह उनके परिवार संग खड़ी हुई थीं। खुलकर अपनी बातें सोशल मीडिया पर रखती थीं, लेकिन सुशांत के फैन्स का कहना है कि अब वह सब खत्म हो चुका है।

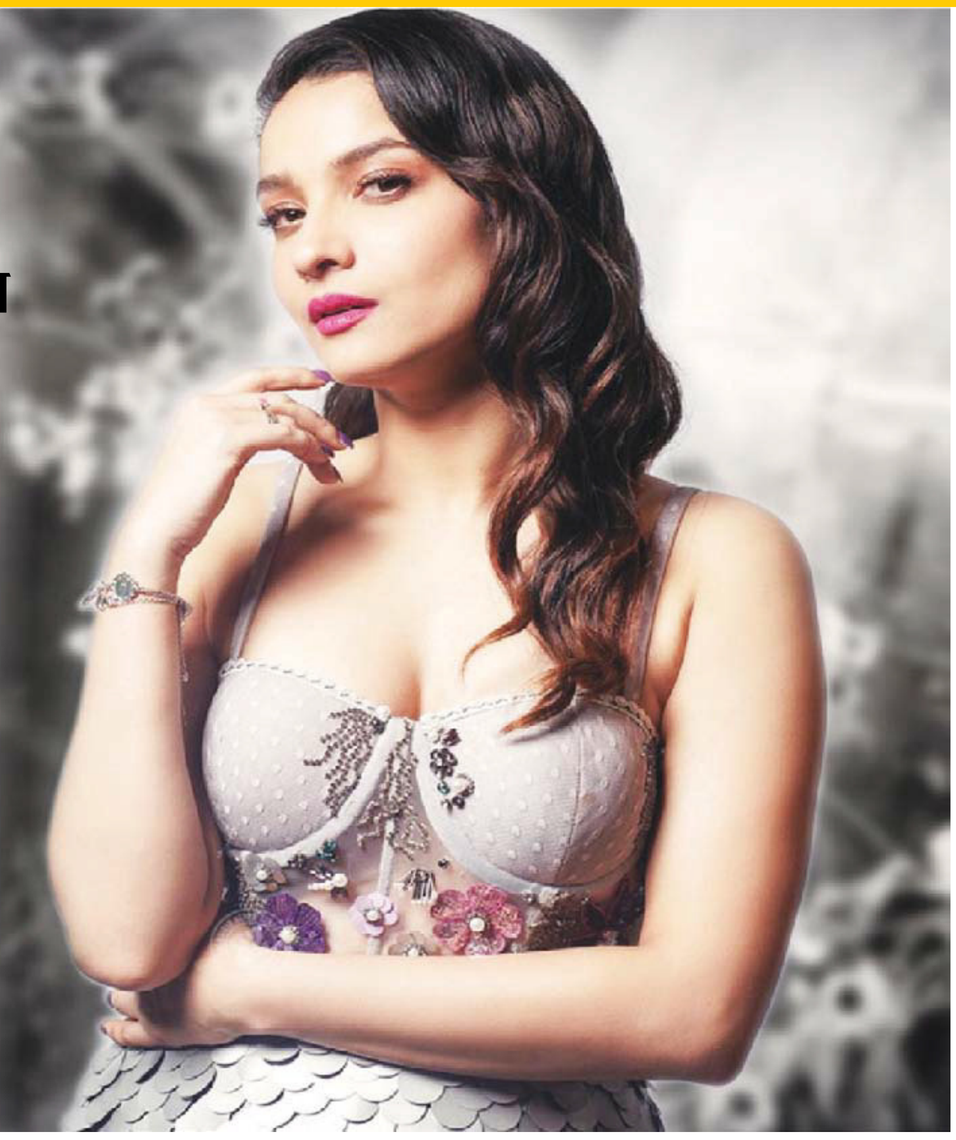

रहाणे विदेश में हीरो, भारत में जीरो-भारतीय पिचों पर रहाणे का बैटिंग एवरेज रवींद्र जडेजा से कमजोर, पुजारा भी इनसे तेज खेलते हैं

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड और न्यूजीलैंड की मुश्किल परिस्थितियों में जिन बल्लेबाजों से टीम इंडिया को अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद होती है, उनमें अजिंक्य रहाणे का नाम काफी ऊपर आता है। वे कई बार इस भरोसे पर खरे भी उतरे हैं। मेलबर्न में दो शतक के अलावा लॉर्ड्स, वेलिंग्टन और किंग्सटन में खेली शतकीय पारियां इस बात की तस्दीक करती हैं कि फास्ट, स्विंग और बाउंसी कंडीशंस के लिए रहाणे की तकनीक बेहतरीन है, लेकिन इसका एक दूसरा पहलू भी है। रहाणे भारतीय पिचों पर स्ट्रगल करते रहे हैं। भारत में 28 टेस्ट मैच खेल कर वे सिर्फ 1494 रन बना सके हैं। एवरेज

महज 37.35 है, जो कि ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा के बैटिंग ए?वरेज (38.90) से भी कमजोर है। टेस्ट क्रिकेट में 37 से ऊपर का औसत खराब नहीं कहा जा सकता है, लेकिन समकालीन भारतीय बल्लेबाजों से तुलना करें तो भारतीय पिचों पर रहाणे की बैटिंग काफी कमजोर नजर आती है। टेस्ट क्रिकेट में टीम इंडिया के कप्तान विराट कोहली ने घरेलू मैदानों पर 67.42 के ए?वरेज से, चेतेश्वर पुजारा ने 59.31 और रोहित शर्मा ने 79 के एवरेज से रन बनाए हैं। लोकेश राहुल (44.25), ऋषभ पंत (71.50), रवींद्र जडेजा (38.90) का एवरेज भी रहाणे से बेहतर है। रविचंद्रन अश्विन भी 28.60 के बैटिंग एवरेज के साथ रहाणे को चुनौती देते नजर आते हैं।

घरेलू पिचों पर रहाणे के कमजोर प्रदर्शन के पीछे स्पिन गेंदबाजों को ठीक से न खेल पाना बड़ा कारण साबित हुआ है। रहाणे ने भारत में 28 टेस्ट मैचों में 44 पारी खेली है। इनमें वे 40 बार आउट हुए हैं। 28 बार उनका विकेट स्पिनर्स ने लिया है। वहीं, 12 बार वे तेज गेंदबाजों का शिकार बने। भारत में रहाणे को दाएं हाथ के स्पिनर्स ने 16 बार और बाएं हाथ के स्पिनर्स ने 12 बार आउट किया है। यानी घरेलू पिचों पर रहाणे 70त्न मौकों पर स्पिनर्स का शिकार बने हैं। इसके उलट घरेलू पिचों पर विराट कोहली 51त्न और चेतेश्वर पुजारा 50त्न मौकों पर ही स्पिनर्स का शिकार बने हैं।चेतेश्वर पुजारा को टीम इंडिया की दीवार कहा जाता है। कारण यह है कि वे टिक कर खेलते हैं और स्ट्राइक रेट की ज्यादा परवाह नहीं करते। इसके बावजूद भारतीय पिचों पर चेतेश्वर पुजारा का स्ट्राइक रेट रहाणे से बेहतर है। पुजारा ने भारत में 50.56 के स्ट्राइक रेट से रन बनाए हैं। रहाणे का स्ट्राइक रेट महज 49 का है। विराट ने 60.76 और रोहित ने 69.19 के स्ट्राइक रेट से रन बनाए हैं।

अकरम बनना चाहते थे नदीम-कोच ने उन्हें बिशन सिंह बेदी की तरह स्पिनर बनाया, पिता को भी विश्वास नहीं था बेटा क्रिकेटर बनेगा

नई दिल्ली। टीम इंडिया को इंग्लैंड के खिलाफ चेन्नई टेस्ट में 227 रन से शिकस्त झेलनी पड़ी। भारतीय टीम 4 टेस्ट की सीरीज में 0-1 से पिछड़ गई। इस मैच के लिए भारत की प्लेइंग इलेवन में अक्षर पटेल और कुलदीप यादव को नजरअंदाज करते हुए शाहबाज नदीम को जगह दी गई थी। यह लेफ्ट-ऑर्म स्पिनर नदीम के करियर का दूसरा टेस्ट था, जिसमें उन्होंने 4 विकेट लिए। नदीम के पिता जावेद महमूद ने भास्कर को बताया कि यह स्पिनर बचपन में पूर्व पाकिस्तानी तेज गेंदबाज वसीम अकरम की तरह पेसर बनना चाहता था। हालांकि, कोच इम्तियाज हुसैन ने उनकी कदकाठी को देखते हुए स्पिनर बनाया।

महमूद ने कहा, 'मैं बड़े बेटे अशहद इकबाल को क्रिकेटर बनाना चाहता था। वह क्रिकेट अच्छा खेलता था। मैं चाहता था कि छोटा बेटा नदीम पढ़ाई करे। मुझे उम्मीद नहीं थी कि नदीम बेहतर खिलाड़ी बन सकता है। मैं दोनों बेटों को इम्तियाज के पास लेकर गया। तब 12 साल के नदीम बाएं हाथ से तेज गेंदबाजी करते थे। वे पूर्व पाकिस्तानी तेज गेंदबाज वसीम अकरम की तरह ही बनाना चाहते थे। जबकि इकबाल बल्लेबाज के साथ ऑफ स्पिनर थे। ट्रायल के बाद कोच ने नदीम की कदकाठी देखकर तेज गेंदबाजी छोड़कर स्पिन की सलाह दी थी।

कोच इम्तियाज ने भास्कर से कहा, 'नदीम की हाइट देखकर मैंने उनके पिता से कहा था कि वह फास्ट बॉलर नहीं बन सकता। मैंने उसकी उंगलियां देखीं। मुझे लगा कि वह स्पिनर अच्छा बन सकता है। नदीम बांए हाथ से गेंदबाजी करते थे, इसलिए मैंने उन्हें बिशन सिंह बेदी की तरह लेफ्ट आर्म स्पिनर बनाने की ठान ली। दोनों भाई काफी मेहनत करते थे।' पिता ने कहा, 'बड़ा बेटा इकबाल अंडर-16 और अंडर-19 में बिहार का प्रतिनिधित्व कर चुका है। बिहार की अंडर-16 टीम के ट्रायल के लिए नदीम ने भी काफी जिद की थी। तब मैंने दोनों बेटों को भेज दिया। मुझे नदीम के चयन की उम्मीद नहीं थी। तब वह 13 साल का था, लेकिन उसका बतौर रिजर्व प्लेयर सिलेक्शन हो गया। इकबाल को बिहार टीम का कप्तान बनाया गया था। नदीम को एक मैच खेलने का मौका मिला, जिसमें उसने बेहतर प्रदर्शन किया और उसका बिहार की अंडर-14 टीम के लिए भी चयन हो गया। अंडर-14 खेलने के दौरान बंगाल में क्चष्टष्ठ के टैलेंट सर्च अधिकारी की उस पर नजर पड़ी।

ऑस्ट्रेलियन ओपन में बदलाव: पहली बार लाइन जज का इस्तेमाल नहीं, फॉल्ट बताने लाइव इलेक्ट्रॉनिक कॉल का प्रयोग हो रहा है

मेलबर्न। पहली बार लाइन जज का इस्तेमाल नहीं हो रहा है। टेनिस ऑस्ट्रेलिया ने कोविड-19 के कारण ऐसा किया है, ताकि कोर्ट पर कर्मचारियों की संख्या कम रहे। इस बार कोर्ट पर खिलाड़ियों के अलावा चेयर अंपायर और बॉल बॉय-बॉल गर्ल नजर आ रहे हैं। लाइन जज का काम खिलाड़ी के फॉल्ट या गलती बताना होता है। उनका काम चेयर अंपायर की मदद करना होता है। ये अंपायर आउट होने या कोई फॉल्ट होने पर तेजी से बोलकर या हाथ उठाकर बताते हैं।

इसके लिए इस बार इलेक्ट्रॉनिक लाइन कॉल का इस्तेमाल किया जा रहा है। मैचों के दौरान आउट, फुट फॉल्ट, गलती के लिए पहले से रिकॉर्ड की गई आवाज का इस्तेमाल किया जा रहा है। लाइव इलेक्ट्रॉनिक लाइन कॉलिंग को कोर्ट के चारों ओर रिमोट ट्रैकिंग कैमरों के माध्यम से लागू किया गया। इसमें ऑटोमेटिक कैमरे की मदद से रियल टाइम में ऑडियो लाइन कॉल भेजे जा रहे हैं। लाइन के पास से जुड़े फैसलों के लिए सेंसर और लेजर टेक्नोलॉजी की मदद ली जा रही है। कोर्ट के अलग-अलग हिस्से में कैमरे लगाए गए हैं। ये रियल टाइम फोटो भेजते हैं और फैसले लेने में अंपायर की मदद करते हैं।

विनस विलियम्स ने चोट के बाद भी पूरा मुकाबला खेला

साल के पहले टेनिस ग्रैंड स्लैम ऑस्ट्रेलियन ओपन का तीसरा दिन उलटफेर भरा रहा। बुधवार को महिला-पुरुष सिंगल्स दोनों में चार पूर्व ग्रैंड स्लैम चैंपियन को हार का सामना करना पड़ा। 2019 की यूएस ओपन चैम्पियन बियांका आंद्रेस्कू को गैरवरीय सेह सू वेई ने 6-3, 6-

2 से हराया। आठवीं सीड कनाडा की आंद्रेस्कू ने 2019 के बाद कोर्ट पर वापसी की थी। वहीं, दो बार की विंबलडन चैम्पियन पेत्रा क्वितोवा को तीन सेट में हार का सामना करना पड़ा। नौवीं सीड चेक रिपब्लिक की क्वितोवा को रोमानिया की सोराना क्रिस्टिया ने 6-4, 1-6, 6-1 से हराया। इस बीच, 5 बार की विंबलडन और दो बार की यूएस ओपन चैम्पियन वीनस विलियम्स 75 मिनट में हार गईं। वीनस को सारा ईरानी ने 6-1, 6-0 से हराया। वीनस को कई बार पैर की चोट के कारण मेडिकल टाइमआउट लेना पड़ा। पुरुष सिंगल्स में तीन ग्रैंड स्लैम चैम्पियन स्टैन वावरिंका 5वें सेट में टाईब्रेकर में हारे। स्विट्जरलैंड के वावरिंका ऑस्ट्रेलियन ओपन, फ्रेंच ओपन, यूएस ओपन चैंपियन बन चुके हैं। 17वीं सीड वावरिंका को हंगरी के मार्टन फुस्कोविस ने 7-5, 6-1, 4-6, 2-6, 7-6 से हराया।

सात बार की चैम्पियन सेरेना और टॉप सीड जोकोविच तीसरे राउंड में

7 बार की चैम्पियन सेरेना विलियम्स ने सर्बिया की निना स्टोजानोविच को 6-3, 6-0 से हराकर तीसरे राउंड में जगह बना ली। दूसरी सीड सिमोना हालेप, तीसरी सीड नाओमी ओसाका, सातवीं सीड आर्यना सबालेंका भी अपने-अपने मुकाबले जीतकर तीसरे राउंड में पहुंच गईं। पुरुष सिंगल्स के डिफेंडिंग चैंपियन नोवाक जोकोविच चार सेट में जीतकर तीसरे राउंड में पहुंचे।

टॉप सीड सर्बिया के जोकोविच ने अमेरिका के फ्रांसिस तियाफो को 6-3, 6-7, 7-6, 6-3 से हराया। तीसरी सीड डॉमिनिक थिएम, छठी सीड एलेक्जेंडर ज्वेरेव, निक किर्गियोस, 11वीं सीड डेनिस शापोवालोव ने भी तीसरे राउंड में जगह बना ली।

इंडिया vs इंग्लैंड टेस्ट सीरीज

दूसरे मैच में आराम कर सकते हैं एंडरसन, कोच ने कहा- स्टुअर्ट ब्रॉड को मौका मिलना संभव

चेन्नई। इंग्लैंड के तेज गेंदबाज जेम्स एंडरसन भारत के खिलाफ दूसरे टेस्ट से बाहर हो सकते हैं। टीम के कोच क्रिस सिल्वरवुड ने इस बात के संकेत दिए हैं। एंडरसन ने पहले मैच में 5 विकेट लिए थे। इंग्लैंड ने चेन्नई मैच 227 रन से जीतकर 4 टेस्ट की सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली है। सीरीज का दूसरा टेस्ट भी चेन्नई में 13 फरवरी से खेला जाएगा। टीम मैनेजमेंट एंडरसन की जगह स्टुअर्ट ब्रॉड को मौका देने के मूड में है। हालांकि, एंडरसन मैनेजमेंट के इस बदलाव के फैसले पर कुछ भी कहने से बच रहे हैं।

विनिंग टीम में भी बदलाव हो सकता है

सिल्वरवुड ने कहा, 'मैं विनिंग टीम में बदलाव नहीं करने के पक्ष में नहीं हूं। यदि टीम और खिलाड़ियों के लिए अच्छा है, तो बदलाव होना चाहिए। हां, वे (एंडरसन) एक शानदार प्लेयर

हैं, लेकिन आपको बस इंतजार करते हुए देखना होगा कि क्या होता है।' एंडरसन को आराम देने के संकेत देते हुए कोच ने कहा, 'क्या यह मेरे दिमाग में (ब्रॉड और एंडरसन को एक साथ खिलाने) है? हां, यह दोनों ही बेहतरीन प्लेयर हैं, लेकिन यहां कई तरह के प्लान पर काम हो सकता है। हमें सभी खिलाड़ियों का ध्यान रखना है। हमारे पास ऐसे कई बॉलर हैं, जो किसी भी परिस्थिति में खेल सकते हैं। मैं बहुत खुशनसीब महसूस करता हूं कि मेरे पास इतने अच्छे प्रतिभावान खिलाड़ी हैं।'

स्पिनर मोइन अली को मौका मिल सकता है

पहले मैच से बाहर ऑलराउंडर मोइन अली को दूसरे मैच में मौका मिल सकता है। इस पर कोच ने कहा, 'हर तरह के प्रस्ताव और प्लान को टेबल पर रखा गया है। यदि हमें लगता है तो टीम में बदलाव किया जाएगा और इसके लिए हमारे पास कई विकल्प भी हैं। वे (मोइन) कड़ी मेहनत कर रहे हैं। उन्हें भी मौका मिल सकता है। वे एक मैच नहीं खेले, यह मैं स्वीकार करता हूं, लेकिन यह समय अलग है।'

जेम्स एंडरसन की गेंद पर सबसे ज्यादा डक के शिकार हुए हैं भारतीय बल्लेबाज, पाकिस्तान है दूसरे नंबर पर

नई दिल्ली। इंग्लैंड क्रिकेट टीम के तेज गेंदबाज जेम्स एंडरसन 38 साल की उम्र में भी धारदार गेंदबाजी कर रहे हैं। हालांकि वो इंग्लैंड के लिए टी20 या फिर वनडे क्रिकेट नहीं खेल रहे हैं, लेकिन टेस्ट क्रिकेट टीम का वो लगातार हिस्सा हैं और भारत के खिलाफ पहले टेस्ट मैच में चेन्नई में 5 विकेट भी लिए थे। एंडरसन टेस्ट क्रिकेट में बेहद सफल गेंदबाज हैं और वो सबसे ज्यादा विकेट लेने के मामले में चौथे स्थान पर हैं तो वहीं बतौर तेज गेंदबाज टेस्ट क्रिकेट में उनके नाम पर सबसे ज्यादा विकेट दर्ज है। एंडरसन के क्रिकेट करियर की बात करें तो उन्होंने अब तक 158 टेस्ट मैच में 611 विकेट लिए हैं तो वहीं 194 वनडे मैचों में उनके नाम पर 269 विकेट दर्ज हैं। इसके अलावा उन्होंने अपने करियर में कुल 19 टी20 इंटरनेशनल मैच खेले हैं जिसमें उन्होंने 18 विकेट लिए हैं। क्रिकेट के तीनों प्रारूपों में वो अब तक लगभग 900 विकेट ले चुके हैं। जेम्स एंडरसन के नाम पर वैसे तो कई रिकॉर्ड्स दर्ज हैं, लेकिन अपने क्रिकेट करियर में उन्होंने सबसे ज्यादा भारतीय खिलाड़ियों को डक यानी शून्य पर आउट करने में सफलता हासिल की है।

जेम्स एंडरसन ने अब तक अपने करियर में कुल 29 भारतीय खिलाड़ियों को शून्य पर आउट करने में सफल रहे हैं तो वहीं इस मामले में दूसरे नंबर पर पाकिस्तान क्रिकेट टीम है। एंडरसन ने पाकिस्तान के 25 खिलाड़ियों को डक पर आउट किया है जबकि साउथ अफ्रीका व वेस्टइंडीज के 21-21 खिलाड़ी उनकी गेंद पर शून्य पर आउट हुए हैं। ऑस्ट्रेलिया के 16 खिलाड़ी एंडरसन की गेंद पर शून्य पर आउट हुए हैं। एंडरसन ने अपने करियर में अब तक कुल 147 खिलाड़ियों को शून्य पर आउट करने में सफलता हासिल की है।

सुपर बॉल की टीवी व्यूअरशिप: 15 साल में सबसे कम, फिर भी इस साल का सबसे ज्यादा देखा जाने वाला इवेंट होगा

वाशिंगटन। अमेरिका में हुए सुपर बॉल को वहां टीवी पर 9.16 करोड़ लोगों ने देखा। तंपा बे बुकानियर्स ने कंसास सिटी चीफ्स को 31-9 से हराकर खिताब जीता था। इसकी टीवी व्यूअरशिप 15 साल में सबसे कम रही। 2006 में सुपर बॉल की व्यूअरशिप 9.07 करोड़ थी। इसके बावजूद एक्सपर्ट की मानें तो यह इस साल का सबसे ज्यादा

देखा जाने वाला इवेंट होगा। पिछले साल सुपर बॉल की व्यूअरशिप 10.13 करोड़ थी। यानी इस साल करीब 9फीसदी की गिरावट आई। एनएफएल के मैच भी इस सीजन पिछले सीजन की तुलना में 7 प्रतिशत कम लोगों ने देखे।नील्सन की रिपोर्ट के अनुसार इवेंट की टीवी रेटिंग सिर्फ 38.2 रही यानी देश के 38.2 प्रतिशत टीवी वाले घरों में ही मैच देखा गया, जो 1969 के बाद सबसे कम है।अमेरिका के ज्यादातर हिस्सों में काफी ठंड थी, जिसकी वजह से लोग घर में ही थे। फिर भी सुपर बॉल नहीं देखने वालों की संख्या में गिरावट आई। इसकी सबसे बड़ी वजह एकतरफा मुकाबला होना था। बुकानियर्स को 31-9 की बढ़त मिलने की वजह से मैच तीन क्वार्टर में ही समाप्त हो गया। साथ ही एनएफएल ने पिछले साल के मुकाबले 4000 कम मीडिया मेंबर को बुलाया था।

वर्ल्ड चैम्पियन हिमा दास बनीं डीएसपी

ट्रैक इवेंट में गोल्ड जीतने वाली पहली भारतीय एथलीट हैं हिमा, अर्जुन अवॉर्ड से सम्मानित हो चुकीं

नई दिल्ली। भारतीय स्टार धावक हिमा दास को डिप्टी सुपरिंटेंडेंट ऑफ पुलिस नियुक्त किया गया है। असम के मुख्यमंत्री सर्बानंद सोनोवाल की कैबिनेट ने यह फैसला किया। हिमा को 2018 में अर्जुन अवॉर्ड मिल चुका है।

राज्य सरकार के प्रवक्ता और इंडस्ट्री मिनिस्टर चंद्र मोहन पाटोवरी ने कहा कि सरकार ने स्पोर्ट्स कोटे से क्लास-1 और क्लास-2 के लिए कई अधिकारियों को नियुक्त किया है।

ट्रैक इवेंट में गोल्ड जीतने वाली देश की पहली एथलीट

हिमा ने 2018 में फिनलैंड में हुई अंडर-20 वर्ल्ड एथलेटिक्स चैम्पियनशिप की 400 मीटर रेस में गोल्ड जीता था। वे ट्रैक इवेंट में ऐसा करने वाली देश की पहली एथलीट बनीं थीं। उन्होंने 51.46 सेकेंड में यह रेस पूरी की थी। 20 साल की एथलीट हिमा दास का पिछले साल खेल रत्न के लिए नॉमिनेट किया था। हालांकि, उन्हें यह अवॉर्ड नहीं मिल सका था।

जकार्ता एशियन गेम्स में भी हिमा ने गोल्ड जीता था

हिमा ने 2018 के जकार्ता एशियन गेम्स के 4×400 मीटर

मिक्स्ड रिले में सिल्वर जीता था लेकिन गोल्ड जीतने वाली टीम पर डोपिंग की वजह से बैन लगने पर गोल्ड भारतीय टीम को मिला। वहीं, महिलाओं की 4×400 रिले रेस में भी उन्होंने स्वर्ण जीता।

2019 में भी उन्होंने कामयाबी का यह सिलसिला बरकरार रखा। एक महीने के भीतर ही हिमा ने अलग-अलग इंटरनेशनल इवेंट्स में 5 गोल्ड जीते थे।

2 जुलाई, 2019: हिमा ने पोलैंड में हुई पोजनन एथलेटिक्स ग्रां प्री के 200 मीटर इवेंट में 23.65 सेकेंड का समय निकालते हुए गोल्ड जीता।

7 जुलाई, 2019: 5 दिन बाद ही उन्होंने कुटनो एथलेटिक्स मीट के 200 मीटर इवेंट में गोल्ड जीता। हिमा ने यह रेस 23.97 सेकेंड में पूरी की।

13 जुलाई, 2019: इसके बाद उन्होंने चेक रिपब्लिक में हुई क्लाडनो एथलेटिक्स मीट के 200 मीटर इवेंट में भी गोल्ड जीता। इस बार उन्होंने 23.43 सेकेंड का समय निकालते हुए रेस जीती।

17 जुलाई, 2019: हिमा ने टेबोर एथलेटिक्स मीट में भी 200 मीटर रेस का गोल्ड जीता। उन्होंने 23.25 सेकेंड का वक्त निकाला।

20 जुलाई, 2019: उन्होंने चेक रिपब्लिक में हुई प्रतियोगिता के 400 मीटर इवेंट में 52.09 सेकंड का वक्त निकालते हुए गोल्ड जीता।

वसीम जाफर पर धार्मिक भेदभाव का आरोप: पूर्व क्रिकेटर ने कहा- नमाज के लिए ट्रेनिंग कैंप में मौलवियों को मैंने नहीं बुलाया

देहरादून। पूर्व भारतीय क्रिकेटर वसीम जाफर पर क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ उत्तराखंड के अधिकारियों ने धार्मिक भेदभाव का आरोप लगाया था। साथ ही आरोप लगाया कि उन्होंने बायो-बबल में ट्रेनिंग के दौरान कैंप में नमाज के लिए मौलवियों को भी बुलाया था। इन आरोपों को जाफर ने खारिज कर दिया है।

जाफर ने ही उत्तराखंड टीम के कोच पद से इस्तीफा दिया है। उन्हें बतौर फीस 55 लाख रुपए देकर एक साल के लिए कोच बनाया गया था। उनके रहते पिछले ही महीने घरेलू टूर्नामेंट सैयद मुश्ताक अली टी-20 टूर्नामेंट में उत्तराखंड टीम ने 5 में से 4 मैच हारे थे।

जाफर ने 'राम भक्त हनुमान की जय' स्लोगन भी बदलवाया

ष्ट के सचिव महिम वर्मा और सिलेक्शन कमेटी के चेयरमैन रिजवान शमशाद ने आरोप लगाया था कि जाफर ने कुणाल चंदिला की जगह इकबाल अब्दुल्ला को कप्तान बनाया। इकबाल को आगे बढ़ाने के लिए ऊपर बल्लेबाजी कराई, जबकि ओपनर चंदिला को मिडिल ऑर्डर भेजा।

उन्होंने कहा कि ट्रेनिंग कैंप में मौलवियों

के आने के बाद जाफर ने टीम का स्लोगन 'राम भक्त हनुमान की जय' भी बदलवा दिया। उत्तराखंड टीम पिछले साल से ही 'राम भक्त हनुमान की जय' स्लोगन के साथ खेल रही थी। जाफर ने कथित रूप से इसे 'गो उत्तराखंड' करा दिया।

इन आरोपों पर जाफर ने न्यूज एजेंसी से कहा, 'मैंने उनसे (महिम और शमशाद) कहा था कि टीम का कप्तान जय बिष्ट को बनाया जाना चाहिए। वह यंग प्लेयर था। वे तैयार हो गए थे, लेकिन टूर्नामेंट के लिए पहुंचने के बाद उन्होंने (महिम और शमशाद) कहा कि इकबाल को कप्तान बनाया जाना चाहिए। तब भी मैंने हां कहा और इकबाल को कप्तान बनाया।' उन्होंने कहा, 'यह (आरोप) बहुत ही दुखद हैं। मैंने सब कुछ अपने ईमेल में लिखकर दिया था। जाहिर है कि उन्होंने कोई जवाब नहीं दिया था। वे इस मामले को धार्मिक रंग देते हुए मेरे खिलाफ गलत आरोप लगा रहे हैं।'

जाफर ने कहा, 'जब हम सैयद मुश्ताक अली टूर्नामेंट खेलकर आए, तब सचिव और सिलेक्टर ने मुझसे कप्तान और टीम को बदलने जैसी कोई बात नहीं की। उन्होंने मुझसे टीम सिलेक्शन को लेकर भी बात नहीं की थी, फिर वे इस तरह की बात पीठ पीछे क्यों कर रहे हैं। उन्हें सारी बातें मुझसे कहना चाहिए था। यही कारण है कि मैंने कोच पद से इस्तीफा दिया। उन्होंने यह जानना नहीं चाहा कि मैंने जो किया, वह क्यों किया।' स्लोगन 'राम भक्त हनुमान की जय' को लेकर जाफर ने कहा, 'पहली बात तो यह है कि यह स्लोगन (जय श्री राम या जय हनुमान) मैंने यहां नहीं सुना था। प्रैक्टिस मैच के दौरान कुछ खिलाड़ी 'रानी माता सच्चे दरबार की जय' का नारा लगाया करते थे। यह सिख समुदाय का नारा है और इस समुदाय के टीम में दो ही खिलाड़ी थे, जो यह स्लोगन इस्तेमाल करते थे। मैंने कभी जय हनुमान, जय श्री राम नहीं सुना।' उन्होंने कहा कि सैयद मुश्ताक अली टूर्नामेंट के लिए बड़ौदा पहुंचने के बाद चंद्रकांत पंडित और कुछ खिलाड़ियों के कहने पर मैंने 'गो उत्तराखंड' या 'लेट्स डू इट उत्तराखंड' या 'कम ऑन उत्तराखंड' का नारा लगाने की बात कही थी। जाफर ने कहा, 'स्लोगन बदलने के आरोप गलत हैं। यदि मुझे इसे धार्मिक भेदभाव ही करना होता तो मैं अल्ला-हु-अकबर नारा लगाने के लिए कहता।'

टेस्ट सीरीज में नहीं खेल पाएंगे जडेजा

नई दिल्ली। भारतीय टीम को एक बड़ा झटका लगा है। खबर है कि भारत और इंग्लैंड के बीच खेले जा रहे चार मैचों की श्रृंखला में भारतीय टीम के ऑल राउंडर रविंद्र जडेजा आने वाले दिन मैचों में अपना प्रदर्शन नहीं दिखा पाएगें। बता दें कि सिडनी में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बल्लेबाजी करते वक्त जडेजा का अंगूठा डिस्लोकेटेड हो गया था, जिसके कारण वे ब्रिस्टेन में खेले जा रहे है मैच से बाहर थे।

जडेजा को ठीक होने में लगेगा वक्त

अंगूठे में चोट लगने के कारण रविंद्र जडेजा स्वदेश लौट आए थे, जहां उन्हें बाद नेशनल क्रिकेट अकादमी में भेजा गया। उम्मीद जताई जा रही थी कि भारत और इंग्लैंड के टेस्ट सीरीज के लास्ट दो मैचों में रविंद्र जडेजा बिल्कुल फिट हो जाएगें, लेकिन ताजा खबर के मुताबिक, उन्हें ठीक होने में अभी और वक्त लग सकता है।

वहीं क्रिकबज की रिपोर्ट में बताया गया है, रवींद्र जडेजा की रिकवरी उम्मीद से ज्यादा समय ले रही है और कोई मौका नहीं है वह टेस्ट के लिए फिट होगा। वहीं यह खबर आई है कि दूसरे टेस्ट मैच में भारतीय टीम में कुछ बदलाव भी होने वाले है। माना जा रहा है कि इंग्लैंड के खिलाफ खेले जाए टेस्ट सीरीज में बाएं हाथ के स्पिनर शाहबाज नदीम के खराब प्रदर्शन के कारण उन्हें इस सीरीज से बाहर कर दिया जाएगा। इस खबर पर पुष्टि शुक्रवार को हो जाएगी कि नदीम मैच में रहेगें या बाहर होगें।

दीम ने दिए 59 ओवरों में 233 रन

बताते चलें कि मैच खत्म होने के बाद भारतीय टीम के कप्तान विराट कोहली ने बताया, नदीम और

सुंदर मैच में जसप्रीत बुमराह, ईशांत शर्मा और रविचंद्रन अश्विन द्वारा बनाए गए दबाव को बरकरार नहीं रख सके। हालांकि नदीम ने भले ही टीम को 4 विकेट दिलवाए, लेकिन उन्होंने दो पारियों में 59 ओवरों में इंग्लैंड को 233 रन दे चूके थे।